भारतीय प्रबंध संस्थान

१८ बें वार्षिक परिवेदन
१९९२-९३

प्रस्तावना

आई आई एम बी बदलते परिवेश के अनुरूप अपने को पुनर्गठित व पुनरनुस्थापित कर रहा है।

उद्योग, शैक्षणिक विशेषज्ञों, विद्यार्थियों और भूतपूर्व विद्यार्थियों के परामर्श से आईआईएमबी के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को इस प्रकार संगठित किया गया है कि तेजी से बदलते हुए आर्थिक परिवेश की प्रबंधकीय आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। अनिवार्य और वैकल्पिक विषयों की आवश्यकताओं को इस आशय से बदला गया है कि पीजीपी और अधिक वैकल्पिक विषयों में से चुनाव कर सकें और वे अपने सुनियोजित कैरियर के लिए तैयार हो सकें तथा संकाय तेजी से बदलते हुए विश्व की समस्याओं, पद्धतियों और आवश्यकताओं के अनुकूल वैकल्पिक विषयों को बना सकें।

भारतीय उद्योग संगठन से बातचीत द्वारा शिल्प वैज्ञानिकों के प्रबंधकीय प्रशिक्षण अंतराल को भरने के लिए आईआईएमबी ने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया है। शिल्प वैज्ञानिकों के लिए 1992-93 में प्रारम्भ किया गया 9 माह का पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम, उत्पादन व अन्य संबंधित क्षेत्रों में 5 से 6 वर्ष तक के अनुभव के अभियंताओं और शिल्प वैज्ञानिकों के प्रबंधकीय आधार को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बनाया गया है। पहले एमपीटी कार्यक्रम में सार्वजनिक वनिजी क्षेत्र के संगठनों से कुल 24 प्रतिभागी थे।

संस्थान अपने कार्यपालक विकास कार्यक्रमों को सुदृढ़ कर रहा है। संगठनों को बदलते हुए परिवेश के अनुसार अपने को अनुकूल बनाने में मदद के उद्देश्य से, आईआईएमबी ने प्रशिक्षण के संगठन आधारित कार्यक्रमों को बढ़ाने का प्रयास किया है, जिसके फलस्वरूप 1992-93 में संगठन आधारित कार्यक्रम लगभग दुगुने हो गए है। संगठन आधारित कार्यक्रमों को संस्थान उद्योग के संयुक्त शोध कार्य के रूप में देखा जाता है।

देश में अच्छे प्रबंध संकाय की कमी को द्वर करने के उद्देश्य से आईआईएमबी अपने फैलो कार्यक्रमों को गुणवत्ता व संख्या दोनों दृष्टियों से सुदृढ़ कर रहा है।

वित्तीय सहायता कम करने की सरकारी नीति के फलस्वरूप सभी भारतीय प्रबंध संस्थानों में शिक्षा शुल्क बढ़ाना पड़ा। आईआईएमबी ने अपने इस लक्ष्य कि ''धन के अभाव में कोई भी विद्यार्थी प्रबंध शिक्षा से वंचित न हो'', अपने शिक्षा-शुल्क में वृद्धि कम से कम की है। वित्तीय सहायता समिति के माध्यम से संस्थान ने जरूरतमंद विद्यार्थियों की वित्तीय सहायता हेतु सीधे बैक से ऋण की सुविधाओं की व्यवस्था की है।

के. आर. एस. मूर्ति
निदेशक

विषय वस्तु

	पृष्ठ सं.
1. गवर्नर मंडल	7
2. शैक्षणिक गतिविधियां	9
3. प्रबंधन विकास कार्यक्रम	24
4. संगठन आधारित कार्यक्रम	26
5. अनुसंधान	28
6. प्रकाशन	32
7. परामर्शी	36
8. स्थापना दिवस	38
9. संकाय	39
10. पुस्तकालय	46
11. संगणक (कम्प्यूटर) केंद्र	47
12. छात्रावास	48
13. निर्माण	49
14. कार्मिक तथा प्रशासन	50
15. भूतपूर्व छात्र संघ (एलुम्नी)	54
16. वित्तीय स्थिति	55
17. वर्ष 1992-93 का लेखा-परीक्षित लेखा विवरण	56

1. गवर्नर मंडल

अध्यक्ष

श्री जी.वी. के राव
भूतपूर्व मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार
भूतपूर्व सदस्य, योजना आयोग
बेंगलूर

सदस्य

एस.वी. गिरी
शिक्षा सचिव
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार
नयी दिल्ली

एस. के. बैनर्जी
वित्तीय परामर्शदाता
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शिक्षा विभाग
नयी दिल्ली

डा. एस. एम. दासगुप्ता
अध्यक्ष, म.प्र. राज्य इलैक्ट्रानिक
विकास निगम
भोपाल

डा. राम. एस. तारनेजा
परामर्शदाता
बैनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमि.
बंबई

एस. के. घोषाल
अतिरिक्त मुख्य सचिव
कर्नाटक सरकार
बेंगलूर

टेरेसा भट्टाचार्य
आयुक्त तथा सचिव
कर्नाटक सरकार
शिक्षा विभाग
बेंगलूर

ए. रवीन्द्रा
मुख्य मंत्री के सचिव
कर्नाटक सरकार
बेंगलूर

डा. एन. आर. शेट्टी
उप कुलपति
बेंगलूर विश्वविद्यालय
बेंगलूर

डा. परविन्दर सिंह
उपाध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक
रैनबैक्सी लेबोरेटरीज लिमि.
नयी दिल्ली

एस. पंडित
भूतपूर्व कार्यपालक निदेशक
फिलिप्स इंडिया लिमि.
नयी दिल्ली.

डा. टी. बी. सिंह
भूतपूर्व अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक
भारत अल्युमिनियम कं. लिमि.
नयी दिल्ली.

परोवश चंद्र नियोगी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
हिन्दुस्तान मशीन टूल्स लिमि
बेंगलूर

एस. समद्दर
भूतपूर्व सचिव (इस्पात)
भूतपूर्व सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग
नयी दिल्ली

बी. वी. राजशेखर रेड्डी
अध्यक्ष
फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चेंबर्स ऑफ
कामर्स एंड इंडस्ट्री
बेंगलूर

रमेश गेल्ली
अध्यक्ष
दि वैश्य बैंक लिमि.
बेंगलूर

एस. घोष
उप महा निदेशक
(तकनीकी सेवाएं)
राष्ट्रीय उत्पादकता काउंसिल
नयी दिल्ली

डा. एम. एल. शहारे
भूतपूर्व महा निदेशक
डा. बाबा साहेब अंबेड़कर राष्ट्रीय
समाज विज्ञान संस्थान
इन्दोर

डा. अनुत कुमार धन
भूतपूर्व कुलपति
रांची विश्वविद्यालय तथा प्रशासक
कैंब्रिज विद्यालय तातिसिलवई
रांची

डा. श्यामल राय
प्रोफेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान
बेंगलूर

डा. प्रसन्न चन्द्रा
प्रोफेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान
बेंगलूर

डा. यू. आर राव
अध्यक्ष
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
बेंगलूर

डा. वी.ए. पई पानंदिकर
निदेशक
नीति अनुसंधान केन्द्र
नयी दिल्ली

डा. एन. आर शेठ
भूतपूर्व निदेशक भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद तथा अवैतनिक फैलो,
गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट
रिसर्च
अहमदाबाद

एम. एस. पटवर्धन
नेशनल आरगैनिक केमिकल इंडस्ट्रीज
लिमि.
बंबई

डा. के. आर. एस. मूर्ति
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान
बेंगलूर

1.1 भारत सरकार के प्रतिनिधि

भारत सरकार ने 13 जनवरी 1993 से उप शिक्षा सलाहकार (टी) डा. डी. के. शर्मा के स्थान पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा सचिव श्री एस. वी. गिरी को बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया।

भारत सरकार द्वारा मनोनीत निम्नलिखित सदस्यों का पाँच वर्ष का कार्यकाल 22 मार्च 1992 को पूरा हो गया।

श्री एन आर कृष्णन
अपर सचिव
उद्योग मंत्रालय

श्री सुरेश कुमार
सचिव
सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो

भारत सरकार ने इनके स्थान पर निम्नलिखित सदस्यों को 9 जुलाई 1992 को मनोनीत किया:

डा. एस एम दास गुप्ता
अध्यक्ष
एम पी स्टेट इलैक्ट्रानिक्स कारपोरेशन लि.
147, जोन-1, महाराणा प्रताप नगर,
भोपाल

डा. राम एस तारनेजा
सलाहकार
बैनेट कोलमैन एण्ड कं लि.
टाईम्स आफ इण्डिया पब्लिकेशन्स,
डी एन रोड,
बम्बई-400021

1.2 कर्नाटक सरकार के प्रतिनिधि

कर्नाटक सरकार ने प्रधान सचिव टी पी इस्सर, सचिव शिक्षा विभाग श्री पी एस नटराजन और सचिव, वित्त विभाग श्री सी गोपाला रेड्डी के स्थान पर 14 दिसम्बर 1992 से निम्नलिखित सदस्यों को मनोनीत किया:

श्री एस के घोसाल
अपर प्रधान सचिव

श्रीमती टेरेसा भट्टाचार्या
आयुक्त व सचिव
शिक्षा विभाग

श्री ए रवीन्द्रा
मुख्य मंत्री के सचिव

1.3 एफ के सी सी आई प्रतिनिधि

श्री एम तल्लम राधाकृष्णन शेट्टी का कार्यकाल समाप्त होने पर कर्नाटक चेम्बर्स एण्ड इण्ड्स्ट्री आँफ कामर्स ने 11 मई 1992 से श्री बी वी राजशेखर रेड्डी, अध्यक्ष को बोर्ड का सदस्य मनोनीत कीया।

1.4 संकाय प्रतिनिधि।

निम्नलिखित सदस्यों को गवर्नर मण्डल ने 19 अक्तूबर 1992 से दो वर्ष के लिए मनोनीत किया।

डा. श्याम लाल राव
प्रोफेसर आईआईएमबी

डा. प्रसन्न चन्द्रा
प्रोफेसर आईआईएमबी

1.5 सहयोजित सदस्य

डा. राम एस तारनेजा के 9 जुलाई 1992 से भारत सरकार के प्रतिनिधि बनने पर इसरो के अध्यक्ष डा. यू एस राव को बोर्ड द्वारा 1 अगस्त 1992 से बोर्ड का सदस्य बनाया गाया।

1.6 बैठकें

आईआईएमबी सोसायटी, गवर्नर मण्डल और कार्यकारी समिति की बैठकें निम्नलिखित तिथियों को हुई:

i) सोसायटी
   अप्रैल 3, 1992
   मार्च 19, 1993

ii) गवर्नर मण्डल
   अप्रैल 3, 1992
   जुलाई 10, 1992
   अक्तूबर 28, 1992
   जनवरी 8, 1993
   मार्च 19, 1993

iii) कार्यकारी समिति
   मई 27, 1992

2. शैक्षणिक गतिविधियां

2.1 फैलो कार्यक्रम

क्रार्यक्रम को सुदृढ बनाने के लिए 1992-93 में अनेक कदम उठाये गए. विवरण निम्नलिखित हैं:

2.1.1 स्नातक

निम्नलिखित तीन छात्रों ने फैलो कार्यक्रम की शर्तें पूरी की और 3 अप्रैल 1992 को आयोजित हुए 17वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में फैलो की उपाधि प्राप्त की:

छात्र	शोध प्रबंध का विषय	संकाय परामर्शदाता
के कुमार	भारत में निगमित योजना का एक अध्ययन	प्रसन्ना चन्द्रा
जे पी साहू	अस्पताल में स्वास्थ्य देख रेख की मशीनों की व्यवस्था का तुलनात्मक विश्लेषण	ए. वी षणमुगम्
एम. एस. श्रीराम	ग्रामीण सहकारी समितियों की अस्वस्थता (अस्पताल) के लक्षणों का अध्ययन	टी. पी. गोपालस्वामी

निम्नलिखित 4 छात्रों ने फैलो कार्यक्रमों के लिए सभी आवश्यक शर्तों को पूरा किया और 19 मार्च 1993 को आयोजित हुए 18वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में फैलो की उपाधि प्राप्त की। इनके साथ ही आईआईएमबी से फैलो स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वालों की संख्या 45 पहुंच गई।

के नन्दी	ब्रांड विश्वसनीयता के लिए दूरदर्शन विज्ञापनः निर्णय समर्थित पद्धति	एस. शिवा रामू
आर. एस. देसिकन	आवधिक ऋण मूल्यांकन के लिए एक विशेषज्ञ समर्थित पद्धति	वी. बी. कौजलगी
संजय गोयल	भारत में आवास की बुनियादी आवश्यकताओं की योजनाः बहुक्षेत्रीय कार्यक्रम माडल के साथ अनुभव सिद्ध विश्लेषण	रणजीत धर
शरत कुमार	द्रुतगति वातावरण में अनुकूल प्रबंध कम्प्यूटर उद्योग के संदर्भ में	वी. रंगनाथन

2.1.2 प्रवेश

1993 के लिए प्रवेश कार्य चल रहा है, निम्नानुसार आवेदन पत्र प्राप्त हुये:

संख्या	1992	1993
प्रार्थित आवेदन	1527	927
प्राप्त आवेदन	687	402
साक्षरत्कार के लिए बुलाय गये	74	50
साक्षात्कार में आने वाले	48	31
प्रस्ताव किये गये	12	13
प्रस्ताव स्वीकृत	5	4
भर्ती हुये	3	3
कार्यक्रम जारी कर रहे	2	2

1993 के लिए आवेदकों की संख्या में गिरावट का कारण संभवतः आवेदन शुल्क को बढ़ाकर रु. 500/- करना था। आवेदकों की संख्या में अस्थिरता की अपेक्षा, पर्याप्त संख्या में उपयुक्त प्रकार के विद्यार्थियों को आकर्षित करने की समस्या, निरंतर हमारे विचाराधीन रही है।

फैलो कार्यक्रमों में प्रवेश के कार्य को 1993 में विकेंद्रीकृत किया गया। क्षेत्र और सेक्टर, प्रशिक्षार्थियों का चयन सीधे उस सूची में से करते हैं, जिसे एफपीएम समिति द्वारा, सभी क्षेत्रों और सेक्टरों के पीजीपी और एफपीएम के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा में समरूप न्यूनतम अंक के आधार पर तैयार किया जाता है।

2.1.3 मान्यता

भारतीय विश्वविद्यालय संगठन ने आईआईएमबी की फैलो उपाधि को पीएचडी के समकक्ष मान्यता दे दी है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय से समकक्ष मान्यता दिलाने के लिए गंभीर प्रयास किये गये। मामले को एआईसीटीई में भी उठाया गया। मान्यता शीघ्र ही प्राप्त होने की आशा है।

2.1.4 पाठ्यक्रम कार्य

इस वर्ष द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम भार को हमने न्यूनतम 33 अंकों से बढ़ाकर 38 अंक (क्रेडिट) कर दिया।

1992-93 में केवल एफपीएम के लिए निम्नलिखित 15 नये पाठ्यक्रम जोड़े गये:

	विषय	संकाय
1.	अंतरराष्ट्रीय वित्त II	पी. जी. आप्टे
2.	ज्ञान निरूपण और विवेचन के विषय	बी. शेखर
3.	उन्नत औद्योगिक संबंध	एस. संपंगी रामय्या
4.	सामयिक वित्तीय रिपोर्टिंग	एस. सुंदरराजन
5.	अनुसंधान प्रणाली-II	एल. एस. मूर्ती
6.	प्राकृतिक संसाधन अर्थशास्त्र	के. बी. नायर
7.	ऊर्जा अर्थशास्त्र	वी. रंगनाथन
8.	पर्यावरण परियोजना मूल्याकंन	एन. नागण्णा
9.	लागत लाभ विश्लेषण	बी. रंगनाथन
10.	कृषि में निर्णय लेना	वी. नागदेवरा
11.	स्टॉकैस्टिक प्रोसेसिज	नरसिंग राव
12.	नीतिगत वित्तीय प्रबंधन	प्रसन्न चंन्द्र
13.	वित्तीय और मैट्रिक नीति	श्यामल रॉय
14.	पूंजी बाजार में संतुलन के आदर्श	पी. जी. आप्टे
15.	आर और डी कार्यो की उत्पादकता	एल. प्रसाद

2.1.5 लघु शोध प्रबंध मूल्यांकन प्रणाली

1992-93 से एफपीएम शोध प्रबंध मूल्यांकन प्रणाली में मौखिक प्रतिरक्षा को जोड़ा गया है। पुरानी और नयी प्रणाली को नीचे दिया गया है:

	1991-92 तक	1992-93 से
1.	लघु शोध प्रबंध समति (इसमें दो ऐसे सदस्य भी शामिल हैं जो लघु शोध प्रबंध परामर्शी समिति के बाहरी सदस्य होते हैं (द्वारा शोध प्रबंध का मूल्यांकन1.	पुरानी प्रणाली के अनुसार
2.	शैक्षणिक समुदाय के समक्ष परीक्षार्थी द्वारा सार्वजनिक प्रस्तुतीकरण	2. लघु शोध प्रबंध परीक्षण समिति के समक्ष शोध प्रबंध की मौखिक प्रतिरक्षा 3. सार्वजनिक प्रस्तुतीकरण

इस परिवर्तन से एकीकृत मूल्यांकन संभव है। किसी एक परीक्षक की जोरदार और महत्वपूर्ण टिप्पणी को समिति द्वारा सुधारात्मक कार्रवायी या फिर मूल्यांकन में संशोधन के लिए ही स्वीकार किया जा सकता है।

2.1.6. पी.एच.डी स्तर कार्यक्रम के लिए बाह्य पंजीकरण

हमने ऐसे व्यक्तियों के लिए बाह्यरूप से पंजीकृत पी एच डी स्तर कार्यक्रम के संचालन की संभाव्यता की जांच की, जो कार्यरत हैं, वैचारिक प्रवृत्ति रखते हैं और जो कार्य वे कर रहे हैं उस के संबंध में काफी योगदान दे सकते हैं। परन्तु यह महसूस किया गया कि प्रबंधन अनुसंधान के लिए मुख्य कौशल दो वर्षीय पाठ्यक्रम कार्य के दौरान आर्जित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम कार्य की अवधि को कम करना उचित नही समझा गया। परिणामस्वरूप बाह्य पंजीकरण को प्रारंभ नहीं किया गया।

2.1.7. एफ पी एम विद्यार्थियों की स्थिति (31 मार्च, 1993 की स्थिति)

प्रथम वर्ष	:2
द्वितीय वर्ष	:6
शोध प्रबंध चरण में	:8
सार्वजनिक प्रतिरक्षा की प्रतीक्षा में	:5

2.1.8. सम्मेलनों में विद्यार्थियों की प्रतिभागिता

श्री एस. रमेश पद्मनाभन, एफ पी एम विद्यार्थी ग्रेजुएट स्कूल बिजनेस, यूनिवर्सिटीआफ लायन ने, फ्रांस में 3-5 सितंबर 1992 के दौरान 'बिजनेस नेटवर्क्स इन एन इटरनेशनल कंटेक्सटः रीसेंट रिसर्च डेव्लपमेंटस्'' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''इंटरनेशनल बिजनेस टू बिजनेस मार्केटिंग स्ट्रैजीदि इंडियन केस'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

श्री आर. एस देसिकन तथा श्री रमेश पद्मनाभन-फैलोशिप विद्यार्थियों ने वित्त और प्रबंधन में कम्प्यूटर पर आयोजित प्रतियोगिता में ''एन एक्सपर्ट सिस्टम फार कॉटन यार्न एक्सपोर्ट'' विषय पर एक

पेपर प्रस्तुत किया, जिसे प्रथम पुरस्कार मिला। यह प्रतियोगिता दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की विद्यार्थी शाखा, इंस्टीट्यूट आफ इलैक्ट्रिकल्स एंड इलैक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग (आईईईई) द्वारा 11-12 फरवरी 1993 को आयोजित की गई थी।

2.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम

2.2.1 पीजीपी 1992-94 बैच में प्रवेश

पीजीपी 1992-94 बैच में 147 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गाया, जबकी 1991-93 में इनकी संख्या 157 थी। 1992 94 बैच की सारांश-तालिका अलग से परिशिष्ट I में दी गयी है।

हालांकि पिछली बार की अपेक्षा 10 प्रतिशत कम प्रस्ताव इस वर्ष प्राप्त हुये तथापि विद्यार्थियों ने उसी संख्या में पंजीकरण कराया और पीजीपी विद्यार्थियों के मध्य आई आई एम बी के लिए विशेष वरीयता दिखायी थी।

लड़कियों की संख्या पिछले बैच में 19 से कुछ बढ़कर 1992-94 बैच में 23 हो गयी। अ. जा/ज.जा विद्यार्थियों की संख्या 1992-94 में 29 और 1991-93 में 30 थी।

इंजीनियरों की संख्या 1991-93 में 127 (लगभग 81 प्रतिशत) से काफी घटकर 1992-94 में 108 (73 प्रतिशत) रह गयी। यह प्रतिशत 1987-89 में 87 था और पांच वर्ष के दौरान इसमें निरंतर कमी आयी है।

हालांकि बिना कोई संगत कार्य-अनुभव वाले विद्यार्थियों की संख्या लगभग वही रही, तथापि 36 माह से अधिक के अनुभव वाले विद्यार्थियों की संख्या में 40 प्रतिशत की कमी आयी। यह मिश्रण, भर्तीकर्ताओं की पीजीपी से अपेक्षाओं के अनुरूप ही रहा।

1992-94 बैच में युवा विद्यार्थी ही अधिक थे जिनकी आयु 23 वर्ष निकलती थी और केवल 6 विद्यार्थियों की आयु 27 वर्ष से अधिक थी।

माता-पिता मुख्यतया सरकारी नौकरी पेशा और मध्यम आय समूह से संबंध रखते थे।

10 पुनः परीक्षा देने वालों तथा 3 फैलोशिप विद्यार्थियों को मिलाकर 1992-93 के प्रथम वर्ष में 150 विद्यार्थी थे।

2.2.2 पीजीपी 1993-95 बैच में प्रवेश

सभी आई आई एम के लिए सामान्य प्रवेश आवेदन पत्र 1993 से शुरू किये गये। पहले प्रतिभागी को सीएटी में बैठने के लिए रु 120/- तथा चारों संस्थानों के लिए रु. 60/- प्रत्येक के हिसाब से शुल्क अदा करना पड़ता था। इस प्रकार उसे कुल रु. 360/- खर्च करने पड़ते थे, यदि वह चारों संस्थानों के लए आवेदन करना चाहता था। 1993 से उसे सीएटी में बैठने के लिए और चारों संस्थानों के आवेदन शुल्क के रूप में रू. 500/- अदा करने पड़ते हैं। पूर्ववर्ती वर्षो की तरह, 1993 प्रवेश के दौरान कुछेक संस्थानों के लिए आवेदन करने पर शुल्क में कमी नहीं की गयी।

आवेदन पत्र की कीमत में वृद्धि का कारण परीक्षा और साक्षात्कार संचालन की लागत में हुयी वृद्धि था। संकाय का काफी समय परीक्षा की तैयारी और प्रशासनमें लग जाता है। सीएटी में लगने वाले संकाय के समय की कीमत को निकालकर भी पाया गया कि परीक्षा के लिए मुद्रण व स्टेशनरी लागत, यात्रा तथा संबंधित व्यय पिछले कुछ सालों में काफी अधिक हो गये हैं।

इस दौरान आवेदन पत्रों की कीमत बढायी नहीं गयी। अतः यह वृद्धि 1992 में हुयी। संस्थान भी यथोचित प्रयास करके लागत पर नियंत्रण रखने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण उपाय यह है कि परीक्षा केन्द्रों को कुछेक महत्वपूर्ण शहरों तक सीमित कर दिया गया है।

सभी आई आई एम द्वारा सामान्य प्रवेश परीक्षा 31 जनवरी, 1993 को आयोजित की गयी। सभी आई आई एम के लिए विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में कुल 17, 486 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। आई आई एम बी ने 997 परीक्षार्थियों, 154 अ. जा. /ज.जा. परीक्षार्थियों सहित, को समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बुलाया, जिनका संचालन मार्च 29 और अप्रैल 7, 1993 के दौरान बंबई, बैंगलोर, कलकत्ता तथा दिल्ली में किया गया।

2.2.3. प्रारंभिक कार्यक्रम

1992-94 बैच में प्रवेश के लिए 22 पीजीपी विद्यार्थियों के लिए 1 और 30 जून 1992 के दौरान अंग्रेजी भाषा, संप्रेषण, परिमाणात्मक निपुणता और लेखा विधि पर प्रारंभिक कार्यक्रम चलाये गये।

2.2.4. पाठ्यक्रम संशोधन

प्रोफेसर वत्सला नागराजन (डीन तथा प्रोफेसर वित्त एवं नियंत्रण क्षेत्र) की अध्यक्षता में गठित संकाय समिति ने पीजीपी पाठ्यक्रम की, संकाय, विद्यार्थियों, अलुम्नी तथा उद्योग विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर समीक्षा की और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम की रूपरेखा 1992-93 शैक्षणिक वर्ष में संशोधित की गयी और 1992 से अनिवार्य विषयों की संख्या को 27 से कम

करके 21 कर दिया गया। इससे विद्यार्थियों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम लेने का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों को ऐच्छिक धारा में अतिरिक्त पाठ्यक्रम (अतिभार) लेने की सुविधा भी प्रदान की गयी।

2.2.5 पाठ्यक्रम

संकाय द्वारा 1992-93 शैक्षणिक वर्ष के दौरान 42 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित किये गये, जबक 1991-92 के दौरान इनकी संख्या 39 थी। निम्नलिखित छह नये पाठ्यक्रम शुरू किये गये :

शीर्षक	संकाय	पंजीकरण
1. प्रबंधकीय और अंतर्वैयक्तिक कौशल कार्यशाला	सी. एम. रेड्डी	21
2. पूर्वीयूरोप में कारोबार संभाव्यता	रामनाथ नारायण स्वामी	29
3. निर्माण नीति	टी. एस. नागभूषण	21
4. वित्तीय सेवाएं	संतानरामन	128
5. प्रबंधकीय मौखिक संप्रेषण	एस. रघुनाथ और एस नयनतारा	47
6. अंतरराष्ट्रीय कारोबार विनिमय कौशल	पी. एन. तिरुनारायण	25

नये शुरु किये गये छह पाठ्यक्रमों का उद्देश्य निम्नानुसार था:

i. ''प्रबंधकीय और अंतर्वैयक्तिक कौशल कार्यशाला''

यह कार्यशाला प्रतिभागियों को उनके अंतर्वैयक्तिक तथा प्रबंधकीय कौशल विकसित करने और उनकी मुख्य शक्तियों तथा उनकी शैली की सीमाओं को पहचानने में सहयोग देने के उद्देश्य से चलायी गयी।

ii. ''पूर्वी यूरोप में कारोबार संभाव्यताएं''

इस पाठ्यक्रम द्वारा भूतपूर्व यूएसएसआर की समाजवादी अर्थव्यवस्था तथा पूर्वी यूरोप में आर्थिक प्रबंधन, औद्योगिक सुधार तथा प्रबंधकीय व्यवहार की मूलभूत जानकारी दी गयी और उसकी तुलना भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार लाने के लिए किये जा रहे वर्तमान प्रयासों से की गयी। इस पाठ्यक्रम द्वारा निष्कर्ष निकाला गया कि भारत जैसे विकासशील देश तुलनात्मक अध्ययन से अनुभव ले सकते हैं।

iii. ''निर्माण नीति''

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान वातावरण में प्रतियोगी शस्त्र के रूप में निर्माण की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देना और उसके नीतिगत पहलुओं पर प्रकाश डालना था।

iv. ''वित्तीय सेवाएं''

हमारे देश में पिछले दशक के दौरान वित्तीय सेवाओं के विकास पर विशेष बल दिया गया है। इस पाठ्यक्रम द्वारा इस नये परिदृश्य के विभिन्न पहलुओं और वित्तीय सेवाओं की रूपरेखा तथा दिशानिदेशों पर ध्यान केंद्रित किया गाया। भारतीय स्टॉक एक्सचेंज बोर्ड (एसईबीआई) तथा अन्य सरकारी अभिकरणों की भूमिका, वित्तीय और व्यापारी बैंकों तथा ऋण संघटन के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गयी।

v. ''प्रबंधकीय तथा मौखिक संप्रेषण''

इसका उद्देश्य प्रबंधकीय स्थितियों में, प्रेषण तथा स्वीकारण दोनों ही में, मौखिक संप्रेषण सुविधा को सुधारना था।

vi. ''अंतरराष्ट्रीय कारोबार विनिमेय कौशल''

इस कार्यक्रम का लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में, अपने हितों तथा संबधों को पूर्णता में, सर्जनात्मक ढंग से बेहतर बनाने की जानकारी देना था। इस पठ्यक्रम द्वारा प्रथमवर्ष के पाठ्यक्रमों की सामग्रिक जानकारी दी गयी और इसमें तीन संघटन थे:

- विनिमेय प्रक्रिया की गहनतर जानकारी विकसित करना;
- विनिमय तरीकों के लिए नये दृष्टिकोण की खोज और उन्हें परिष्कृत करना; और
- अंतरराष्ट्रीय कारोबार के संदर्भ में, एकत्र की गयी जानकारी को लागू करना।

ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ायी गयी, साथ ही वैकल्पिक नॉन क्रेडिट पाठ्यक्रम भी अतिथि विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तावित किये गये।

उल्लेखनीय कुछ पाठ्यक्रम निम्नलिखित हैं:

1. ''प्रबंधकीय प्रभावित और पद्धति''- प्रेफेसर ए. के. चक्रवर्ती, आईआईएम कलकत्ता, जुलाई 4-7, 1992 के दौरान।
2. ''चैनल प्रबंधन''
   प्रोफेसर शुमीक बैनर्जी, युनिवेर्सिटी आफ शिकागो, यू.एस.ए., 27 जुलाई 5 अगस्त 1992 के दौरान
3. ''विपणन अनुसंधान में विशेष विषय'' प्रोफेसर प्रदीप ए. राऊ, जार्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटि, यू. एस. ए., 13 अगस्त से 31 अगस्त, 1992 तक
4. ''कुल गुणवत्ता प्रबंधन'', श्री गणपति सुब्रमणियम उत्पादन प्रबंधक, ह्यूलेट पैकर्ड (इंडिया) लिमि. बेंगलूर, 9 दिसम्बर और 15 जनवरी 1993 के दौरान
5. '' मुद्रा विनिमेय कक्ष'' श्री एन. कृष्णमूर्ति, प्रबंधक (विनिमेय) इंडियन बैंक, समुद्रपारीय शाखा मद्रास, 19 और 20 दिसम्बर 1992
6. ''केन्द्रीय शुल्क, उत्पाद और फेरा'' श्री के. एस. रविशंकर, सनदी लेखाकार, बेंगलूर 6 और 27 जनवरी 1993 के दौरान
7. ''एमआईएस को लागू करना'' श्री एस. रामनाथन, वरिष्ठ प्रबंधक सिस्टम्स, कैमप्लास्ट इंडिया लिमि. मद्रास, 9 और 10 जनवरी 1993 के दौरान
8. ''कारोबार संबंधी संप्रेषण'' श्री एस. एच. वैंकटरमणी, प्रबंधक कारपोरेट कम्यूनिकेशन, बल्लारपुर इंडस्ट्रीज, नयी दिल्ली 15 से 20 जनवरी 1993 तक
9. ''अंतरराष्ट्रीय विपणन'' प्रोफेसर अमितव चट्टोपाध्याय (मैकगिल से अतिथि संकाय) द्वारा संयोजित, 10 से 16 फरवरी 1993 तक।

2.2.6 ट्यूटोरियल

नियमित पीजीपी कक्षाओं के अलावा सभी प्रथमवर्ष पीजीपी के लिए ट्यूटोरियल शुरु किये गये। इन्हें सामान्य कक्षा समय के उपरांत उन शिक्षकों द्वारा चलाया गया, जिन्हें योग्यताओं और सुविधाओं के आधार पर द्वितीय वर्ष पीजीपी के रूप में चुना गया था। ट्यूटोरियल कार्यक्रमों के द्वारा जहां पात्र द्वितीय वर्ष पीजीपी को मानदेय के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकी, वहीं प्रथमवर्ष पीजीपी को संकल्पनाओं एवं तकनीकों को बेहतर समझ सकने एवं संदेह-निवारण हेतु अनौपचारिक वातावरण, प्राप्तर हो सका।

परिमाणात्मक पद्धति -1, लागत एवं प्रबंधन लेखांकन, परिमाणात्मक पद्धति - 11 तथा विपणन अनुसंधान के क्षेत्रों में ट्यूटोरियल चलाये गये।

2.2.7 नया शुल्क ढांचा

वार्षिक शुल्क, जिसमें शिक्षण सामग्री, कमरे का किराया और अन्य प्रभार शामिल हैं, कुल शुल्क, मेस प्रभार को छोड़कर, 1991-92 में रु. 3822 प्रतिवर्ष थे, इन्हें बढ़ाकर 1992-93 में रु. 13,125 प्रतिवर्ष कर दिया गया। यद्यपि वृद्धि काफी तेजी से हुयी, तथापि विद्यार्थियों ने इसे काफी सहजतापूर्वक स्वीकार किया, क्योंकि पिछले तीन दशकों में शुल्क में कोई खास बढ़ोत्तरी नहीं की गयी थी और क्योंकि वे आईआईएम द्वारा दी जा रही शिक्षा की महत्ता को भी समझते हैं। शुल्क में यह वृद्धि एचआरडी मंत्रालय तथा आईआईएम पुनरीक्षण समिति द्वारा बनायी गयी इस नीति के अनुसार थी कि प्रबंधन शिक्षण में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में ही अधिकांश लागत की वसूली की जाए।

2.2.8 वित्तीय सहायता समिति

ऋण

प्रशासनिक अधिकारी (तकनीकी) लेफ्ट. कर्नल कामत तथा श्री श्रीधर चंद्रशेखरन, छात्र संघ अध्यक्ष के भरकस प्रयासों के परिणामस्वरूप पीजीपी के लिए (कर्पोरेशन बैंक ही सहायता से) उनकी कॉर्प इन्टेल योजना के अधीन एक ऋण योजना शुरू की गयी 62 छात्रों को (20 प्रथमवर्ष के और 42 द्वितीय वर्ष के) ट्यूशन लागत और भोजन व्यय के लिए ऋण मंजूर किये गये। प्रथम वर्ष पीजीपी को रू. 25,000 प्रत्येक का ऋण दोनों वर्षों के लिए दिया गया, जिसमें से लगभग रु. 12,000 की राशि 1992-93 के दौरान संवितरित की गयी। द्वितीय वर्ष छात्रों को रू. 12,500 प्रत्येक का ऋण दिया गया।

किसी भी छात्र को आर्थिक सहायता न जुटा पाने के कारण प्रबंधन शिक्षा से वंचित न रहना पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोफेसर एस. सुदरराजन की अध्यक्षता में एक वित्तीय सहायता समिति का गठन किया गया। बैंक से ऋण सुविधा के अलावा, 1992-93 के दौरान छात्रों को सहायता देने के लिए समिति ने निम्नलिखित कदम उठाए:

1. ऐसे 10 छात्रों का शुल्क पूरी तरह या आंशिक तौर पर माफ करना, जिन्हें सहायता की जरूरत थी।

2. उद्योगों और अन्य स्रोतों से स्थायी निधि प्राप्त करना। इस योजना के अंतर्गत जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के संस्थान के अनुरोध के प्रत्युत्तर में उद्योग सकारात्मक रवैया अपना रहे हैं। इस योजना के लिए योगदान देने वाले उद्योग को, इस स्थायी निधि के लिए कर की छूट दी जाती है।

छात्रों की स्थायी निधि:

1992 बैच के एक सौ से भी अधिक छात्रों ने अपनी जमानती रकम जमा करायी जो रू. 50,000 से भी अधिक और आगामी छात्रों के लिए स्थायी निधि का काम करेगी। इस स्थायी निधि के ब्याज का उपयोग जरूरतमंद पीजीपी छात्रों की सहायता करने के लिए किया जाएगा।

2.2.9 पदक और पुरस्कार

पीजीपी समिति की सिफारिश पर, निदेशक ने 1992-93 से पीजीपी प्रथम वर्ष के उत्कृष्ट निष्पादकों को पुरस्कार स्वरूप पुस्तकें प्रदान करने की दो योजनाएं शुरू की:

i) प्रथम वर्ष के पहले दोनों सत्रों में, प्रत्येक अनुभाग में प्रथम आने वाले छात्रों को रू. 500/- तक की पुस्तकें।

ii) प्रथम वर्ष के अंत पर उच्चतम अंक प्राप्त छात्रों में से 5 प्रतिशत छात्रों को रू. 100/- प्रत्येक की पुस्तकें। इन विद्यार्थियों को निदेशक की योग्यता सूची में शामिल किया जाएगा।

निम्नलिखित नौ, पीजीपी 1991-93 द्वितीय वर्ष के छात्र हैं, जो उच्चतम 5 प्रतिशत अंको की श्रेणी में आते हैं और जिन्होंने निदेशक की योग्यता सूची की शुरूआत की हैं:

क्रमांक	नाम	रोल नं.
1.	आलोक अग्रवाल	9111 009
2.	अनिंद्याराय	9111 052
3.	देबब्रत मुखर्जी	9111 059
4.	मनीष टंडन	9111 071
5.	पारेख शर्मा	9111 025
6.	संजय दत्त	9111 139
7.	शालिनी सिंह	9111 094
8.	स्वीजिब सिन्हा	9111 042
9.	श्रीधर चंद्रशेखर	9111 090

पीजीपी 1992-94 बैच (प्रथम वर्ष)के निम्नलिखित तीन छात्रों को अपने अपने अनुभाग में, प्रथम सत्र की समाप्ति पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ और उन्हें रू. 500/- तक की पुस्तकें और एक योग्यता प्रमाणपत्र दिया गया।

क्रमांक	नाम	रोल नं	अनुभाग
1.	अमित मित्तल	9211 005	ए
2.	गुरुशंकर आर	9211 065	बी
3.	वेंकटेश्वरन एस.	9211 145	सी

पीजीपी 1992-94 बैच (प्रथम वर्ष) के निम्नलिखित छह छात्रों ने द्वितीय सत्र की समाप्ति पर प्रथम स्थान प्राप्त किया (तीनों अनुभागों में दो-दो छात्रों ने एक ही स्थान प्राप्त किया) इन्हें रु. 500/- तक की पुस्तकें तथा योग्यता प्रमाण पत्र पुरस्कार स्वरूप प्रदान किये गये:

क्रमांक	नाम	रोल नं	अनुभाग
1.	रविशंकर पान्डेय	9211 032	ए
2.	देबाशीष पोद्दार	9211 014	ए
3.	जयंत कुमार बैनर्जी	9211 067	बी
4.	मैथ्यू सिरियेक	9211 072	बी
5.	अजय कुमार बंसल	92111 01	सी
6.	वेंकटेश्वरन एस.	92111 45	सी

2.2.11 पी.जी.पी. के लिए नियोजन

पूर्ववत 1992-93 के लिए नियोजन गतिविधियां भी दो नियोजन ब्रोशरों के प्रकाशन के साथ प्रारंभ हुयीं, एक ग्रीष्मावकाश में नियोजन के लिए और दूसरा स्थायी नियोजन के लिए। 75 से भी अधिक कंपनियों ने 14 नवंबर और 31 जनवरी 1993 के दौरान नियोजन-पूर्व प्रस्ताव रखे। अधिकतर कंपनियों ने ग्रीष्मावकाश प्रशिक्षणार्थियों का चयन नियोजन-पूर्व बातचीत के दौरान कर लिया।

इस प्रकार पीजीपी प्रथम वर्ष के 138 विद्यार्थियों, एफपीएम के 2 और (91-93 पीजीपी बैच के) 3 दुबारा परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को 52 कंपनियों में ग्रीष्म परियोजना के अंतर्गत कार्य मिला।

स्थायी नियोजन साक्षात्कार कैंपस में 27 फरवरी 1993 प्रतिदिन होने लगे और 9-10 कंपनियों ने हर रोज इसमें हिस्सा लिया। इससे पहले विगत में, छठे सत्र के दौरान दिसंबर-जनवरी माहों के सप्ताहांतों के दौरान ही साक्षात्कार लिये जाते थे। पहली बार 1992-93 में नियोजन सक्षात्कार सभी शैक्षणिक सत्रों की समाप्ति के पश्चात ही शुरू हुए। आठवें नियोजन-दिवस की प्रातः नियोजन-कार्य पूरी तरह समाप्त हो गया, इसमें

1990-92 पीजीपी बैच के तीन छात्रों को भी प्रस्ताव प्राप्त हुये।

लगभग 100 कंपनियों ने अपने कार्य आवश्यकताओं की जानकारी भेजी। कैंपस नियोजन अनुसूची में 68 कंपनियों को ही स्थान दिया जा सका। पीजीपी कक्षा को पूरा करने वाले 157 छात्रों में से 150 छात्रों ने नियोजन की अपेक्षा व्यक्त की, इसके अलावा 1990-92 बैच के 3 छात्र भी थे। इन 153 छात्रों को 231 प्रस्तावों में से नियोजन चुनने की छूट थी। उन्हें 55 कंपनियों में नियोजित किया गया। सूचना तकनीकी कंपनियां अधिक लोकप्रिय रहीं, इनके द्वारा 62 प्रस्ताव रखे गये, जनमें से 40 प्रस्ताव स्वीकार किये गये। दूसरे स्थान पर वित्तीय संस्थाएं रहीं, जिनके 43 प्रस्तावों में से 31 स्वीकार किये गये।

छात्रों ने आखिकार निम्नलिखित क्षेत्रों/सेक्टरों का चयन किया:

1.	औद्योगिक विपणन	5
2.	उपभोक्ता विपणन	28
3.	वित्तीय संस्थान	31
4.	बैंकिग	10
5.	इंजीनियरिंग उद्योग	26+ 3
6.	विज्ञापन कंपनियां	8
7.	परामर्शी कंपनियां	5
8.	सूचना तकनीक	37

सार्वजनिक क्षेत्र की 13 कंपनियों ने 32 छात्रों को तथा निजी क्षेत्र की 42 कंपनियों ने 118 छात्रों को भर्ती किया। प्रस्तुत एवं स्वीकृत प्रस्तावों का ब्यौरा कंपनीवार नीचे दिया गया है:

प्राप्त एवं स्वीकृत प्रस्तावों का ब्यौरा

क्रमांक	क्षेत्र/सेक्टर/कंपनी	प्रस्ताव	
		प्रस्तुत	स्वीकृत
1.	**औद्योगिक विपणन**		
	श्री राम फाइबर्स	4	4
	गरवारे	4	-
	स्टेट ट्रेडिंग कंपनी	3	-
	विप्रो जी ई मेडिकल सिस्टम	1	1
	क्रमांक 1 का उप-योग	12	5
2.	**उपभोक्ता विपणन**		
	एशियन पेंट्स	5	2
	ब्लो प्लास्ट	4	3
	इंडियन तंबाकू कंपनी	2	2
	हिन्दुस्तान लीवर	4	3
	मदुरा कोट्स	1	1
	टाइटन घड़ियां	3	2
	ब्रिटानिया इंटस्ट्री	2	1
	आरपीजी एंटरप्राइसेस	4	2
	लैकमे लिमि.	2	1
	रैनबैकसी लैब.	2	1
	शॉवैलेस	5	5
	दि टाइम्स आफ इंडिया	1	1
	भारत सिल्क्स	1	-
	विप्रो (उपभोक्ता उत्पाद)	6	4
	क्रमांक 2 का उप-योग	42	28
3.	**वित्तीय संस्थाएं**		
	इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट	4	2
	एसबीआई केपिटल कार्केट्स	4	4
	प्राइम सिक्यूरिटीस	1	-
	कोटक महीन्द्रा फइनांस	5	4
	क्रिसिल (सीआरआईएसईएल)	2	2
	टीडीआईसीआई	3	3
	यूनिट ट्रस्ट आफ इंडिया	6	5
	इंड बैंक व्यापारी बैंकिंग सेवाएं	4	3
	एससीआईसीआई	4	4
	भारतीय औद्योगिक वित्त निगम	5	2
	सिड्बी	5	2
	क्रमांक 3 का उप-योग	43	31
4.	**बैंकिंग**		
	सिटी बैंक	7	5
	ए एन जेड ग्रिंडलेज बैंक	2	1
	ड्यूश बैंक	3	1
	भारतीय निर्यात आयात बैंक	2	1
	अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक	2	2
	क्रमांक 4 का उप-योग	16	10

5. इंजीनियरिंग उद्योग

आईटीडब्ल्यू साईनोड	11	7
आइशर गुडअर्थ	9	6
जीई प्लास्टिक्स	1	1
एल एंड टी	2	–
क्रॉम्टन ग्रीव्स	4	4
मारुति उद्योग	1	–
एस्काट्र्स	5	4
भारत अर्थ मूवर्स	2	–
पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन	4 + 3	4 + 3
5 का उप-योग	42	29

6. विज्ञापन कंपनियां

लिन्टास	3	3
रीडिफ्यूजन	2	1
उल्का एडवर्टाइजिंग	2	1
मार्केटिंग एंड रिसर्च ग्रुप	2	2
ऑग्लिव एंड मेथर	1	1
6 का उप-योग	10	8

7. परामर्शी कंपनियां

आर्थर एंडरसन एंड कंपनी	2	–
ए.एफ.फर्ग्यूसन एंड कंपनी	6	3
टाटा इकॉनामिक कंसलटेंसी सर्विसिज	3	2
7 की उप-योग	11	5

8. आसूचना प्रौद्योगिक उद्योग

टाटा इन्फरमेशन सिस्टम्स लिमि.	22	13
विप्रो	15	10
एचसीएल-एचपी	4	2
सीओएसएल/सीआईटीआईएल	3	3
ऐप्पल इंडस्ट्रीज	9	8
टाटा कंसलटेंसी सर्विसिज	2	1
8 का उप-योग	55	37
कुल योग (1 से 8 तक)	231	153

1.2.13 नेक्सस

संस्थान ने वार्षिक उपभोक्ता मेला-नेक्सस ''93, जनवरी 23-24, 1993 को आर एस आई फुटबाल ग्राउंड, बेंगलूर में आयोजित किया। नवनिर्मित खेलों का उपयोग करते हुए विपणन शोध के लिए नवीन तकनीक अपनाए गए, जिसके कारण मेले ने प्रत्यार्थियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। नेक्सस के द्वारा कंपनियों को नये उत्पादों, ब्रांडों, मूल्यों, पैकेजिंग, सामग्रिक इमेज और सेवा क्षमता के मूल्यांकन की जानकारी मिलती है।

खेलों में भाग लेने के अलावा, 14 कंपनियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया दो दिन के अंदर 2500 प्रत्यर्थियों से उत्साहपूर्ण रेस्पांस प्राप्त हुआ। नेक्सस 93 उन 300 विद्यार्थियों के लिए मूल्यवान अनुभव था, जिन्होंने मेले को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

सात विपणन अनुसंधान खेलों के अलावा, ''समाजपरक परियोजना'' भी इस वर्ष शुरू की गयी। इस परियोजना के द्वारा विभिन्न जन-सुविधाओं जैसे बिजली, टेलीफोन, बेंगलूर शहर में यातायात सेवाओं पर प्रत्यर्थियों की प्रतिक्रियाएं इकट्ठी की गयी। इस अनुसंधान के द्वारा बेंगलूर के लोगों के लिए सेवा मार्गदर्शक तैयार की जा सकेगी। ''सामाजिक लेखापरीक्षा'' कार्य भी किया गया ताकि निश्चित किया जा सके कि कंपनियां अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को कितनी अच्छी तरह निभा रही हैं।

2.3. दीक्षांत

17 वां दीक्षांत समारोह 3 अप्रैल, 1992 को आयोजित किया गया, जिसमें श्री एस. एम. दत्ता, अध्यक्ष, हिन्दुस्तान लीवर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने सार्वजनिक उद्यमों के प्रति प्रबंधकीय दृष्टिकोण'' विषय पर भाषण दिया। स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रति 189 विद्यार्थियों को (1990-92 बैच के 177, 1989-91 बैच के 10 और 1988-90 बैच के 2) प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया गया। फैलो कार्यक्रम के 3 छात्रों को आईआईएमबी के फैलो की उपाधि दी गयी। आईआईएमबी से पीजीपी उत्तीर्ण करने वालों की संख्या 1742 तथा फैलो उपाधि प्राप्त छात्रों की संख्या 41 हो गयी है।

18 वाँ समारोह 19 मार्च 1993 को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि श्री अजीम हाशिम प्रेमजी, अध्यक्ष, विप्रो ने ''व्यवसाय अग्रणी के गुण'' विषय पर भाषण दिया। स्नातकोत्तर कार्यक्रम के 159 छात्रों को (1991-93 बैच के 143, 1990-92 बैच के 15 और 1989-91 बैच के 1 (प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान किया गया। फैलो कार्यक्रम के 4 छात्रों को आईआईएमबी के फैलो की उपाधि दी गयी। आईआईएमबी से पीजीपी उत्तीर्ण करने वालों की संख्या 1901 और फैलो उपाधि प्राप्ति छात्रों की संख्या 45 हो गयी है।

2.4 क्षेत्र

2.4.1. वित्त एवं नियंत्रण

क्षेत्र द्वारा वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के लिए उन्नत वित्तीय प्रबंधन पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा सुरक्षा लेखा अधिकारियों के लिए भी दो कार्यक्रम चलाये गये। क्षेत्र के सदस्यों ने अन्य क्षेत्रों द्वारा चलाये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय की हैसियत से हिस्सा लिया।

1992-93 के दौरान, क्षेत्र-सदस्यों ने प्रथम वर्ष में तीन मूल पाठ्यक्रम और पीजीपी के दूसरे वर्ष में सात वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाये। क्षेत्र द्वारा फैलो कार्यक्रम के 2 छात्रों का मार्गगदर्शन भी किया गया। क्षेत्र के सदस्यों को. प्रमुख प्रशासनिक दायित्व जैसे डीन, अध्यक्ष (पीजीपी) संयोजक (प्रवेश) और संयोजक (वित्तीय सहायता समिति) सौंपे गये।

एक सदस्य प्रोफेसर प्रेमचंदर, ईएफएमडी आदान प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत मानचेस्टर बिजनेस स्कूल के नौमाह के दौरे से लौटे।

क्षेत्र के सदस्यों की रुचि के विषयों में भारत के संदर्भ में पूंजीगत आस्ति मूल्यन मॉडल की वैधता, पूंजी बाजार विनियम, म्युनुअल फंड, नीतिपरक वित्तीय प्रबंधन वित्तीय रिपोर्टिंग, प्रबंधन नियंत्रण पद्धति और वित्तीय सेवाएं शामिल हैं।

2.4.2. विपणन

क्षेत्र ने दो एमडीपी और दो ओबीपी (औबीपी और एमडीपी के अंतर्गत दिये गये हैं) कार्यक्रम के अलावा विपणन में पीजीपी, एफएमपी, एमपीटी और अन्य एमडीपी और ओबीपी पाठ्यक्रम चलाये।

निम्नलिखित प्रोफेसर विदेशों से अतिथि वक्ता के रूप में क्षेत्र में पधारे:

- डा. अल्लादी वैकंटेश, विपणन में प्रोफेसर, इरविन, यूएसए स्थित यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया-दिनांक 16 जुलाई 1992 को।
- प्रोफेसर शमीत बैनर्जी, विपणन में सहायक प्रोफेसर, दि यूनिवर्सिटी आफ शिकागो, यूएसए। जुलाई 20 और अगस्त 8 1992 के दौरान।
- डा. राम. सी. राव, विपणन में प्रोफेसर, डल्लास, यूएसए में द यूनिवर्सिटी आफ टेक्सस 22 जुलाई 1992 को।
- डा. दक्षिणामूर्ति हलेमने, इरेस्मस यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड, 21 जुलाई 1992 को
- प्रोफेसर दीपंकर चक्रवर्ती, विपणन विभाग, कार्ल एलर ग्रेजुएट स्कूल आफ मैनेजमेंट, यूनिवर्सिटी आफ अरीजोना, यू. एस. ए, 11 से 27 नवंबर 1992 तक।
- डा. प्रदीप ए. राऊ, विपणन में एसोसिएट प्रोफेसर, जार्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी यू. एस. ए., 10 अगस्त और 4 सितंबर 1992 के दौरान।
- प्रोफेसर पी. राजन वरदराजन, फालेस प्रोफेसर आफ रिटैलिंग एंड मार्केटिंग स्टडीज, कालेज आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, टैक्सस एजएम यूनिवर्सिटी, यू. एस. ए, 16-17 जनवरी 1993 को।

निम्नलिखित क्षेत्र से अतिथि संकाय के रूप में जुड़े:-

प्रोफेसर पी. के सिन्हा	1.7.1991- 20.1.1993
प्रोफेसर रमेश वैंकटेश्वरन	1.5.1992 - 31.12.1992
प्रोफेसर पीटर कोलेको	1.5.1992 - 31.12.1992
डा. अमितव चट्टोपाध्याय	2.11.1992 - 1.11.1993

विज्ञापन को अपना कैरियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए 'विज्ञापन एजेंसी परिचालन प्रबंधन'' पर एक अनूठा कार्यक्रम शुरू किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय विज्ञापन एजेंसीज संगठन के साथ मिलकर शुरू किया गया।

2.4.3. संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक संबंध

9 अक्तूबर 1992 को एक नये सदस्य डा. लक्ष्मणन प्रसाद के कार्यग्रहण से संकाय संख्या बढ़कर 9 हो गयी। तथापि श्री एस. आर. बिजूर द्वारा मार्च 1993 में ऐच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के कारण वर्ष के अंत में संकाय संख्या 8 रह गयी।

क्षेत्र द्वारा पीजीपी द्वितीय वर्ष छात्रों के लिए ''प्रबंधकीय और अंतर्वैयक्तिक कौशल कार्यशाला'' पर दो ऐच्छिक पाठ्यक्रम चलाये गये। फैलो कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ''उन्नत संगठनात्मक व्यवहार। और 2, ''उन्नत कार्मिक प्रबंधन और उन्नत औद्योगिक संबंध और ''संगठनात्मक संस्कृति'' पर पाठ्यक्रम चलाये गये।

क्षेत्र ने निम्नलिखित शोध परियोजनाएं पूरी की:

"प्रबंधन शिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का सर्वेक्षण" और

"सामूहिक सौदेबाजी के तहत औद्योगिक शांति के कारण: महिन्द्रा एंड महिन्द्रा ओटोमोटिव लिमि. का वृत्त अध्ययन"।

क्षेत्र सदस्यों ने शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए भी मामले विकसित किए।

सदस्यों ने निम्नलिखित अनुसंधान एवं परामर्शी परियोजनाओं पर कार्य जारी रखा:

सफेदपोश तथा व्यावसायिक रोजगार के बीच ट्रेड यूनियन।

विशिष्ट संगठनात्मक संस्कृतियों को बनाये रखना और उन्हें विकसित करना।

औद्योगिक संबंधों में मुकाबला और सहयोग। स्टेप कार्यक्रम का बैंचमार्क सर्वेक्षण।

सदस्यों ने इन कार्यशालाओं के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी - कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट्स के लिए "शाप काउंसिल" और "जायंट मैनेजमेंट काउंसिल्स", टाइटन वाचेस लिमि. के, प्रथम पंक्ति पर्यवेक्षकों के लिए "पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम" और संदूर मैंगनीज एंड आयरन ओर लिमि. के कार्यपालक प्रशिक्षणार्थियों के लिए "सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम"। क्षेत्र सदस्यों ने शिल्प वैज्ञानिकों के लिए दीर्घावधि प्रबंधन कार्यक्रम विकसित करने और चलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वर्ष के दौरान प्रोफेसर बी. आर. पाटिल. क्षेत्र-सदस्य द्वारा "सामूहिक सौदेबाजी: संभावनाएँ और व्यवहार" शीर्षक की एक पुस्तक प्रकाशित की गयी।

2.4.4 उत्पादन और परिचालन प्रबंधन

क्षेत्र द्वारा पीजीपी और फैलोशिप छात्रों को उत्पादन और परिचालन प्रबंधन पर मूल और ऐच्छिक पाठ्यक्रम पढ़ाये गये। पीजीपी के लिए एक नया ऐच्छिक पाठ्यक्रम "निर्माण नीतियां" भी शुरू किया गया।

क्षेत्र द्वारा क्रय और सामग्री, उत्पादकता परियोजना और गुणवत्ता प्रबंधन पर एमडीपी तथा कई ओबीपी चलाये गये। इसके अलावा क्षेत्र सदस्यों ने एमडीपी और ओबीपी में भी भाग लिया। क्षेत्र-सदस्य उत्पादन और परिचालन प्रबंधन से संबंधित शोध तथा परामर्श में लगे रहे और उन्होंने संबंध विषयों पर कई सामयिक पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किये।

मैकगिल यूनिवर्सिटी, कनाडा के प्रोफेसर पंकज चंद्र और द यूनिवर्सिटी आफ बीलीफेल्ड, जर्मानी के प्रोफेसर क्लाज पीटर किस्टनर ने वर्ष के दौरान दौरा किया।

प्रोफेसर बी. महादेवन ने वर्ष के दौरान कार्यग्रहण किया और क्षेत्र की संकाय संख्या बढ़कर 6 हो गयी।

2.4.5. परिमाणात्मक पद्धति एवं आसूचना प्रणाली

इस क्षेत्र में 9 पूर्णकालिक और 1 अतिथि संकाय मौजूद थे। परिमाणात्मक पद्धति और आसूचना प्रणाली में अपेक्षित पाठ्यक्रमों के अलावा, क्षेत्र ने 1992 - 93 शैक्षणिक वर्ष के दौरान पीजीपी छात्रों के लिए आसूचना पद्धति में छह ऐच्छिक विषय प्रस्तावित किये। कृत्रिम आसूचना पर दो समन्वित पाठ्यक्रम और डाटा स्ट्रक्चर पर एक पाठ्यक्रम नये कार्यक्रम थे। संकाय शोध और पत्रिकाओं में प्रकाशन, सम्मेलनों और वर्किंग पेपरों आदि में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे।

प्रोफेसर एस. कृष्णा ने वर्ल्ड साइंटिफिक द्वारा प्रकाशित डाटाबेस नालेज-बेस सिस्टम्स का पुस्तक परिचय निकाला।

क्षेत्र ने पहली बार सॉफ्टवेअर विकास के क्षेत्र में निम्नलिखित दो कार्यकारी विकास कार्यक्रम प्रस्तुत किये:

कम्प्यूटरीकरण संभाव्यता और सांख्यिकीय, एमआईएस, परियोजना प्रबंधन और रेश्म उद्योग का अर्थशास्त्र

8 अप्रैल - 2 मई 1992

आई एफ एस आधिकारियों के लिये वन-विद्या में कम्प्यूटर लगाना

12 अक्तूबर से 16 अक्तूबर 1992 तक

क्षेत्र द्वारा चलाये जा रहे सभी पाठ्यक्रम में कम्प्यूटरों का प्रयोग करने के लिए गंभीर प्रयास किये गये। कार्यकारी विकास कार्यक्रम में संकाय, संसाधन संकाय के तौर पर, सक्रिय रूप से जुड़े रहे।

क्षेत्र ने व्यावसायिक समितियों और साफ्टवेअर संगठनों से परामर्श करके साफ्टवेअर इंजीनियरिंग और प्रबंधन से संबंधित दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम की संभावना का पता लगाने का प्रयास किया।

2.5. सेक्टर

2.5.1. कृषि और ग्रामीण विकास

सेक्टर ने निम्नलिखित परामर्शी कार्य पूरे किये:

"मध्य प्रदेश में सिंचित कृषि के लिए जनशक्ति आयोजना मूल्यांकन अध्ययन एक अन्य परियोजना" कोठानी इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन लिमि. के बागवानी प्रभागी के लिए कम्प्यूटर आधारित सूचना पद्धति" प्रगित पर थी।

क्षेत्र ने निम्नलिखित तीन सेक्टोरल पाठ्यक्रम पीजीपी और एफपीएम के लिए चलाये:

"कृषि संसाधन प्रबंधन" "ग्रामीण विपणन" और "ग्रामीण अर्थशास्त्र" प्रोफेसर टी. पी. गोपालस्वामी ने तीन लेख प्रकाशित किये (प्रकाशनों के अंतर्गत दिये गये हैं)

प्रोफसर टी. पी. गोपालस्वामी ने प्रोफेसर एम. जे. जेवियर के साथ मिलकर बेंगलूर में 5-7 जनवरी 1993 के दौरान आयोजित कृषि और आहार विपणन पर इंडो-यूके कार्यशाला में निम्नलिखित पेपर प्रस्तुत किये:

"कृषि और आहार विपणन: फल और सब्जियों का मामला।"

"आहार विपणन पाठ्यक्रम कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल करने की आवश्यकता।"

प्रोफेसर टी. पी. गोपालस्वामी ने प्रोफेसर एम. जे. जेवियर के साथ निम्नलिखित वर्किंग पेपर प्रकाशित किया:

"चाय का विपणन: भारतीय उद्योग की नीतियां"

2.5.2. शिक्षा

अनुसंधान

क्षेत्र संकाय ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान परियोजना पूरी की:

"भारतीय विश्वविद्यालयों के वित्तीय प्रबंधन का अनुसंधान अध्ययन"

सेक्टर संकाय ने निम्नलिखित अनुसंधान परियोजना परकार्य जारी रखा

प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रमों का विश्लेषणात्मक अध्ययन "

अक्तूबर 1992 में शैक्षिक संगठनों के लिए आयोजना एवं अनुश्रवण" पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम चलाया गया। महाविद्यालयों के प्राचार्यो, विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रारों और शैक्षणिक स्टाफ महाविद्यालयों के निदेशकों ने इसमें भाग लिया।

"कैपिटेशन शुल्क पर उच्चतम न्यायालय निर्णय संबधी उलझनें व्यवसायिक महाविद्यालय" पर एक दिवसीय सेमिनार फरवरी 1993 में आयोजित किया गया। निजी प्रबंधनों के प्रतिनिधियों, इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों के प्रचार्यो और विधिक विषेज्ञों ने भाग लिया।

2.5.3. ऊर्जा

ऊर्जा सेक्टर संकाय ने निम्नलिखित में पेपर प्रस्तुत किये:

- 9 जुलाई 1992 को हैदराबाद में नेशनल पावर ग्रिड सम्मेलन।
- आईडीबीआई द्वारा बंबई में 22 फरवरी 1992 को आयोजित विद्युत निजीकरण सम्मेलन।

डा. वी. रंगनाथन ने अफ्रीकी देशों में ऊर्जा नीति अनुसंधान का, मार्गदर्शन किया और **"अफ्रीका में ग्रामीण विद्युतीकरण"** विषय पर एक पुस्तक का संपादन किया, जिसे जेड बुक्स, लंदन में 1992 में प्रकाशित किया गया।

डा. वी. रंगनाथन को ग्रामीण विद्युतीकरण निगम, नयी दिल्ली के मंडल का निदेशक नियुक्त किया गया।

डा. बी. रंगनाथन ने निम्नलिखित जर्नल भी प्रकाशित किये:

एनर्जी पालिसी, यू. के. **इंटरनेशनल जर्नल फार एनर्जी इकॉनामिक्स एनवायरनमेंट**, नोवा साइंस न्यूयार्क और **पेसिफिक एंड एशियन जर्नल आफ एनर्जी**, नयी दिल्ली।

सेक्टर संकाय ने फैलो कार्यक्रम के लिए ऊर्जा क्षेत्र पाठ्यक्रम और पीजीपी के लिए परियोजनाओं का पर्यावरण संबंधी मूल्यांकन जैसे अन्य पाठ्यक्रम प्रस्तुत किये।

2.5.4. मानव रिहायश और पर्यावरण संबंधी अध्ययन

वर्ष 1992-93 के दौरान मानव रिहायश और पर्यावरण संबंधी अध्ययन केन्द्र की शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्शी गतिविधियों को, शहरी और क्षेत्रीय आयोजना, आवास, सेवाएं और आधारभूत आयोजना से संबंधित नीति और प्रबंधन मामलों पर केन्द्रित किया गया।

केन्द्र संकाय ने संस्थान के फैलो कार्यक्रमों तथा आईएएस अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शिक्षण का कार्य किया। डा. वी. के तिवारी ने फैलो कार्यक्रम के अनुसंधान प्रणाली के एक मॉड्यूल को पढ़ाने का कार्य किया।

एफपीएम छात्र, श्री संजय गोयल ने ''आवास की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने का नीतिपरक योजना-मॉडल'' विषय शोध प्रबंध कार्य पूरा कर लिया।

वर्ष के दौरान द नेशनल साइंस फाउंडेशन, यू. एस. ए ने यूनिवर्सिटी आफ आईयोवा, यू. एस. ए के सहयोग से ''सेवाओं तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए निर्णय सहायक पद्धति का विकास'' पर शोध अध्ययन करवाया। इस परियोजना मे विकसित की गयी स्थानिक निर्णय सहायक पद्धति को अब आयोजना प्रक्रिया में कुछेक जिलों में कार्यान्वित किया जा रहा है। परियोजना गतिविधियों के हिसे के रूप में ''सेवा विकास आयोजना में स्थानिक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार संस्थान में 18 से 21 जनवरी 1993 तक आयोजित किया गया।

डा. वी. के. तिवारी ने परियोजना गतिविधियों में भाग लेने के लिए 20 अक्तूबर से 11 नवंम्बर 1992 तक यूनिवर्सिटी आफ आईयोवा का दौरा किया।

यूनिवर्सिटी आफ आईयोवा ने स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क, बफैलो, यू. एस. ए. के सहयोग से ''सेवा विकास आयोजना के लिए ज्ञान आधारित निर्णय सहायक पद्धति'' पर एक नयी शोध परियोजना विकसित की और निधि सहायता के लिए नेशनल साइंस फाउंडेशन, यू. एस. ए. को प्रस्तुत की।

डा. सुब्बराय प्रसन्ना ने निम्नलखित को परामर्शी सहायता दी: i) हुडको को आईटीएसएमटी परियोजना पर; ii) कोलार जिला आयोजना अधिकारियों को एकीकरण आयोजना तैयार करने पर; iii) अरबन आर्ट्स कमीशन, बेंगलूर को बोंगलूर की यातायात संरचना, मुख्य मार्ग योजना और शहरी रूप संबंधी प्रमुख प्रस्तावों की समीक्षा में।

उन्होंने आईएसईसी बेंगलूर में एक सेमिनार के दौरान टी. वी. रमणय्या के साथ ''महानगरीय बेंगलूर के लिए व्यापक त्वरित यातायात'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डा वी के. तिवारी द्वारा लिखित एक शोध पत्र ''विकासशील देशों में सेवाओं एवं सुविधाओं तक पहुंच को बेहतर बनाना'' इंटरनेशनल रीजनल साइंस रिव्यू जर्नल वाल्यूम 15, नवंबर 1992, वेस्ट वर्जिनिया, यू. एस. ए. में पृष्ठ 25-37 पर छपा।

डा. तिवारी द्वारा ''एलए-एसडीएसएस: सेवाओं तक पहुंच को सुधारने के लिए स्थानिक निर्णय सहायक पद्धति'' पर एक तकनीकी रिपोर्ट पूरी की गयी।

2.5.5. जनसंख्या और स्वास्थ्य प्रबंधन :

सेक्टर संकाय की निम्नलिखित शोध गतिविधियाँ रहीं:

- डब्ल्यू एव ओ द्वारा प्रायोजित अध्ययन ''डिटर्मिनेशन आफ कांट्रासेप्टिक यूज डायनैमिक्स''। उक्त परियोजना पर प्राथमिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। आखिरी रिपोर्ट निर्माणाधीन थी।
- फोर्ड फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित ''शिशु जीवन पर मातृशिक्षा का प्रभाव''। आंकड़े संकलित करने का कार्य प्रगति पर था। इस उद्देश्य के लिए एक सर्वेक्षण विशेषज्ञ और कुछ अनुसंधान कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गयी। साथ ही चिक्कबल्लापुर में एक क्षेत्र परियोजना कार्यालय भी खोला गया। प्रायोजक संगठन-फोर्ड फाउंडेशन ने परियोजना की अवधि दिसंबर 1994 तक बढ़ा दी।

प्रोफेसर पी. भास्करन ने ''शेणॉय अस्पताल'' पर वृत अध्ययन विकसित किया''। सेक्टर संकाय निम्नलिखित प्रशिक्षण गतिविधियों मे भी लगा रहा:

1. संस्थान द्वारा आयोजित आईए एस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रोफेसर जे. सी भाटिया ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

   प्रोफेसर जे. सी. भाटिया ने एफपीएम छात्रा सुश्री मंजुल मेनन के कार्य का पर्यवेक्षण किया और उनका मार्गदर्शन किया।

व्यावसायिक गतिविधियाँ

प्रोफेसर जे. सी. भाटिया की निम्नलिखित व्यावसायिक गतिविधिया रही:

1. राष्ट्रीय तपेदिक केन्द्र, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में 26 अक्तूबर 1992 को हुयी विज्ञान परामर्श समिति की बैठक में भाग लिया।
2. राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नयी दिल्ली में 11 और 12 दिसंबर 1992 को हुयी स्वास्थ्य प्रबंधन की बैठक में भाग लिया।

3. भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् में 12 दिसंबर 1992 को समन्वित शिशु विकास सेवाओं पर आयोजित विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया।
4. ग्रामीण अनुसंधान संस्थान द्वारा नयी दिल्ली में 7 और 8 जनवरी 1993 को आयोजित ग्रामीण चिकित्सा शास्त्रियों की कार्यशाला में भाग लिया और ''ग्रामीण चिकित्साशास्त्रियों तक पहुंचना-कुछ अनुभव'' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
5. अन्य संगठनों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी कई भाषण दिये।

2.5.6. परिवहन क्षेत्र

सेक्टर संकाय ने निम्नलिखित दो अनुसंधान परियोजनाएं पूरी कीं:

1. ग्रामीण परिवहन अध्ययन: दो रिपोर्ट-कार्यकारी सार - संक्षेप और व्यापक रिपोर्ट भूतल परिवहन मंत्रालय, नयी दिल्ली, जो कि प्रायोजक अभिकरण है, को प्रस्तुत की गयी।
2. बागलकोट प्रथम चरण अध्ययन-प्रायोजक अभिकरण-कर्नाटक सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी।

काकिनाड़ा पोर्ट ट्रस्ट, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित निम्नलिखित परामर्शी परयोजनाएं भी सेक्टर द्वारा शुरू की गयी:

1. काकिनाड़ा बंदरगाह विस्तार परियोजना का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव
2. काकिनाड़ा बंदरगाह पर सामान के परिवहन का जोखिम विश्लेषण।

उपर्युक्त अध्ययन के मुख्य उद्देश हैं:-

- श्रम शक्ति के वर्तमान सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल का मूल्यांकन, जिसमें आय और व्यय, कार्य-आवास संबंध, कार्य विभागीकरण संभाव्यता शामिल हो, भू जनसांखिकीय विशेषताएं।
- आधारभूत सुविधाओं का रखरखाव और विकास ताकि आर्थिक गतिविधियों का विस्तार और विभागीकरण संभव हो सके।
- एलपीजी के परिवहन और लाने-ले जाने के लिए जोखिम विश्लेषण योजना विकसित करना ताकि उच्चस्तरीय सुरक्षा को प्राप्त एवं सुनिश्चित किया जा सके, अर्थात सभी आवश्यक एहतियात बरतते हुए दुर्घटना मुक्त परिचालन बनाये रखना।
- कर्नाटक राज्य द्वारा प्रायोजित बागलकोट द्वितीय चरण अध्ययन।

सेक्टर संकाय ने आवास सेक्टर संकाय के साथ मिलकर निम्नलिखित दो परियोजनाओं में भाग लिया:-

1. अरबन आर्ट कमीशन, बेंगलूर द्वारा प्रायोजित, बेंगलूर में यातायात संसाधनों के प्रमुख प्रस्तावों के मूल्यांकन/समीक्षा में सहायता।
2. बेंगलूर शहर के लिए प्रारंभिक मुख्यमार्ग योजना-नक्शों तथा योजना का प्रदर्शन-बेहतर संरचनात्मक/ कार्यकारी क्षमता के लिए मुख्य मार्ग की वास्तविक ज्योमैट्री।

प्रकाशन:

सेक्टर संकाय ने निम्नलिखित 4 पेपर प्रकाशित किये:

1. फ्रांस में हुये अंरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत - ''दक्षिण भारत में ग्रामीण परिवहन दृश्य में परिवर्तन और ग्रामीण विकास कठिनाइयाँ''।
2. आईआईटी, मद्रास में हुये राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत, ''मिश्रित यातायात संचलन का अनुकरण''।
3. इंडिया रोड्स कांग्रेस द्वारा प्रकाशन के लिए स्वीकृत, ''ग्रामीण यात्रियों की यात्रा - विशेषताएं-दक्षिण भारत का अध्ययन।
4. जर्नल आफ इंडिया इंजीनियरिंग में प्रकाशित, ''महानगरों के लए परिवहन नीतियां - भारत की दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों से तुलना''।

2.5.7. अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन केन्द्र:

वर्ष 1992-93 के दौरान अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन केन्द्र संकाय ने पहले के छह ऐच्छिक विषयों में दो नये पाठ्यक्रम जोड़े। ये दो नये पाठ्यक्रम थे:

1) व्यापार संभावनाएं-पूर्वी यूरोप

2) अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधी बातचीत

सेमिनार

प्रोफसर रामनाथ नारायणस्वामी द्वारा आयोजित आईआईएमबी ने कम्यूनिस्ट अर्थव्यवस्था अनुसंधान केंन्द्र, लंदन और अर्थिक परिवर्तन अनुसंधान केन्द्र, मास्को के सहयोग से नवंबर 23 से 25, 1992 तक सीआईएस और पूर्वी यूरोप में आर्थिक परिवर्तन तथा व्यापार संबंधी अवसरों पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

(एस शिवा रामु) ने "ग्लोबल में प्रबंधक सार्वभौमीकरण के लिए व्यापार नीतियों पर सेमिनार के भारतीय परिदृश्य" जो कि 19-20 फरवरी 1993 को कोयम्बतूर में प्रबंध विज्ञान विभाग, पीएसजी कालेज आफ टेकनालाजी, कोयम्बतूर द्वारा भरतीय उद्योग संघठन (दक्षिणी क्षेत्र) के सहयोग से आयोजित किया गया था। उन्होंने ग्लोबल प्रबंधको पर सत्र की अध्यक्षता भी की।

छात्र वृत्ति प्राप्ति छात्र (एस. रमेश पद्मनाभन) ने 3-5 सितंबर 1992 को लायन, फ्रांस में हुये 8 वें औद्योगिक विपणन एवं क्रय सम्मेलन में "अंतरराष्ट्रीय व्यापार दर व्यापार विपणन नीतियां - भारतीय संदर्भ" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

एक संकाय (प्रोफसर आर. के. विजयसारथी) 5 अक्तूबर 1992 को अतिथि संकाय के रूप में ईएफएमडी कार्य पर निजेन्सेड यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड को रवाना हुये।

कई वर्किंग पेपरों के अलावा, सीआईएम संकाय ने कई अनुसंधान लेख (प्रकाशन के अंतर्गत सूची दी गयी है) प्रकाशित किये।

2.6 शिल्पवैज्ञानिकों के लिए प्रबंधन कार्यक्रम-एमपीटी

आईआईएमबी ने उद्योग के साथ अधिक तालमेल के लिए, सामाजिक तौर पर सार्थक और राजस्व पैदा करने वाले कार्यक्रम तथा शोध प्रारंभ करने की नीति प्रारंभ की। एक ऐसा कार्यक्रम था - नौ माह की अवधि का शिल्पवैज्ञानिकों के लिए प्रबंधन कार्यक्रम (एमपीटी) जो किसी भी आईआईएम द्वारा चलाया जाने वाला पहला कार्यक्रम था। भारतीय उद्योग संघठन (सीआईआई) के सहयोग से प्रारंभ किये गये इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश में निर्माणकारी - आधार को मजबूत प्रदान करना है। शुल्क रू. 50,000 है, जिसमें शिक्षा, सामग्री, कम्प्यूटर, रिहायश और भोजन शुल्क शामिल है।

एमपीटी, कार्यरत इंजीनियरों तथा शिल्प वैज्ञानिकों के लिए 39 सप्ताह का पूर्णकालिक आवासीय व्यावसायिक विकास कार्यक्रम है। इस का उद्देश्य शिल्पवैज्ञानिकों में प्रबधकीय कौशल, ज्ञान, प्रवृत्ति, मूल्य और दृष्टि विकसित करना है ताकि वे दीर्घकालीन व्यक्तिगत और संगठनात्मक विकास में योगदान दे सकें।

पहला एमपीटी-शिल्पवैज्ञानिकों के लिए प्रबंधन कार्यक्रम 24 अगस्त 1992 को शुरू किया गया।

कर्नाटक सीआईआई के अध्यक्ष श्री एच आर. अल्वा ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसमें 24 प्रतिभागी थे - सार्वजानिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र से 12 प्रत्येक, 14 कंपनियों द्वारा प्रायोजित। कार्यक्रम का पहला सत्र नवबंर 1992 को पूरा हुआ । दूसरा सत्र 30 नवंबर 1992 को शुरू होकर 20 फरवरी 1993 को समाप्त हुआ। प्रतिभागी अपनी परियोजना 2 और 20 मई के दौरान प्रस्तुत करेंगे।

2.6.1 पाठ्यश्चर्या :

छह माह के प्रथम चरण में, निम्नलिखित क्षेत्रों में व्यापक जानकारी दी गयी: उत्पादन और परिचालन, प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक संबंध, अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान, वित्त और नियंत्रण, नैगम कूटनीति और नीति, परिमाणात्मक प्रणाली और सूचना पद्धति एवं विपणन।

द्वितीय चरण में, प्रतिभागी पहले से चयनित परियोजना पर कार्य करेंगे। परियोजना कार्य प्रत्येक को आईआईएमबी संकाय के मार्गदर्शन में और प्रायोजक कंपनी के प्रबंधक के सहयोग से किया जाना है। आखिरी महीने के दौरान, प्रशिक्षार्थी अपनी परियोजना रिपोर्ट तैयार करेंगे और उसे प्रतिभागियों, संकाय तथा कंपनियों के आमंत्रित प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

2.6.2 प्रशासन :

एमपीटी आईआईएमबी और प्रतिभागी संगठनों का संयुक्त प्रयास है ताकि तकनीकि, गुणवत्ता और निर्माण के क्षेत्र में नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण हो सके। एमपीटी को इस दिशा में अधिक प्रभावशाली बनाने का आईआईएमबी को प्रयास रहेगा। इसे दिशा देने के लिए दो समितियां बनायी गयी हैं।

एमपीटी परामर्शी समिति और

एमपीटी शैक्षणिक समिति

एमपीटी परामर्शी समिति के अध्यक्ष श्री विकास देशमुख हैं जो उद्योग कार्यपालक हैं और शिल्पवैज्ञानिकों की शिक्षा में रुचि रखते हैं। इस समिति के सदस्य - एपीटी के संकाय संयोजक - वर्तमान डीन हैं, सात सदस्य कार्यक्रम संकाय तथा उद्योग से लिये गये हैं।

एमपीटी शैक्षणिक समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर एस. जी. लेले हैं, जो डीन तथा एमपीटी संकाय प्रायोजक है और इसके कुछ सदस्य, कार्यक्रम संकाय से तथा चार सदस्य उद्योग और अलुम्नी प्रत्येक से लिये गये हैं।

एमपीटी संयोजक प्रोफेसर एस.जी. लेले हैं, श्री एच.वी हिरणैया, प्रशासनिक अधिकारी (ईडीपी) उनके सहयोग हैं। इन दो समितियों के सदस्यों के नाम नीचे दिये गये हैं:-

एमपीटी परामर्शी समिति सदस्य

श्री विकास देशमुख अध्यक्ष
प्रबंध निदेशक, टाटा अलेक्सी (आई)
लिमिटेड, 123, रिचमंड रोड,
बेंगलूर - 560 052

सदस्य

1. **श्री एच. आर. अल्वा**
निदेशक-कार्मिक,
एनएमटी लिमिटेड
36, कन्निंघम रोड,
बेंगलूर - 560 025
2. **श्री अनिल सचदेवा**
प्रभारी निदेशक,
आइशर कन्सलटेंसी
सर्विज लिमेटेड,
12 कमर्शियल काम्पेक्स,
ग्रेटर कैलाश (मस्जिद मोठ)
नई दिल्ली- 110 048
3. **श्री वी. एस. महेश**
नैगम उपाध्यक्ष- मानव संसाधन विभाग
विप्रो लिमिटेड, भक्तावर
229, नरीमन पाइंट, बंबई - 400 021
4. **श्री ए. पी. परिगी**
मुख्य कार्यपालक, बाटलीबाय
फाईनेंशियल सर्विसज
99/2 और 99/3 एन आर रोड,
बेगलूर 560 002
5. **श्री एक. के. शर्मा**
वरिष्ठ उपाध्यक्ष (वाणिज्यिक)
माइको, होसूर रोड,
बेंगलूर 560 030
6. **प्रोफेसर जनत शाह**
भारतीय प्रबंध संस्थान,
बेंगलूर
7. **प्रोफेसर शंकर जी. लेल**
डीन और एमपीटी संयोजक
भारतीय प्रबंध संस्थान,
बेंगलूर

एमपीटी शैक्षणिक समिति के सदस्य

अध्यक्ष
प्रोफेसर शंकर जी. लेल
डीन और एमपीटी संयोजक
भारतीय प्रबंध संस्थान,
बेंगलूर - 560 076

सदस्य

1. **प्रोफेसर एस. जगदीश**
भारतीय प्रबंध संस्थान,
बेंगलूर- 560 076
2. **प्रोफेसर जनत शाह**
भारतीय प्रबंध संस्थान,
बेंगलूर-560 076
3. **प्रोफेसर जे. रामचंद्रन**
भारतीय प्रबंध संस्थान,
बेंगलूर-560 076
4. **प्रोफेसर एस. सुंदरराजन**
भारतीय प्रबंध संस्थान,
बेंगलूर-560 076
5. **प्रोफेसर एस. जे, जेवियर**
भारतीय प्रबंध संस्थान,
बेंगलूर-560 076
6. **श्री ए. जॉन इडिकुला**
प्रबंधक-एचआरडी,
भोरुका स्टील्स लिमिटेड
वाइट फील्ड रोड,
महादेव पुरा पोस्ट,
बेंगलूर-560 048
7. **श्री. बी. वी. रामण्णा**
अतिरिक्त महाप्रबंधक-एचआरडी
भारत इलैक्ट्रानिक्स, 116 ट्रेड सेंटर,
रेस कोर्स रोड,
बेगलूर - 560 001
8. **श्री. टी. ए. सदाशिव**
प्रभागीय प्रबंधक-प्रशिक्षण
और संगठन विकास
विडिया इंडिया लिमि.
8/9 वॉ मील
तुमकुर मार्ग,
बेंगलूर - 560 073
9. **श्री वाई. श्रीराम**
डीजीएम, एचआरडी,
एसिया ब्राउन बोवेरी लिमि.
सोना टावर्स, 71 मिल्लर्स रोड,
बेंगलूर-560 052

आमंत्रिती

1. **डा. के. आर. एस. मूर्ति**
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान,
बेंगलूर-560 076
2. **श्री मोहन मूर्ति**
निदेशक
भारतीय उद्योग संगठन
सं. 604, उत्तरी ब्लॉक (पिछला विंग)
6 ठा तल, मणिपाल सेंटर,
47, डिकन्सन रोड, बेंगलूर 560 042
3. **श्री. जे. एम. प्रसाद**
महा प्रबंधक-एचआरडी
टाटा अलेक्सी (इंडिया) लिमिटेड
123 रिचमंड रोड,
बेंगलूर - 560 025

प्रस्तावित है कि दूसरा एमपीटी सितंबर 1993 से शुरू होगा। कैंपस पर आवासीय रिहायश की कमी को देखते हुए प्रतिभागियों की संख्या 30 तक सीमित रखी जाएगी।

3. प्रबंधन विकास कार्यक्रम

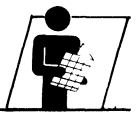

वर्ष 1992-93 मे 12 एमडीपी कार्यक्रम आयोजित किए गए। औसत अवधि 4.1 दिन थी। प्रति एमडीपी औसत प्रतिभागिता 15 थी। घोषित 15 एमडीपी कार्यक्रमों में से दो को नामांकन की कमी के कारण रद्द करना पडा। प्रति कार्यक्रम प्रतिभागियो की संख्या बढाने और रद्द करने की संख्या को कम करने के प्रयास किए जा रहे है।

3.1 आयोजित एम डी पी

अप्रैल 1992 के दौरान आयोजित 12 एमडीपी कार्यक्रमों मे कुल 177 प्रतिभागी थे। 12 एमडीपी कार्यक्रमो का ब्यौरा नीचे दिया गया है।

संख्या	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	अवधि (दिवस)	प्रतिभगियों की संख्या
1.	परियोजना प्रबंध	1-5 जून 1992	5	7
2.	पूर्वी यूरोप व कामवेल्थ के स्वतंत्र देशों में व्यापार के अवसर (सम्भावनायें)	20-24 जुलाई 92	5	13
3.	सेवा में नए अवसरों की खोज	27-31 जुलाई 92	5	12
4.	क्रय और सामग्री प्रबंधन	27-30 जुलाई 92	4	16
5.	उत्पादकता प्रबंधन	5-7 अगस्त 92	3	10
6.	नीतिपरक विपणन निपुणता (औषध उत्पाद)	1-4 सितम्बर 92	4	25
7.	विकास प्रबंधन	14-16 अक्तू. 92	3	30
8.	शैक्षणिक संस्थाओं की योजना और अनुश्रवण (एमपी)	19-23 अक्तू 92	5	18
9.	विषयोन्मुख सूचना तकनीक का परिचय	15-16 जन. 93	2	20
10.	गुणवत्ता प्रबंधन	1-3 फरवरी 93 3	6	
11.	संरचानात्मक अभिकल्प में केस टूल्स प्रयोग	1-5 फरवरी 93	5	7
12.	अंतरराष्ट्रीय नैगम वित्त	8-12 फरवरी 93	5	13
			49	177

3.1.1 प्रतिभागिता

संख्या	कुल प्रतिभागिता	दिन	औसत अवधि	औसत प्रतिभागित
12	177	49	4.1	15

निजी क्षेत्र : 122   सार्वजनिक क्षेत्र : 9   सरकारी : 46

3.1.2 क्षेत्रवार विवरण

क्षेत्र	प्रस्तावित	रद्द कार्यक्रम	आयोजित
पी ओ एम ए	4	–	4
विपणन	2	–	2
अर्थिक व सामाजिक	2	1	1
विज्ञान सामान्य प्रबंधन	2	–	1
अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन केन्द्र	1	–	1
क्यू एम आई एस	4	1	3
शिक्षा	1	–	1

एक कार्यक्रम अप्रैल, 1993 के लिए स्थगित किया गया।

4. संगठन आधारित कार्यक्रम

संस्थान ने पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 28 कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम के दिनों की संख्या 136 से बढ़कर 298 हो गई तथा प्रतिभागियों की संख्या 306 से बढ़कर 572 हो गई।

संगठन आधरित गतविधियों को दुगना करने के साथ-साथ इस वर्ष के दौरान यह भी प्रयास किए गए कि निजी क्षेत्र के संगठनों के लिए बेहतर कार्यक्रम किए जाए। 1991-92 में निजी क्षेत्र के लिए आयोजित दो कार्यक्रमों की तुलना में इस वर्ष 1992-93 में हमने 8 कार्यक्रम किए जिनमें टाइटन वाच लिमिटेड के लिए 6पर्यवेक्षक विकास कार्यक्रम भी शामिल हैं।

एक अन्य उपलब्धि थी कार्यक्रमों की लम्बी अवधि। इनमें सन्दूर मैं गनीज एण्ड आयरन ओर लमिटेड के कार्यपालक प्रशिक्षार्थियों के लिए 3 माह का सामान्य प्रबंध कार्यक्रम था।

आयोजित किए गए कार्यक्रमों का विवरण निम्न प्रकार हैं:-

आई ए एस अधिकारियों सहित सरकारी विभाग	8
सार्वजनिक उपक्रम संगठन	12
निजी क्षेत्र संगठन	8

4.2 आयोजित सं.आ. कार्यक्रम

क्रमांक	कार्यक्रम काशीर्ष	संगठन	संकाय	दिनांक प्रमुख	दिनों में अवधि	प्रतिभागी
1.	सम्भाव्यता व संख्यिकी में कम्प्यूटर का प्रयोग, एम आई एस, सिल्क उद्योग के लिए परियोजना प्रबंध एवं मितव्ययिता	सेंट्रल सिल्क बोर्ड	वी.बी कौजलगी वी नागदेवरा	अप्रैल 8-मई 2 1992	21	21
2.	वित्तीय प्रबंधन	इंडियन डिफेंस एकाउण्टस	वत्सला नागराजन	अप्रैल 27-	23 मई 22 1992	16
3.	वित्तीय प्रबंधन	यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया	आर वैद्यनाथन	मई 25-जून 5 1992	10	20
4.	प्रभावी विपणन	वीइएल	आर के विजयसारथी एवं एस शिवा रामू	जून 15-27 1992	12	18
5.	शोरूम प्रबंधकों के लिए विपणन कार्यक्रम	कॉयर बोर्ड	एम जे जेवियर	जून 29-जुलाई 1 1992	03	17
6.	3 सप्ताह का मध्यम स्तरीय आई ए एस कार्यक्रम	कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार	एन. नागण्णा एवं टी. वी रामय्या	जुलाई 13-अगस्त 1 1992	17	21
7.	आई ए एस अधिकारियों के लिए वित्तीय प्रबंध	वही	एस रघुनाथ	अगस्त 3-8 1992	05	24
8.	कार्यपालक प्रशिक्षार्थियों के लिए प्रबंध कार्यक्रम	दी संदूर मैंगनीज एण्ड आयरन ओर लि.	एस सुंदरराजन जनत शाह सी एम रेड्डि एम जे जेवियर	अगस्त 24-नवम्बर 13	70	09

9.	प्रबंध उन्मुख कार्यक्रम बैच 1	वीएचईएल भोपाल	पी के सिन्हा	अगस्त 17-27 1992	10	25
10.	वही बैच II	वही	एल एस मूर्ति	सित. 21-अक्तू.1 1992	10	25
11.	वित्तीय प्रबंध लेखा	भारतीय रक्षा	वत्सला नागराजन व एस रघुनाथ	सित. 7-26 1992	18	13
12.	आई एफ एस अधिकारियों के लिए वन विद्या मे कम्प्यूटर प्रयोग	पर्यावरणव वन मंत्रालय	एस कृष्णा	अक्तू.12-16 1992	05	27
13.	आई ए एस अधिकारियों के लिए सार्वजनिक नीति विश्लेषण पर कार्यक्रम	कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार	श्यामल राय	नवम्बर 2-6 1992	05	35
14.	भारत सरकार के आई ए एस अधि-कारियो के लिए वित्तीय प्रबंध प्रशिक्षण	वही	प्रसन्ना चन्द्रा व एस रघुनाथ	नवं. 16-20 1992	05	24
15.	भारत सरकार के मध्यम स्तर के आई ए एस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	वही	एस रघुनाथ एस नयन तारा	नवं 23. दिस. 12 1992	17	23
16.	आई ए एस अधि-कारियों के लिए औद्योगिक नीति योजना व विकास पर कार्यक्रम	वही	रणजीत धर	दिस. 14-18 1992	05	12
17.	पर्यवेक्षक विकास कार्यक्रम	टाइटन वाचेज लि.	बी आर पाटिल	अक्तू 28-दिस. 2 1992 के दौरान 6 कार्यक्रम	18	25 प्रत्येक
18.	वित्तीय प्रबंध मे संचालन शोध	ओएनजीसी	प्रेम चन्द्र	जन. 4-8 1993	05	19
19.	आई ए एस अधि-कारियो के लिए 3 सप्ताह का मध्यम स्तर का कार्यक्रम	कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार	वी नागदेवरा वी आनंद राम	जन. 4-23 1993	17	11
20.	वित्तीय जानकारी	ओएनजीसी	एस जगदीश धर	22-25 1993	04	21
21.	अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार: प्रवृत्ति विकास और परिवर्तन	वही	पी जी आप्टे	मार्च 2-5 1992	04	13
22.	परियोजना प्रबंध	किर्लोस्कर साइडरजनरल लि.	एस एन चारी	मार्च 13-15 1993	3	21
23.	समझौता निपुणता; प्रभावी संचार और प्रबंध तकनीक के परिप्रेक्ष्य मे	वियतनाम, सीआईएस पूर्वी यूरोप और अफ्रीका से विदेशी कूटनीतिज्ञ	एस रघुनाथ	मार्च 22-26 1993	5	26

5. अनुसंधान

इस वर्ष के दौरान संकाय सदस्यों ने 10 शोध परियोजनाएं पूरी की और 11 नई परियोजनाएं प्रारम्भ की 1 आई आई एम बी तथा बी विभिन्न संगठनों जैसे नेशनल साइंस फाउण्डेशन वाशिंगटन डीसी, डब्ल्यू एच ओ स्विटजरलैण्ड, फोर्ड फाउण्डेशन, नेशनल इंस्टीच्यूट आफ हैल्थ एण्ड फेमिली वैलफ्येर, नई दिल्ली, मद्रास रिफाइनरी लि. मद्रास और नेशनल इंस्टीच्यूट आफ एजूकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 29 कार्यक्रम इस वर्ष चल रहे थे।

5.1 पूरी की गई परियोजनाएं

वर्ष के दौरान निम्नलिखित 10 परियोजनाएं पूरी की गईः

क्र. सं.	परियोजना	अर्थिक सहायता देने वाली ऐजेंसी	संकाय
1.	प्रबंधन अध्यापकों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं का सर्वेक्षण	आईआईएमबी	वी आनंद राम
2.	भारत में बड़े उद्योगों द्वारा राज्यवार प्रतिव्यक्ति घरेलू उत्पादन - एक तुलनात्मक अध्ययन (1980-81) से 1988-89	आईआईएमबी	आर राजलक्ष्मी रिसर्च फैलो
3.	कोयला खनन उद्योग में लागत संघटक में संरचनात्मक परिवर्तन	आईआईएमबी	एन नागण्णा
4.	आठवें दशक में भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार से ऋण लेना	आईआईएमबी	इन्दिरा राजारामन
5.	भारतीय पूंजी बाजार में वर्तमान शेयरों का निष्पादन (लाभ तथा बाजार हानि के आकलन हेतु समायोजित)	आईआईएमबी	आर. वैद्यनाथन
6.	पूर्वी यूरोप में आर्थिक सुधारों की स्थिति	आईआईएमबी	रामनाथ नारायणस्वामी
7.	सेवा विज्ञापन	आईआईएमबी	पी के सिन्हा
8.	औद्योगिक शांति के कारण महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा आटोमेटिव डिविजन बाम्बे के मामले में अध्ययन	महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा बम्बई और आईआईएमबी	वी आर पाटिल
9.	समय का सदुपयोग एवं विश्व सेवा संगठन स्वास्थ्य समूहों के चयनित जनबल संवर्गो की उत्पादकता	बी घोष जनेवा	
10.	राजनीतिक हस्तक्षेप द्वारा उत्कृष्टता-कर्नाटक में सहकारिता के मामले का अध्ययन	इंडियन इंस्टीच्यूट आफ रूरल मेनेजमेंट, आनंद	एस टी एस रेड्डी रिसर्च फैलो

5.2 प्रारम्भ की गई परियोजनाएं

वर्ष के दौरान निम्नलिखित 11 नई परियोजनाएं प्रारम्भ की गईं

	परियोजना	आर्थिक सहायता देनेवाली एजेंसी	संकाय
1.	गुणवत्ता लागत निर्धारण	आईआईएमबी	आर. नारायणस्वामी
2.	उन्नति के लिए प्रबंधन प्रतिक्रिया	आईआईएमबी	एन. नागण्णा
3.	औद्योगिक संबंध नीति और विधि	आईआईएमबी	बी आर पाटिल
4.	भारतीय कम्पनियों पर सरकारी आर्थिक उदारीकरण कार्यक्रम का प्रभाव-उच्च प्रबंधन का एक विश्लेषण	आईआईएमबी	एल प्रसाद
5.	ए बी बी कारपोरेट के श्रेष्ठ निधि प्रवाह के लिए ज्ञान आधारित सूचना पद्धति	आईआईएमबी	बी. शेखर
6.	सार्वजनिक पद्धतियों के प्रबंधन का दस्तावेजीकरण	आईआईएम बी	वी. नागदेवरा
7.	भारतीय कम्पनियों के पूर्वी जर्मनी में नवेश के अवसर	आईआईएमबी नारायणस्वामी	रामनाथ
8.	निष्पादन मूल्यांकन पर एक केस तैयार करने का प्रस्ताव	आईआईएमबी	कल्याणी गांधी
9.	सरकारी हस्तक्षेप द्वारा श्रेष्ठता-कर्नाटक में सहकारिता के मामले का अध्ययन	आईआरएमए	एस. टी. एस. रेड्डी
10.	तंजानिया से आए 4 प्रतिभागियों के लिए भारत की परम्परागत सिंचाई परियोजनाओं का अध्ययन दौरा	खाद्य एवं कृषि संगठन	एस. टी. एस. रेड्डी
11.	कावेरी जल विवाद-कावेरी बेसिन में सूखे के सामाजिक आर्थिक पक्षों का अध्ययन	कर्नाटक सरकार	एस.टी.एस. रेड्डी

5.3 चल रही परियोजनाएं

पैरा 5.2 दिखाई गई, वर्ष के दौरान प्रारम्भ की गई 10 परियोजनाओं के अतिरिक्त (क्रमांक 9, जो कि इस वर्ष के दौरान पूरी हो गई, को छोड़ कर) पिछले वर्षों में शुरू की गई निम्नलिखित परियोजनाएं भी इस वर्ष के दौरान चलती रहीं:

क्रमांक	शीर्ष	प्रायोजक	संकाय
1.	सफेदपोश तथा व्यावसायिक कर्मचारियों में संघीकरण	आईआईएमबी	बी आर पाटिल
2.	विकर्षक संगठनात्मक संस्कृति को बनाए रखने एवं उसके विकास की प्रक्रिया	आईआईएमबी	सी एम रेड्डी
3.	कामकाजी महिलाओं में भूमिका संघर्ष	आईआईएमबी	मालती वी
4.	स्टाक कीमतों को बताने के लिए वित्तीय आंकड़ों का प्रयोग	आईआईएमबी	प्रेम चन्दर
5.	कर्नाटक में पंचायत राज का प्रबंध	आईआईएमबी	वी के चन्द्रशेखर
6.	बाहरी ऋण का प्रबंधन	आईआईएमबी	पीजी आप्टे
7.	अल्पविकसित देशों के विकास में यू एन एजेंसियों की भूमिका-नीति संबंधी/मुद्दे एवं परिदृश्य	आईआईएमबी	आर धर
8.	प्रबंधन शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन-आईआईएमबी स्नातकों का केस अध्ययन	आईआईएमबी	मीरा बाखरू
9.	दक्षिण क्षेत्र में प्रबंध शिक्षा का विश्लेषणात्मक अध्ययन	आईआईएमबी	मालती सोमय्या
10.	चौराहों पर ट्रांसिट (टीआर ए एनएसवाईटी) के प्रयोग से यातायात प्रबंधन	आईआईएमबी	टी वी रमणय्या व के एम अनन्तरामय्या
11.	प्राथमिक स्वास्थ्य रक्षा में परम्परावादी मेडिकल प्रेक्टिशनरों की भूमिका	आईआईएमबी	जे सी भाटिया
12.	ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा का सामुदायिक वित्तीकरण-एक स्वास्थ्य सहकारी के केस का अध्ययन	आईआईएमबी	जे सी भाटिया
13.	दक्षिण भारत के चारों राज्यों में प्राथमिक स्वास्थ्य रक्षा सेवाओं के प्रबंधन कार्यों का तुलनात्मक अध्ययन	आईआईएमबी	पी भास्करन
14.	भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों में दीर्घ कालीन योजना	मद्रास रिफानरी लि.	एस कृष्णा
15.	गर्भ निरोधक उपयोग के निर्धारक	डब्ल्यू एच ओ	जे सी भाटिया
16.	शिशु जीवन पर मातृ शिक्षा का प्रभाव	फोर्ड फाउंडेशन	जे सी भाटिया

17.	यातायात सिगनलों का डिजाइन तैयार करना और ट्रांसिट (टीआरएएनएसवाईटी) का प्रयोग करते हुए उन्हें आपस में जोड़ना	बेंगलूर नगर पालिका	टी वी रामण्या के एम अनंतरामय्या
18.	भारतीय विश्वविद्यालयों का वित्तीय प्रबंधन	राष्ट्रीय शैक्षणिक आयोजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली	मालती सोमय्या
19.	सेवा पद्धतियों की स्थानिक क्षमता को सुधारने के लिए डीएसएस का विकास	नेशनल साइंस फाउंडेशन	वी के तिवारी

6. प्रकाशन

6.1 आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यू

आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यू संस्थान की छमाही पत्रिका है वर्ष 1992 में जिल्द (वाल्यूम) संख्या 7 निकाली गयी।

6.2 आईआईएमबी न्यूज

आईआईएमबी न्यूज आईआईएमबी समुदाय और इसके भूतपूर्व छात्रों से संबंधित कैम्पस गतिविधियों/घटनाओं का मासिक प्रकाशित है। वर्ष 1992-93 के दौरान इसके 12 अंक प्रकाशित हुए और संकाय, बोर्ड सदस्यों तथा भूतपूर्व छात्रों में परिचालित किए गए।

6.3 अन्य प्रकाशन

6.3.1 पुस्तकें

कृष्णा एस, इंट्रोडक्शन टू डाटा बेस एण्ड नॉलेज बेस सिस्टम्स-वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग कम्पनी, न्यू जर्सी, न्यूयार्क, अप्रैल 1992

चारी एस एन, इंडियन एक्पोर्ट टू यूरोप, आशीश पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, सितम्बर 1992

रंगनाथन वी. रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन इन आफ्रीका (सम्पादित पुस्तक) जेड बुक्स, लंदन 1992

पाटिल बी आर, क्लेक्टिव बारगेनिंग पर्सपक्टिव एण्ड प्रेक्टिस, अरियंट लांगमेस (इंडिया) लि. जनवरी 1993

प्रसन्ना चन्द्रा, दी इनवेस्टमेंट गेम: हाऊ टू विन, टाटा मेक् ग्रोथ पब्लिशिंग कं. नई दिल्ली, अगस्त 1992

6.3.2 लेख

आप्टे पी जी, यूनिट स्टस, को इंटिगरेशन एण्ड़ फारवार्ड एक्सचेंज रेट्स आफ रेट्स द रूपी'' **जनरल आफ फारेन एक्सचेंज एण्ड इंटरनेशनल फाइनांस** - जिल्द 6, नं 2, 1992

गोपालास्वामी टी पी, ''एबोलिशन आफ एग्रीकल्चरल सब्सिडीज रेडिकल चेंजेज रिक्वायर्ड **डेकर हैराल्ड** मई 25, 1992

गोपालस्वामी डीपी, काफी मार्केटिंग: ए न्यू चैलेंजेज, **डेकन हैराल्ड,** अक्तूबर 26, 1992

मालती वेणुगोपाल, 'रोल ऑफ एजुकेशन इन नेशनल डिवेल्पमेंट, **डेकन हैराल्ड,** जून 12, 1992

मालती वेणुगोपाल ''जापांस एजूकेशन सिस्टम एण्ड जापानीज मिरेकल **जनरल आफ एजुकेशनल एण्ड एक्टेंशन, जिल्द** 28 न. 4, अप्रैल 1992

नारायण स्वामी रामनाथ, 'रेगुलेशन थियोरिस्टस एण्ड ईस्ट यूरोपियन रिफार्म एकानोकमिक्स'' **एकानिमिक्स एण्ड पोलिटिकल वीकली,** बम्बई, मई 2, 1992

नारायण स्वामी रामनाथ,'' गोइंग ग्लोबल इन ईस्टर्नयूरोप; द फर्स्ट स्टेप्स'' **द ओबजर्वर फार बिजनेस एण्ड पालिटिक्स,** बम्बई, अक्तूबर 23, 1992

नारायण स्वामी रामनाथ, '' जर्मन यूनिफिकेशन: सम इम्पोंडरेबल्स'', **इंटरनेशनल जर्नल आफ डिवेल्पमेंट बैंकिग,** बम्बई, जिल्द 10, न. 2 जुलाई 1992

नारायण स्वामी आर. ''एकाउटिंग फार लीजेज फार लेसिस इन इण्डिया'', सम एविडेंस आफ एकॉनॉमिक इम्पेक्ट, **द इंटरनेशनल जर्नल आफ एकाउंटिंग,** 1992

नागभूषण टी एस, ''स्माल स्केल इंटरप्रेन्योर्स एण्ड मैनेजर्स-नीड फार ए सिमबायोटिक रिलेशनशिप्'' **सेडमे, जर्नल आफ एनआईएआईईटी,** 1992

प्रसन्ना चन्द्रा,'' आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यू, जिल्द 7 नं. 1 जन-जून 1992

रघुनाथ एस. ''सक्सेसफुल इम्पलीमेंटेशन आफ मैनेजमेंट बोर्ड आब्जेक्टिव्स इन सिटि एडमिनिस्ट्रेशन'', **द एडमिनिस्ट्रेटर** अक्तूबर दिसम्बर 1991 (संयुक्त लेखक)

रघुनाथ वी. (श्रीमती एस. शांता के साथ) ''एकॉनॉमिक इवाल्यूशन आफ बायोगौस प्लांट्स'' **पेसिफिक एण्ड एशियन जर्नल आफ एनर्जी,** नई दिल्ली, दिस. 1992

शिवा रामु एस. ''एमएनसीएस एण्ड इण्डियाज न्यू एकॉनॉमिक पालिसी'', **ग्लोबल एण्ड इण्डियन ट्रेड़ पालिसी जेंजिय,** बिबेक देबरॉय (सं) अनुपमा पब्लिशिंग नई दिल्ली

सोमशेखर रेड्डी एस टी, ''नवा धान्या: **नान-वायलेंट कान्सेप्ट फार ससटेनेबल एग्रीकल्चर''**. पार्यावरण पर विशेष अंक

सोमशेखर रेड्डी एस टी, ''न्यू एकॉनॉमिक पालिसी एण्ड एग्रीकल्चर: स्टेपिंग बेक्वर्ड'' **माध्यम कम्युनिकेशन का जर्नल,** जनवरी 1993

तिरुनारायण पी एन, ''सेल्प मेनेज्ड लर्निंग एमबीए: एन एटरप्राइजिंग एप्रोच टू लर्निंग'', **टीएमटीएस जर्नल आफ मैनेजमेंट** जिल्द 2 नं. 1 जून 1992.

वैद्यनाथन आर, ''स्ट्रक्चर आफ द इंडियन एकनामी एण्ड रेलेवेंस आफ द एकानामिक रिफार्म''. **आईआईएमबी मैनेजमेंट रिव्यू,** जिल्द 7, नं. 1 जनवरी जून 1992

वैद्यनाथन आर, ''नाऊ इज द टाइम फार चेंजिग द फाइनेशयल ईयर,'' **पाइनियर** अप्रैल 6, 1992

वैद्यनाथन आर, '' एडजिस्टिड अर्निंग पर शेयर'' (एफपीएम छात्र श्री सुब्रतारेके साथ) **द हिन्दू** अगस्त 6, 1992

वैद्यनाथन आर, ''एस्टीमेशन आफ मार्केटरिस्क एण्ड सिक्योरिडीज'' (श्री सुब्रता रे के साथ) **बैंकिंग फाइनांस** न. 7 जुलाई 1992

जेवियर एम जे, ''प्रो एक्टिव मैनेजमेंड - द पंचतंत्रा वे'' **एकनामिक टाइम्स,** अप्रैल 12, 1992

जेवियर एम जे, ''वाई मार्केटिंग रिसर्च'' **डेकन हैराल्ड** अप्रैल 13, 1882

जेवियर एम जे, ''लायलटी इन द मार्केट प्लैस' **डेकन हैराल्ड,** अप्रैल 20, 1992

जेवियर एम जे''कस्टमर सैटिस्फैक्शन: की टू गुड मार्केटिंग, **डेकन हैराल्ड** जुलाई 13, 1992

जेवियर एम जे, ''अपेरेल फार द बेअर प्रोडक्ट'', **द हिन्दू,** जुलाई 20, 1992

जेवियर एम जे, ''हिटिंग द टारगेट,'' **डेकन हैराल्ड,** जून 22, 1992

जेवियर एम जे, ''स्ट्रेटजीज टू लिफ्ट सैगिंग सेल्स,'' **द हिन्दू,** सितम्बर 10, 1992

जेवियर एम जे, ''प्रोडक्ट पोजिशनिंग एण्ड द कस्टमर , '' **डेकन हैराल्ड,** सिदम्बर 28, 1992

जेवियर एम जे व टीपी गोपालस्वामी, फ्रूट्स एण्ड वेजिटेबल्स मार्केटिंग: कंसर्टिड एर्फट वाइटल'' **फाइनेंशियल एक्सप्रैस,** नवम्बर 14, 1992

6.3.3 सेमिना/सम्मेलन में प्रस्तुत लेख

अनंतरामय्या के एम और रमणय्या टी वी ''चेंजेज इन रूरल ट्रेवल करेक्टरस्टिक्स इन सदर्न इंडिया'' लियन फ्रांस में परिवहन अनुसंधान पर आयोजित छठा विश्वसम्मेलन जून, 29, जुलाई 1992

भाटिया जे सी, ''रीचिंग आउट द रूरल मेडिकल, प्रेक्टिशनर: सम एक्सपीरियंसिस ग्रामीण चिक्तिसा-शास्त्रियों पर कार्यशाला, नई दिल्ली जनवरी 7-8 1993.

गोपालस्वामी टी पी और जेवियर एम जे ''एग्रीकल्चर एण्ड फूड, मार्केटिंग: द केस आफ फूट वेजिटेबल्स'' ''नीड फार फूड मार्केटिंग करिकूलम इन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज'' कृषि व खाद्य विपणन पर भारत-ब्रिटेन कार्यशाला, जनवरी 5-7 1993 बेंगलूर

कौजलगी वीबी राव ए के : ''फोर कास्टिंग माडल फार द ट्रॉसपोर्ट सेक्टर न ए डिवेल्पिंग कंट्री'' अहमदाबाद में पिचालन अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, दिसम्बर 14-16, 1992

कृष्णा एस, ''ए प्रोग्राम फार क्वालिटी एण्ड प्रोडक्टिविटी इम्प्रूवमेंट इन इंडियन साफ्ट वेयर इंडस्ट्री'' (थामस इब्राहिम के साथ सहलेखन) न्यूयार्क में सेंट जान विश्वविद्यालय में हुआ सम्मेलन नवम्बर 14, 1992

मूर्ति के आर एस: ''एन अप्रेजल आफ टेक्नालाजी पालिसी विद रेफरेंस टू करंट लिब्रलाइज्ड एकानामिक एण्ड इंडस्ट्रीयल पालिसीज'' ''मद्रास में आयोजित सातवाँ इंडियन इंजीनियरिंग कांग्रेस, फरवरी 15, 1993.

नारायण स्वामी रामनाथ: ''सम रिफलेक्शन आन द ग्लोबलाइजेशन आफ इंडस्ट्री (दक्षिणी अंचल) तथा कोनार्ड अडेनूर स्टीफंग, मद्रास द्वारा आयोजित सम्मेलन, सितंबर 24-25-1992.

नारायण स्वामी रामनाथ: ''द बम्पी रोड टू द मार्केट इन एशिया एण्ड इस्टर्न यूरोप'' भारत व पुरर्गठित यूरोप पर नीदरलैण्ड में आयोजित सम्मेलन दिसम्बर 7-10, 1992

राव ए क और राजागोपालन एस: ''वाइकल रूटिंग'' ओआरएसआईका रजत जयंती समारोह, अहमदाबाद, दिसम्बर 17-19, 1992

रमणय्या टीवी और प्रसन्न एस: ''मास ट्रांसपोर्टेशन फार बेंगलूर सिटि'' इंस्टिच्यूट आफ सोशल एण्ड एकानामिक चेंज, बेंगलूर मे आयोजित सम्मेलन, नवम्बर 27-28. 1992

रंगनाथन बी, ''इंटिगरेटिड पावर सिस्टम आपरेशन-इश्यूज एण्ड पासिबल साल्यूशंस'' नेशनल ग्रिड के गठन पर आयोजित सेमिनार, हैदराबाद, जुलाई 9, 1992

रघुनाथ एस,. ''बिजनेस अपरचुनिटिस इन चैकास्लोवाकिया: द एंटरप्राईज पर्सपेक्टिव (प्रो. जे रामचन्द्रन के साथ सहलेखन)'' साआईएस और पूर्वी यूरोप में आर्थिक परिवर्तन और व्यापार सम्भावनाओं पर सम्मेलन, नवम्बर 23-25, 1992 बेंगलूर

शेखर बी, ''फंक्शनल अबेरेशंस इन नालेज बेसड क्लासिफिकेशन्स'' डेम्पोरल माडलिंग आफ मल्टीपल-एक्जीक्यूशन सिक्वेंस इन नालेज बेस्ड फंक्शनल क्लस्टर्स'' पेसिफिल रिम इंटरनेशनल कांफेंस आन आर्टिफिशल इंटेलीजेंस (पीआरआईसीएआई) सियोल, सितम्बर 13-19. 1992

शेखर बी, ''ए नालेज प्रि रिप्रेजेंटेशन स्ट्रक्चर फार इंटेलजेंट स्स्टम'' सांईटिफिक डाटाबेस इन इण्डिया'' के विषय पर बैठक में चर्चा, अक्टूबर 12-13-1992, बेंगलूर

शिवा रामू एस. ''ग्लोबल मैनेजर: इंडियन पर्सपेक्टिव'' सार्वभौमीकरण के लिए व्यापार नीति'' पर आयोजित सेमिनार फरवरी 19-20, 1993, कोयम्बटूर

सोमशेखर रेड्डी एस टी, ''रिवर कृष्णा बेसिन: डेवल्पमेंटल इम्पेक्ट, कंफिलिक्ट एण्ड आल्टरनेटिव्ज'' हिमालय जल पर सहयोग विषय पर कार्यशाला, फरवरी 27-28, 1993 काठमांडू नेपाल

''ग्राउंडवाटर-फरमर्स मैनेज्ड इरीगेशन सिस्टम्स (एफएमआईएस) :ऐट हूज कास्ट-ए कैस स्टडी आफ कर्नाटका'' भूमिजल पर दक्षिण एशिया अंचल की कार्यशाला- एफएमआईएस और भूमिजल का सम्पोशणियता, मई 18-21, 1992 ढाका, बंगलादेश

''एक्सीलेंस थ्रू पोलिटिकल इंटरएक्सन? ए कैस स्टडी आफ कर्नाटका'' ग्रामीण सहकारिताओं के प्रबंधन पर सेमिनार, दिसम्बर 7-11 1992 आनंद

जेवियर एम जे आर गोपालस्वामी टी पी: मार्केटिंग आफ फ्रूट्स एण्ड वेजिटेबल्स-प्रेजेंट पोजिशन एण्ड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स विपणन व विकास पर चौथी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, जनवरी 7-10, 1993 कास्ट-ए-रिका, दक्षिणी अमेरिका।

6.3.4 वर्किंग पेपर

शिक्षाविदों और प्रोफसरों के विचारों के आदान प्रदान के उद्देश्य से 1991 में वर्किंग पेपर श्रृंखला प्रारम्भ की गई थी। निम्नलिखित 23 वर्किंग पेपर वर्ष 1992-93 के दौरान निकाले गए:

1. भारत की नई आर्थिक नीति: इसके तात्कालिक प्रभाव
   ... **एस शिवा रामू**
2. भारतीय अर्थशास्त्र ढांचा और आर्थिक सुधारों की प्रासंगिकता
   ... **आर वैद्यनाथन**
3. भारत में प्रबंध शिक्षा
   ... **सी एम रेड्डी**
4. मानकों के आकलन की चुनौती
   ... **आर नारायण स्वामी**
5. ऋण मूल्यांकन के लिए तांत्रिकीय माडल आधारित दृष्टिकोण
   ... **बी भास्कर**
   आर एस देसिकन
6. सूती धागों की निर्यात नीति: एक वस्तुपरक दृष्टिकोण
   ... **आर एस देसिकन**
   एस आर पद्मानाभन

7. ई एम पीओवी-11 माडल: गरीबी कम करने हेतु बुनियादी आवश्यकताओं की उपलब्धता और उपयुक्त मूल्य निर्धारण तथा आय/नीतियां
... **आर धर**
... **एम आर राव**
... **संजय गोयल**
8. संयुक्त आपूरण से बहुवस्तु आकार नर्धारण समस्या की सूत्रबद्धता कुछ विस्तार
... **ए के राव**
9. चयन पद्धति के विभिन्न घटकों का सर्वोत्तम महत्व निर्धारण
... **ए केराव व**
... **कल्याणी गांधी**
10. भण्डार के लिए स्थान किराये पर लेने पर प्रतिबंध होने पर किफायती प्रकार के भण्डार
... **ए केराव**
11. आठवें दशक मे अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार में भारतीय कर्ज
... **इन्दिरा राजारामन**
12. चाय विपणन: भारतीय चाय उद्योग की नीति
... **टी पी गोपालास्वामी**
... **एम जे जेवियर**
13. किफायती भण्डारों पर एक नोट: एक पक्तिबद्ध कार्यक्रम का दृष्टिकोण
... **ए. के. राव तथा**
... **एम. आर. राव**
14. एक भारतीय सार्वभौमिक प्रबंधन का विकास
... **के आर एस मूर्ति**
15. भारतीय उद्योग के सार्वभौमीकरण के कुछ प्रभाव
... **रामनाथ नारायणस्वामी**
16. भारत में औद्यौगिक संबंध - एक दृष्टिकोण
... **वी आर पाटिल**
17. रूस व मध्य यूरोप के बाजारों की समस्यायों के पहले अध्याय
... **रामनाथ नारायणस्वामी**
18. भारत में विदेशी पूंजी निवेश
... **एस शिवा रामू**
19. भारत में सेवा विज्ञापन
... **पी के सिन्हा**
20. हम कब सार्वभौम होंगे
... **एस एन चारी**
21. जर्मनी में साफ्टवेयर उद्योग की एक झलक
... **वी बी कौजलगी**
22. जेड आई बी - वज्ञानिक साफ्टवेयर विकास संगठन के केस का अध्ययन
... **वी बी कौजलगी**
23. छोटे व मध्यम शहरों की आधारभूत योजना की समस्या
... **सुब्बारायन प्रसन्ना**
24. नीति विश्लेषण में शोध-उदाहरणीय प्रतिमान
... **सुब्बारायन प्रसन्ना**
25. पूर्वी यूरोप में आर्थिक सुधार की वर्तमान स्थित
... **रामनाथ नारायणस्वामी**
26. लघु व्यापार: निर्यात व तकनॉलॉजी का प्रोत्साहन
... **एस शिवा रामू**
27. भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड- विपणन का मामला
... **एस शिवा रामू**
28. निर्यात व्यापार नीति
- ... **एस शिवा रामू**
29. मीडिया प्लानिंग का मूल्यांकन और आदर्शी माडल
... **ए. के. राव**
... **एम आर राव**

7. परामर्श

संकाय ने इस वर्ष के दौरान 12 परामर्शी परियोजनाओं को पूरा किया, जिसमें कुल 114 संकाय दिवस खर्च हुए।

पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष दुगुनी परियोजनाएं पूरी की गई। तीन कम्पनियां निजी क्षेत्र से, तीन सार्वजनिक उपक्रम से, एक शैक्षणिक संस्थान से, चार सरकारी विभागों से और एक डानिडा द्वारा सहायता प्राप्त भारतीय परियोजना थी।

तीन नई परियोजनाएं इस वर्ष प्रारम्भ की गई जिनमें से दो आन्ध्रा सरकार की थी।

पिछले वर्ष से चल रही 9 परियोजनाओं में प्रगति हो रही है।

7.1 सार संक्षेप

संकाय सदस्यों के परामर्श/ओबीपी लागिगं को संक्षेप में नीचे दिया जा रहा है:

संकाय सदस्यों की संख्या	63
ओबीपी दिन	330
परामर्शी दिन	113.5
व्यावसायिक गतिविधियां	330
कुल	773.5
प्रति संकाय दिन	12

7.2 पूरी हुई परियोजनाएं।

संकाय सदस्यों ने इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित 12 परियोजनाएं पूरी की:

क्रमांक		परियोजना का नाम देने वाली एजेंसी	आर्थिक सहयोगसंकाय
1.	बागलकोट पुनरावंटन परियोजना के लिए पीईआरटी/सीपीएस	बागलकोट नगर प्राधिकरण	ए. वी. षण्मुगम
2.	भारत में मूर्गी पालन का विकास	वेंकटश्वरा हैचरीज लि.	श्यामल राय
3.	एकीकृत विकास सेवाओं का कार्य देखने वाले मध्यम स्तर के आधिकारियों के लिए प्रबंधन कार्यक्रम	एकीकृत बाल विकास सवाएं	ली. घोष
4.	रिटेनर कंसलटेंसी	विडिया इण्डिया लि.	आर. वैद्यनाथन
5.	रिटेनर कंसलटेंसी	डानिडा	ए. वी षण्मुगम
6.	डिप्लोमा के लिए विकास पाठ्यक्रम ढांचा	केन्द्रीय रेशम बोर्ड	वी बी. कौजलगी
7.	बाजार नीति	कर्नाटक ह्थकरघा विकास निगम लि. बेंगलूर	आर. के. विजयसारथी
8.	प्रोत्साहन योजनाओं में संशोधन	कर्नाटक स्टेट एग्रो कारपोरेशन प्रोडक्ट लि.	एम. आर. गोपालन
9.	एमबीए छात्रों के लिए प्रवेश परीक्षा	श्री कृष्ण देवराया विश्वविद्यालय अनंतपुर	मालती सोमय्या
10.	सीमेंस के लिए सेवा संकल्पना	सीमेंस, बेंगलूर	पी. के सिन्हा
11.	सिंचित कृषि के लिए जनबल मूल्यांकन	मध्य प्रदेश सरकार श्यामल राय	बी. आर पाटिल
12.	ग्रामीण परिवहन अध्ययन	परिवहन मंत्रालय भारत सरकार	टी. वी. रमणय्या

7.3 प्रारम्भ की गई परियोजनाएं :

वर्ष के दौरान तीन निम्नलिखित परियोजनाएं प्रारंभ की गईं:

1.	काकीनाड़ा बंदरगाह विकास परियोजना का समाजिक आर्थिक प्रभाव	काकीनाड़ा बंदरगाह परियोजना, आन्ध्रा प्रदेश	टी. वी. रामणय्या एन नागण्णा
2.	काकीनाड़ा बंदरगाह विकास परियोजना का तरल पेट्रोल वस्तुओं के परिवहन के जोखिम का विश्लेषण	काकीनाड़ा बंदरगाह परियोजना, आन्ध्रा प्रदेश	टी. वी. रामणय्या एन नागण्णा
3.	नियंत्रक कम्पनी के रूप में एफसीआई का पुनर्गठन	एफसीआई, नई दिल्ली	रमेश मेहता

7.4 चल रही परियोजनाएं

वर्ष के दौरान निम्नलिखित 9 परियोजनाएं प्रगति पर थीं।

1.	स्टेप कार्यक्रम के अंतर्गत बैंचमार्क सर्वेक्षण	कर्नाटक ह्यकरघा विकास निगम, कर्नाटक सरकार	बी. आर. पाटिल
2.	काष्ठ संतुलन अध्ययन	कर्नाटक सरकार	वी. रघुनाथन
3.	किराया नियंत्रण अधिनियम का अध्ययन	कर्नाटक सरकार	वी. के. तिवारी
4.	विभिन्न विकेन्द्रीकृत ऊर्जास्रोतों की आर्थिक सम्भाव्यता का मूल्यांकन	कर्नाटक सरकार	वी. रघुनाथ
5.	बागलकोट शहर की पुनः स्थापना	बागलकोट नगर विकास प्रधिकरण	के. एम. अनंतरामय्या बी. के. चन्द्रशेखर
6.	इंटेगरेटिड सर्किट्स का बाजार सर्वेक्षण	सेमीकंडक्टर काम्प्लेक्स लि. चण्ड़ीगढ़	पी. भास्करन
7.	बागवानी के लिए कम्प्यूटर आधारित एम आईएस	कोठारी इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लि. मद्रास	एस. जगदीश टी. पी. गोपालस्वामी वी नागदेवरा
8.	निटेनर कंसलटेंसी	एससी लि.	पी. एन. तिरुनारायण
9.	असमान उत्पादन	आईआई, बेंगलूर	टी. एस. नागभूषणा

7.5 भेजे गए प्रस्ताव

वर्ष के दौरान निम्नलिखित तीन प्रस्ताव भेजे गए:

1.	हेमावती नहर क्षेत्र, तुमकुर के नियंत्रण क्षेत्र में सामाजिक आर्थिक बेंच मार्क सर्वेक्षण	कर्नाटक सरकार (सिंचाई विभाग)	श्यामल राय
2.	एनएएफआरडी के सापेक्ष महत्व की योजना हेतु संगठनात्मक अध्ययन	नेशनल एग्रीकल्चर को ओपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन आफ इण्डिया (एनएफआरडी)	टी. पी. गोपालस्वामी
3.	केएफडीसी, बेंगलूर के लिए निर्गमित योजना	केएफडीसी, बेंगलूर	जे. रामचन्द्रन

8. स्थापना दिवस

19वां स्थापना दिवस 28 अक्तूबर 1992 को मनाया गया। भारत के भूतपूर्व मुख्य न्यायधीश श्री ई. एस वेंकटरामय्या ने स्थापना दिवस पर ''भारत में औद्योगिक सम्पत्ति संबंधी नियम'' विषय पर व्याख्यान दिया। छात्रों, संकाय और स्टाक सदस्यों ने स्थापना दिवस के अवसर पर एक मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

निदेशक

डा. के. आर एस मूर्ति

प्रोफेसर

1. वी आनंद राम
2. के एम अनंतरामय्या
3. पी जी आप्टे
4. पी भास्करन
5. जे सी भाटिया
6. बी के चन्द्रशेखर
7. एस एन चारी
8. पी वी जार्ज
9. बी घोष
10. एम आर गोपालन
11. टी पी गोपालस्वामी
12. आर के हर्लेकर
13. इन्दिरा एस राजारामन
14. एस जगदीश
15. वी बी कौजलगी
16. एस कृष्णा
17. एस जी लेले
18. टी एस नागभूषणा
19. वी नागदेवरा
20. एन नागण्णा
21. के बी नायर
22. प्रसन्ना चन्द्रा
23. टी वी रमणय्या
24. रमेश मेहता
25. रणजीत धर
26. वी रंगनाथन
27. ए के राव
28. एस शिवा रामू
29. श्यामल राय
30. सुब्बरायन प्रसन्ना
31. आर जी तगत
32. वी के तिवारी
33. पी एन तिरुनारायण
34. आर वैद्यनाथन
35. आर के विजयसारथी

एसोसिएट प्रोफेसर

1. कल्याणी गांधी
2. मालती सोमय्या
3. मीरा भास्कर
4. बी नरसिम्हा राव
5. आर नारायणस्वामी
6. बी आर पाटिल
7. लक्ष्मणन् प्रसाद
8. आर रविकुमार
9. एस संपंगीरामन
10. एस सुन्दरराजन
11. एम जे जेवियर

सहायक प्रोफेसर

1. जनत शाह
2. बी महादेवन
3. सी मनोहर रेड्डी
4. एल एस मूर्ति
5. एस नयनतारा
6. प्रेम चन्दर
7. एस रघुनाथ
8. एस राजगोपालन
9. जे रामचन्द्रन
10. रामनाथ नारायणस्वामी
11. बी शेखर

अतिथि संकाय

1. अमितवा चटोपाध्याय
2. एस बी बोकिल
3. आर के लाल
4. जार्ज वर्गिस
5. एम आर राव

शोध अनुसंधान एसोशियेट

1. एम सिप्पय्या

9.1 संकाय नियुक्तियां

9.1.1 संवर्ग नियुक्तियां

वर्ष 1992-93 के दौरान निम्नलिखित छः संकायों को संवर्ग आधार पर नियुक्त किया गया:

क्रमांक	नाम व पद	विशेषज्ञता क्षेत्र	नियुक्ति की तिथि
बाह्य			
1.	डा. जे रामचंद्रन सहायक प्रोफेसर	निगमित कूट नीति व नीति	मई 22, 1992
2.	डा. एस रघुनाथ सहायक प्रोफेसर	निगमित कूट नीति	जून 1, 1992
3.	डा. बी. महादेवन सहायक प्रोफेसर	पीओएमए	नवम्बर 30, 1992
4.	डा. शरत चन्द्र दावला	ओबीपीएम व आई आर	मर्च 31 1993
आंतरिक			
5.	डा. एस कृष्णा प्रोफेसर (एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर संस्थान में 7.1.91 को नियुक्त हुए)	क्यूएमआईएस	जुलाई 1, 1992
6.	डा. प्रसाद लक्ष्मणन एसोसिएट प्रोफेसर (अतिथि वक्ता के रूप में संस्थान में 30.6.92 को नियुक्त)	ओ बी. पी एम व आई आर	अक्टूबर 10, 1992

9.1.2 अतिथि संकाय

निम्नलिखित अतिथि संकाय वर्ष 1992-93 के दौरान संस्थान से सम्बद्ध रहे:

1.	पी के सिन्हा	विपणन	जुलाई 1, 1991 से जनवरी 20, 1993
2.	रमेश वेंकटेश्वरन	विपणन	जून 1, 1992 से दिसम्बर 31, 1992
3.	पीटर कोलाको	विपणन	जून 1, 1992 से दसम्बर 31, 1992
4.	डा. एस वी बोकिल	अर्थशास्त्र	सितम्बर9, 1992 से सितम्बर, 8 1994
5.	एस आर राव	क्यूएमआईएस	सितम्बर 1, 1992 से अप्रैल 15, 1993
6.	डा. अमितवा चटोपाध्याय	विपणन	नवम्बर 2, 1992 से नवम्बर 1, 1993
7.	डा. जार्ज वर्गिस	वित्त	मार्च 1993 से मार्च 30, 1995

9.2 सेवानिवृत्ति/ त्यागपत्र

वर्ष के दौरान निम्नलिखित चार संकाय संस्थान ने सेवानिवृत्त हुये/त्यागपत्र दिया।

अधिवार्षिकी

वत्सला नागराजन, प्रोफेसर, वित्त एवं नियत्रण क्षेत्र, संस्थान से 30 सितंबर 1992 को सेवानिवृत्त हुयी। उन्होंने 1 फरवरी 1974 को संस्थान में कार्यग्रहण किया था और वे 18 अप्रैल 1991 से 30 सितंबर 1992 तक डीन रही।

ऐच्छिक सेवानिवृत्ति

1.	डा. ए. वी. षण्मुगम्	स्वास्थ्य क्षेत्र	31 अगस्त 1992
2.	एस. आर. बिजूर एसोसिएट प्रोफेसर	ओ बी. पीएम और आईआर क्षेत्र	19 मार्च 1993

त्यागपत्र

1.	डा. पी. के. सिन्हा अतिथि संकाय	विपणन	20 जनवरी 1993

31 मार्च 1993 को कुल संकाय संख्या 62 थी, जिसमें से कैडर नियुक्तियों की सं. 58 और अतिथि संकायों की संख्या 4 थी, जबकी 31 मार्च 1992 को कुल संकाय संख्या 58, जिसमें से कैडर नियुक्तियां 56 और अतिथि संकाय संख्या 2 थी।

9.3 संकाय विकास

9.3.1 इंडो ईईसी विनिमय कार्यक्रम

निम्नलिखित संकाय यूरोपियन इकानामिक कमीशन-भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ''प्रबंधन विद्यालयों के मध्य सहयोग पर परियोजना'' के अधीन 9 माह का दौरा कार्य करने के बाद लौटे:

1.	पी. एन. तिरुनारायण प्रोफेसर	इएसएसईसी, फ्रांस 2 जुलाई 1992 तक	3 अक्तूबर 1991 से
2.	प्रेम चन्दर सहायक प्रोफेसर	मानचेस्टर, बिजनेस स्कूल, यू. के	3 अक्तूबर 1991 से 2 जुलाई 1992 तक
3.	पी. जी. आप्टे ल्यूवेन, बेल्जियम	कैथोलिक यूनिवर्सिटी 2 जुलाई 1992 तक	3 अक्तूबर, 1991 से

उसी कार्यक्रम के अधीन निम्नलिखित दो संकाय सदस्य 9 माह का फैलोशिप पर अतिथि संकाय के रूप में गये:

1.	आर. के विजयसारथी प्रोफेसर	निजेन्रोड यूनिवर्सिटी नीदरलैण्ड	5 अक्तूबर 1992 से 4 जुलाई 1993 तक
2.	आर. रविकुमार एसोसेएट प्रोफेसर,	ईएसएडीई बार्सिलोना, स्पेन	5 अक्तूबर 1992 से 4 जुलाई 1993 तक

अन्य विदेश-दौरे

1.	रामनाथ नारायणस्वामी सहायक प्रोफेसर	बीक बर्गेन, नीदरलैंड ''इंडिया एंड रीस्ट्रक्चर्ड यूरोप'' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'द बंपी रोड टू द मार्केट इन एशिया एंड ईस्टर्न यूरोप'' विषय पर पेपर प्रस्तुत करने हेतु	7-10 दिसंबर, 1992
2.	वी. रंगनाथन प्रोफेसर	गौबोरोन-बॉट्सवाना ''स्टेट ऑफ द आर्ट इन इलैक्ट्रिसिटी इन द वर्ल्ड'' पर एफरेप्रेन द्वारा आयोजित ऊर्जा कार्यशाला में पेपर प्रस्तुत करने हेतु	11-16 अक्तूबर 1992
3.	रमेश जी तगत	सिंगापुर 1 आरवीबी नीदरलैंड के आमंत्रण पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में, 'विपणन अनुसंधान और सूचना'' पर कुछेक सत्र लेने के लिए	6-12 अक्तूबर 1992

9.4 कार्यशालाएं/ सेमिनार

आईआईएमबी ने कम्युनिस्ट अर्थव्यवस्था अनुसंधान केन्द्र (सीआरसीई) लंदन और आर्थिक परिवर्तन अनुसंधान केन्द्र (आईसीआरईटी), मास्को के सहयोग से सीआईएस तथा पूर्वी यूरोप में आर्थिक परिवर्तन एवं व्यावसायिक अवसरों पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन 23 से 25 नवंबर 1992 तक होटल अशोक, बेंगलूर में आयोजित किया गया। विदेशों से प्रतिनिधियों तथा लगभग 20 भारतीय कंपनियों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया।

डा. प्रसन्न चंद्र ने वित्तीय प्रबंधन राष्ट्रीय संस्थान, वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नयी दिल्ली में 12-13 नवंबर 1992 को "पीएसयू टिसइनवेस्टमेंट" पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का संचालन किया।

यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा तथा नेशनल सेंटर फॉर जियोग्राफिक इन्फरमेशन एंड अनैलोसिस, यूएस ए के सहयोग से संस्थान में 18-20 फरवरी 1993 को "सेवा विकास आयोजना के लिए स्थानिक निर्णय सहायक पद्धति और भौगौलिक सूचना पद्धति" पर एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। आईआईएमबी के प्रोफेसर वी. के. तिवारी इसके आयोजकों में से एक थे।

9.5 विश्राम अवकाश

12 दिसंबर 1991 से 8 दिसंबर 1992 तक विश्राम अवकाश पर रहने के उपरांत प्रोफेसर के. एम. अनंतरामय्या ने 9 दिसंबर 1992 को कार्य के लिए रिपोर्ट किया। वर्ष के दौरान निम्नलिखित 4 संकाय विश्राम अवकाश पर गये:

संकाय	अवधि
डा. ए. के. राव	1 मई 1992 से
प्रोफेसर	30 अप्रैल 1993 तक
डा. टी. पी. गोपालस्वामी	1 जुलाई 1992
प्रोफेसर	से 30 जून 1993 तक
डा. (श्रीमती) कल्याणी गांधी	18 अगस्त 1992 से
एसोसिएट प्रोफेसर	17 अगस्त 1993 तक
डा. रमेश जी तगत	9 जनवरी 1993 से
प्रोफेसर	8 जनवरी 1994 तक

9.6 अतिथि

सिंगापुर टीम

भारतीय संस्थानों में उच्चतर ज्ञानार्जन की संभाव्यताओं का पता लगाने के लिए एक टीम सिंगापुर से 27 अप्रैल 1992 को संस्थान में आयी। इस टीम में श्री लोह श्री लोह शेर जे, सहायक निदेशक, अनुसंधान एवं सूचना, लोक सेवा प्रभाग, वित्त मत्रालय, श्रीमती चारलेंट एन. जी. निदेशक, व्यावसायिक सूचना कार्यक्रम प्रबंधन सेवाएं, श्री एंड्यू गोह, वरिष्ठ अधिकारी अंतरराष्ट्रीय जनबल प्रभाग, आर्थिक विकास मंडल और श्री फूंग तेज फून, निदेशक, उद्योग एवं जनबल प्रभाग, राष्ट्रीय कम्प्यूटर बोर्ड, सिंगापुर शामिल थे। इस टीम ने निदेशक, पीजीपी अध्यक्ष, नियोजन, संयोजक, प्रवेश संयोजक और अन्य स्टाफ सदस्यों से भेंट की और पारस्परिक रुचि के विषयों पर बातचीत की।

नेपाली टीम

नेपाल से तीन शिक्षाशास्त्रियों की टीम संस्थान में 28 सितंबर 1992 को आयी जिसमें श्री सुरेश राज शर्मा, उपकुलपति काठमांडु विश्वद्यालय, श्री एस. आर. अधिकारी, रजिस्ट्रार तथा श्री रमेश धुंगले, आजीवन सदस्य, बोर्ड काठमांडु विश्वविद्यालय शामिल थे और इन्होंने निदेशक एवं डीन से विचार विमर्श किया।

रक्षा प्रबंधन टीम

कालेज आफ डिफेंस मैनेजमेंट, सिकंदराबाद से दस अधिकारियों की टीम ने 5 नवंबर 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने प्रोफेसर वी. बी. कौजलगी और एस. जगदीश से सहयोग की संभावनाओं के बारे में बातचीत की। उनके समक्ष कुछेक सॉफ्टवेअर पैकेज प्रदर्शित किये गये।

पैसिफिक आइलैंड टीम

मध्य अमेरिका के पैसिफिक आइलैंड से 40 प्रतिनिधियों का समूह, जो कि राष्ट्रीय लघु उद्योग विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (एनआईएआईईटी), हैदराबाद में" प्रशिक्षण प्रणाली एवं कौशल" पर 9 सप्ताह के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग ले रहा था, 4 दिसंबर 1992 को संस्थान के दौरे पर आया।

डा. के. आर. एस. मूर्ति, निदेशक, प्रोफेसर एस. जी. लेले डीन, प्रोफेसर आर. वैद्यनाथन, अध्यक्ष, पीजीपी और प्रोफेसर रमेश मेहता, अध्यक्ष ईडीपी ने प्रतिनिधियों को संबोधित किया और उन्हें संस्थान द्वारा चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

संसदीय समिति

संसदीय राजभाषा समिति ने 26 जून 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्हें संस्थान में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दिशा में की जा रही कार्रवाई की जानकारी दी गयी। संस्थान में नीति को अपनाने और लागू करने के लिए एक समिति बनायी गयी।

समिति में निम्नलिखित शामिल हैं।

अध्यक्ष

डा. के आर. एस. मूर्ति, निदेशक

सदस्य

श्री एच. एस. गोपालकृष्णय्या,
एफए और सीएओ
ब्रिगे. बी. रामस्वामी (सेवानिवृत्त), सीएओ
श्री. जी. वाई सुहास, कार्मिक प्रबंधक

उपर्युक्त सदस्यों के अलावा,
श्री. एच. एस. राणा, प्रबंधक (राजभाषा)
नेशनल टेक्सटाइल कार्पोरेशन,
बेंगलूर भी सहयोजित सदस्य थे।

अन्य

डा. प्रेम पी. गांधी, डीन, स्कूल आफ बिजनेस एंड इकॉनॉमिक्स, स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ, प्लेट्सबर्ग, यू. एस. ए ने 16 जुलाई 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने प्लेट्सबर्ग और आईआईएमबी के सहयोग से आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में निदेशक, डीन और संकाय से बातचीत की।

डा. अल्लादी, वैंकटेश, प्रोफेसर विपणन, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, अरवाइन, यूएसए 15 जुलाई 1992 को संस्थान में आये 1 वे विपणन के संकाय सदस्यों से मिले और भारत में शुरू की गयी अपनी परियोजना" भारतीय उपभोक्ता के रोजमर्रा के जीवन में तकनीक" के बारे में विचार विनिमय किया।

उन्होंने तकनीकी परिवर्तन के सामाजिक प्रभाव पर यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में चल रहे अनुसंधान के बारे में संकाय सदस्यों को बतलाया।

डा. दक्षिणामूर्ति हलेमने, इरैस्मस यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड ने 21 जुलाई 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने यूरोप में आटोमोबाईल उद्योग पर विशिष्ट उद्योग के प्रस्तुतीकरण के द्वारा, तकनीकी प्रबंधन के मैक्रो तथा माइको स्तर के माध्यम से अपने विभाग में हो रहे अनुसंधान पर एक सेमिनार दिया। उन्होंने डा. के. आर एस मूर्ति, निदेशक, आईआईएमबी से छात्र विनिमय कार्यक्रम की संभावनाओं के बारे मे बातचीत की।

डा. राम सी. राव, प्रोफेसर विपणन, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस, दल्लास, यूएसए ने 22 जुलाई 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने विपणन क्षेत्र के संकाय सदस्यों से मुलाकात की और नार्थ अमेरिकन सोसाईटी फार मार्केटिंग एजकेशन (एनएएसएमई) तथा आईआईएमबी के मध्य संयुक्त सम्मेलन की संभाव्यताओं पर चर्चा की। जुलाई - सितंबर 1993 के दौरान अतिथि संकाय के रूप में आने पर वे किस प्रकार का कार्यक्रम लेंगे, उसपर भी विचार विमर्श किया।

प्रोफेसर बाला जी. धरन, एसोसिएट प्रोफेसर लेखांकन, जेस्से एच. जोन्स ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, राइस यूनिवर्सिटी, डेक्सस ने 30 जुलाई 1992 को संस्थान का दौरा किया और "फर्म लेखांकन परिवर्तन क्यों करती हैं?" विषय पर संकाय सेमिनार दिया।

डा. शैलैन्द्र व्याकरणम्, संकाय, क्रैनफील्ड स्कूल ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, क्रैनफील्ड यूनिवर्सिटी, यू. के. ने 14 अगस्त 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की और उद्यमी विकास के क्षेत्र में विचारों एवं अनुभवों का आदान प्रदान किया।

सुश्री उरसुला हार्पर, स्वतंत्र परामर्शी, लघु उद्यम विकास में व्याख्याता एवं प्रशिक्षक, यू. के. ने 17 अगस्त 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने डीन और संकाय के साथ महिला उद्यमियों पर मुख्यतया ध्यान केन्द्रित करते हुए लघु उद्यम विकास एवं संबद्ध क्षेत्रों पर बातचीत की।

डा. पंकज चंद्र, सहायक प्रोफेसर परिचालन एवं तकनीक प्रबंधन, मैकगिल यूनिवर्सिटी, कनाडा ने 19 अगस्त 1992 को संस्थान का दौरा किया 1 उन्होंने "सिन्क्रोनाइजेशन इश्यूस इन मैनुफैक्चरिंग" पर सेमिनार दिया।

प्रोफेसर डौग्लास स्टोडार्ट, विपणन संकाय प्रमुख, स्कूल ऑफ अकाउंटिंग बिजनेस स्टडीज एंड इकानामिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ बकिंघम, यू. के. ने 'पूर्वी यूरोप मे वर्तमान विकास" पर 2 सितंबर 1992 को संकायों, शोध फैलो, एफपीएम और पीजीपी छात्रों तथा एमटीपी प्रतिभागियों को भाषण दिया।

डा. आर्शिया सत्तार, कंट्रोलर ऑफ आफरेशन्स, ओडीसी कम्युनकेशन प्राईवेट लिमि. बेंगलूर ने 9 सितंबर 1992 को संकाय, शोध फैलो, एफपीएम और पीजीपी छात्रों तथा एमपीटी प्रतिभागियों को "दशोपनिंग आफ द इंडिया माइंड: इम्पॉर्टस ऑफ कल्चरल स्टडीज इन प्रोफेशनल डिग्री करीकुला" विषय पर भाषण दिया

प्रोफेसर एलेन जैफ्रे लॉकिट, जो कि आईईईई ट्रांसेक्शन्स ऑन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, यूरोपियन जर्नल ऑफ इन्फरमेशन मिस्टम्स एंड द जर्नल आफ इंटरनेशनल सिस्टम्स के संपादक मंडल में हैं, ने 21 सितंबर 1992 को संकाय सदस्यों, शोध फैलो, एफपीएम और पीजीपी छात्रों तथा एमपीटी प्रतिभागियों को ''इंटरआर्गेनाइजेशनल इन्फरमेशन सिस्टम्स - देयर डेव्लपमेंट एंड इम्पेक्ट ऑन सप्लाई चेन मैनेजमेंट'' विषय पर भाषण दिया।

श्री टी. ए. जनोस्का, वाणिज्यक सलाहकार और व्यापार कमीशनर, रिपब्लिक आफ हंगरी ने 28 अक्तूबर 1992 को संस्थान का दौरा किया और निदेशक तथा डीन से मुलाकात की।

डा. हेराल्ड ई. कॉफमैन, भारतीय संचालक, विनरॉक इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एगीकल्चरल डेव्लपमेंट, अरकनसास तथा डा. लरेंस डी स्टिफेल, विजिटिंग फैलो, कॉर्नल यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क, यूएसए ने 21 अक्तूबर 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने निदेशक तथा प्रोफेसर श्यामल रॉय, कार्ड क्षेत्र से ''थ्रस्ट एरिया ऑफ यूसएड इन फील्ड एग्रीकल्चर'' विषय पर बातचीत की।

सुश्री इरी किटीगावा, वाईस कौंसल, जापानी कौंसुलेट, मद्रास, ने 3 नवंबर, 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने प्रोफेसर रामनाथ नारायणस्वामी, प्रोफसर एस. रघुनाथ और प्रोफेसर जे रामचंद्रन से भारत में जापानी उद्यम संबंधी अनुसंधान पर चर्चा की।

श्री बी. एस. भटनागर, प्रबंधन परामर्शदाता, विदेशी व्यापार तथा भूतपूर्व प्रमोटर प्रबंधक तथा निदेशक ट्रेडिंग, टाटा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड ने 16 नवंबर 1992 को संस्थान का दौरा किया और 'निर्यात गृहों में व्यापारिक लेनदेन का निष्पादन'' पर भाषण दिया।

प्रोफेसर फिलिय हेंसन, यू. के. प्रोफेसर लेजलोसाबा, हंगरी, श्री येवगनी कुजनेत्सोव तथा श्री आंद्रेजेज ब्राजेस्की, युएसए, सिल्वाना माले, इटली और श्री हेंस आगे, डेनमार्क ने 27 नवंबर 1992 को संस्थान का दौरा किया और आईएस अधिकारियों (ओबीपी प्रतिभागियों) तथा संस्थान के संकाय सदस्यों के साथ सामूहिक चर्चा की।

श्री एस. अंनतनारायणन ने 9 दिसंबर 1992 को संस्थान का दौरा किया और संकाय, शोध फैलो, एफपीएम और पीजीपी छात्रों तथस एमपीटी प्रतिभागियों से संस्थान में ही ''मुख्य कार्यपालक की दृष्टी से उत्पादन का समन्वित अवलोकन'' विषय पर बाचचीत की।

डा. एफ. जानस्जेन, रॉटरडैम स्कूल आफ मैनजमेंट, इरैस्मस यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड सदस्यों तथा शोध फैलो से 'इरैस्मत विश्वविद्यालय में तकनीक के प्रबंधन पर शोध कार्यक्रम पर चर्च की, जिसमें इरैस्मस यूनिवर्सिटी के डा दक्षिणामूर्ति हलेमने ने भी भाग लिया।

श्री डॉन ली गेवरट्ज, कैलिफोर्निया, मंडल अध्यक्ष तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी फुटहिल ग्रुप इंक, यूएसए ने 13 जनवरी 1993 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने ''उद्यमी का जीवन - यूएसए में चुनावोत्तर व्यावसायिक दृश्य'' पर बातचीत की।

डा. हैन्स डियेह्ल, संस्थापक निदेशक, लाईफस्टाइल मेडिसिन इंस्टीट्यूट, लोमा लिंडा, लॉस एंजिलेस, यूएसए ने 28 जनवरी 1993 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने संस्थान के संकाय तथा अधिकारियो से ''हृदय, स्वास्थ्य तथा संभाल'' पर चर्चा की।

निम्नलिखित संस्थानों के पुस्तकालय विज्ञान छात्रों ने संस्थान का दौरा किया:

1. वी. वी. पुरम कॉलेज ऑफ आर्टस, साइंस एंड कामर्स, बेंगलूर
   8 जनवरी, 1993 को।
2. अमरावती यूनिवर्सिटी, नागपुर
   22 जनवरी 1993 को 1 और
3. पॉलिटेकनिक फॉर वीमेन, बेंगलूर
   29 जनवरी 1993 को

श्री ई. टी. मोहम्मद बशीर, शिक्षा मंत्री, केरल सरकार ने 18 जनवरी 1993 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने केरल में भारतीय प्रबंध संस्थान की स्थापना संबंधी मामले पर अध्यक्ष एवं निदेशक से चर्चा किया।

डा. जॉन सी. केरन्स, कसलटेंसी सर्विसिज, मानव संसाधन विकास, ओन्टारियो 21 और 25 फरवरी 1993 के दौरान अपनी पत्नी के साथ संस्थान के दौरे पर आये।

श्री मनुभाई शाह, उपभोक्ता शिक्षा तथा शोध केन्द्र, अहमदाबाद ने 25 जनवरी 1993 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने उपभोक्ता आंदोलन की प्रवृत्तियां और भविष्य की संभावनाएं'' विषय पर संकाय, शोध, पीजीपी तथा एफपीएम छात्रों से बातचीत की।

सहायक प्रोफेसर के चंद्रशेखर तथा श्री जयराम के. शंकरन, भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलूर ने 27 जनवरी 1993 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने ''मार्केट ट्रेकिंग पोर्ट फोलियोज इम्पीरिकल एविड्रेंस फ्राम द कोरियन स्टॉक एक्सचेंज'' पर संकाय, पीजीपी और एफपीएम छात्रों से बातचीत की।

मेजर जनरल आर. सी. सूरी, नदेशक, जनबल विकास निदेशालय, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) नयी दिल्ली ने 4 फरवरी 1993 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने डा. के. आर. एस. मूर्ति, निदेशक तथा प्रोफेसर रमेश मेहता, अध्यक्ष (ईडीपी) से डीआरडीओ के लिए ''तकनीकी प्रबंधन'' (एमओटी) पर समन्वित पाठ्यक्रम की विषयबस्त की योजना बनाने में संस्थान द्वारा सहयोग दिये जाने के बारे में बातचीत की।

डा. के. सी. जॉन, कार्यक्रम परामर्शदाता, द फोर्ड फाउंडेशन, ने सोमवार 8 फरवरी 1993 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने ''सीक्वेंसिंग ऑफ इंडियन स्ट्रक्चरल एडजस्टमेंट प्रोग्रामः इम्पैरेटिव फार पब्लिक सिस्टम्स'' पर व्याख्यान दिया।

डा. मिथिलेश्वर झा, एसोसिएट प्रोफेसर, भारतीय प्रबंध संस्थान, लखनऊ ने 8 फरवरी 1993 को संस्थान का दौरा किया और 'विपणन संकल्पनाओं का गलत अर्थ लगाना-विपणन का दुखांत'' पर सेमिनार दिया।

श्री निशिकांत मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक, डब्ल्यू एमएमसी, फिलिपाइन्स ने 8 फरवरी 1993 को संस्थान का दौरा किया और ''आईटीसी में नैगम नीति'' पर व्याख्यान दिया।

श्री ए. पुरुषोत्तम नाइक, महाप्रबंधक विपणन एचएमटी (घड़ियां) ने 8 फरवरी 1993 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने ''मार्केटिंग ऐज टेक्नॉलॉजी चैंपियन एंड इन्टेगरेटर'' पर सेमिनार दिया।

प्रोफेसर डेरेक एट्किन्स, अध्यक्ष प्रबंधन विज्ञान प्रभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलम्बिया, वैनकाउवर, कनाडा ने संस्थान का दौरा 19 फरवरी 1993 को किया।

वे क्यूएमआईएस क्षेत्र के संकाय सदस्यों से मिले और उनसे परिमाणात्मक प्रणालियां तथा प्रबंधन शिक्षा में उनकी भूमिका पर विचार विमर्श किया।

9.7 संकाय बैठकें

संकाय बैठकें निम्नानुसार आयोजित की गयी:

सं 159 – 31 मार्च 1992
सं. 160 – 10 अप्रैल 1992
सं. 161 – 19 जून, 1992
सं. 162 – 21 अक्तूबर 1992
सं. 163 – 22 दिसंबर 1992
सं. 164 – 12 मार्च 1993

10. पुस्तकालय

10.1 बढ़ोत्तरी

31 मार्च 1993 को पुस्तकालय में कुल 89, 295 पुस्तकें, 10,980 माइक्रोफिशेस और 1250 जर्नल थे 1 इनके ब्यौरे नीचे दिये गये हैं:

	आगमन 1992-93	31 मार्च 1993 को
पुस्तकें	4264	89,295
माइक्रोफिशेस, माइक्रोफिल्में चार्ट आदि	30	10,980
जिल्दबंद वाल्यूम	544	13,628
पुनः मुद्रण	1139	3,365
जर्नल	29	1,250
कंपनी वार्षिक प्रतिवेदन	800	900

10.2 परिचालन

पुस्तकालय द्वारा इस अवधि के दौरान छात्रों, संकाय और अन्य आगंतुकों में लगभग 48,000 पुस्तकों, जर्नलों सहित परिचालित की गयीं। इस वर्ष में लगभग 35,000 आगंतुक थे। विवरण निम्नानुसार है:

जारी की गयी पुस्तकें (जर्नलों तथा पुराने वाल्यूमों सहित)	47,830
अन्तर-पुस्तकालय ऋण पर प्राप्त पुस्तकें	40
अन्तर-पुस्तकालय ऋण पर दी गयी पुस्तकें	403
उपयोगित पुस्तकें (जर्नलों तथा जिल्दबंद वाल्यूमों सहित)	1,64,699
आगंतुकों की संख्या	34,303
बाहरी उपयोग कर्ता (डिपाजिट उधार कर्ताओं को छोड़कर)	200

10.3 उपयोगकर्ताओं के प्रकार

पुस्तकालय द्वारा वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रकार के उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताएं पूरी की गयीं:

संकाय और अनुसंधान कर्मचारी	73
छात्र	357
प्रशासनिक कर्मचारी	413
डिपाजिट उधार कर्ता	42
अंतर-पुस्तकालय ऋण सदस्य	20

10.4 सुविधाएं

माइक्रो दस्तावेज ऋण सुविधा: पांच माइक्रो फिल्म फिशरीडर्स और एक कैनन रीडर प्रिंटर, गैर पुस्तक रूप में सामग्री (माइक्रोफिल्म/फिश) उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराये गये।

अंतर-पुस्तकालय ऋण सुविधा/संसाधन बांटना: पुस्तकालय सुचनाओं के आपसी आदान-प्रदान के लिए, भारत के अधिकतर सूचना केन्द्रों तथा पुस्तकालयों के नेटवर्क में बना रहा।

पुनः मुद्रण सेवाएं: इन्सडॉक, ब्रिटिश काउंसिल तथा विदेशी स्थित सूचना केन्द्रों के साथ सीधे संपर्क के कारण, पुस्तकालय कम नोटिस पर भी लेखों का पुनः मुद्रण करता रह सका।

रीप्रोग्राफिक सेवाएं: उपयोगकर्ताओं को जेरॉक्स सुविधाएं उपलब्ध करायी गयीं।

10.5 प्रकाशन

पुस्तकालय ने निम्नलिखित प्रकाशन निकालना जारी रखा:

1. रीसेंट एडीशन्स (मासिक)
2. करेंट प्रेस क्लिपिंग्स (मासिक)
3. करेंट कंटेंट्स ऑफ आईआईएमबी जर्नल (मासिक)
4. मांग पर या उसके पूर्वानुमान पर ग्रंथ-सूचियां निकाली जाती हैं।

10.6 समय

जुलाई 1992 से 18 घंटे प्रति सप्ताह जोड़कर पुस्तकालय समय को बदल दिया गया:

	पिछला कार्य समय	परिवर्तित कार्य समय
सप्ताह के दौरान	प्रातः 10.30 बजे से रात 10.30 बजे तक	प्रातः 8.30 बजे से रात 10.30 बजे तक
शनिवार	प्रातः 9.30 बजे से रात 8.00 बजे तक	प्रातः 8.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक
रविवार	बंद	प्रातः 8.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक

तीन राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर पुस्तकालय शेष सभी दिन उपरोल्लिखित अनुसूची के अनुसार कार्य करता रहा।

11. संगणक (कम्प्यूटर) केन्द्र

चालू वर्ष में लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) जिसमें सर्वर के रूप में वीएएस सिस्टम और 40 नोड्स हैं, लगाया गया। एक सुपर मिनी कम्प्यूटर सिस्टम (ओ आर जी सुपरमेक्स), मल्टी यूजर यूनिक्स सिस्टम विद 16 टर्मिनल, वर्ष के दौरान प्रयोग में आ रहे थे। वर्ष 1992-93 के अंत तक संस्थान के विभिन्न स्थानों पर 105 पर्सनल कम्प्यूटर लगाये गए। 40 संकाय सदस्यों के कार्यालयों में उनके अध्ययन व शोध कार्यो के लिए पर्सनल कम्प्यूटर लगाए गए। 8 पीसी/ एक्सटी चार प्रिंटर के साथ छात्रावास में लगाए गए जो कि छात्रों को चौबीसों घंटे उपलब्ध रहते हैं।

डीईआईएल वी ए एक्स 3300 सिस्टम विद् 40 चालू वर्ष के दौरान लगाय गया वी ए एक्स 3300 सिस्टम डीईसी - नेट एनवायरमेंट के तहत चालू हैं।

संगणक केन्द्र के सिस्टम प्रोग्रामर डीईआईएल, बेंगलूर द्वारा आयोजित ''सिस्टम मेनेजमेंट आफ विएमएस'' और ''बेसिक कंसेप्टस एण्ड प्रिंसिपल आफ नेट वर्क्स'' प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।

इलेक्ट्रानिक विभाग और राष्ट्रीय सूचना केन्द्र योजना आयोग द्वारा नियंत्रित ईआर-नेट और एनआईसी-नेट सुविधाएं संगणक केन्द्र को उपलब्ध कराई गई, जिससे भारत और विदेशी शैक्षणिक व अनुसंधान संस्थानों से स्म्पर्क स्थापित किया जा सके।

पर्सल कम्प्यूटरों तथा सुपरमेक्स यूनिक्स सिस्टम के आधार पर बहुत सी प्रशासनिक सूचनाओं तथा पुस्तकालय सुविधाओं का कम्प्यूटरीकरण किया गया।

इस वर्ष के अंत तक संस्थान में प्रयोग हो रहे विधक साफ्टवेयरों की संख्या 50 से ऊपर थी, जिसकी लागत 10 लाख से ज्यादा हैं। परिष्कृत और शक्तिशाली कम्प्यूटर सिस्टम और परियोजना प्रबंध, साफ्टवेयर पैकेजेस स्थापित किए गए।

12 और **पीसी/एटी** प्राप्त करने की प्रारम्भिक कार्यवाही शुरू की गई।

12. छात्रावास

12.1 सुविधाएं

वर्ष 1992-93 के दौरान छात्रावास में बड़े आकार का मनोरंजन कक्ष बनाया गया, जहाँ छात्रों को समाचार पत्र, पत्रिकाएं पढ़ने व टी वी देखने की सुविधाएं हैं। छात्रावास में हमारे पास दो स्टार टीवी कनेक्शन हैं। डी ओ एच ब्लाक जोड़ने वाले क्षेत्र को दो हिस्सों-एक को व्यायामशाला जिसमें बुनियादी सामान जैसे बेंच प्रेस, भारोत्तोलन, डम्बल्स हैं और दूसरे के संगीत व विडियो कक्ष जिसमें विडियो केसेट प्लेयर, टीवी और सुविधाजनक बैठने की व्यवस्था हैं, में परिवर्तित किया गया है।

मनोरंजन कक्ष का उपयोग स्पिक-मैक के तहत प्रसिद्ध कलाकारों के संगीत कार्यक्रमों के आयोजन के लिए किया गया।

12.2 सांस्कृतिक कार्यक्रम

छात्रों ने वूडी ऐलेन द्वारा लिखित अंग्रेजी नाटक ''गॉड'' का 5 नवम्बर 1992 को मंचन किया गया।

संस्थान की सांस्कृतिक टीम (लगभग 20 छात्रों की) ने सेंट जोसेफ कालेज द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक महोत्सव विसेजिज-93 में ओवर आल चेम्पियनशिप तथा आईआईएमबी के लिए शीबा ट्राफी जीती।

12.3 खेल

छात्रों ने प्रकाश रोडलाइंस हाकी टूर्नामेंट में भाग लिया और फेयर प्ले की ट्राफी जीती। क्रिकेट में एचएमटी की टीम को हराया।

12.4 प्रतियोगिता

एक अंताक्षरी कार्यक्रम का आयोजन 14 नवम्बर 1992 को किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

12. 5 प्रश्नोत्तरी

पीजीपी-1 के छात्रों द्वारा छात्रावास में 10 जनवरी 1993 को खुली प्रश्नोत्तरी आयोजित की गयी। सारे बेंगलूर से 25 टीमों और आईआईएमबी से 10 टीमों ने प्रश्नोत्तरी में हिस्सा लिया। अंतिम दौर में कड़ा मुकाला रहा और क्विज मास्टर्स ने इसे काफी मनोरंजक बनाये रखा।

12.6 मैस

मैस के स्तर में काफी सुधार दिखायी दिया। विद्यार्थी मिश्रित मैस से काफी खुश थे, जिसमें नाश्ते, दोपहर और रात के भोजन के लिए दक्षिण भारतीय, उत्तर भारतीय, चाईनीस और कांटीनेंटल प्रकार के पकवान शामिल थे।

मैस लेखों के लिए कई कालमों वाली नकदी बही बनायी गयी ताकि किसी भी समय अपेक्षित जानकारी मिल सके।

13.1 पूरे किए गए कार्य

13.4 लाख की लागत के कामन हाल का निर्माण कार्य पूरा हो गया। इस वर्ष से छात्रों ने इसे मनोरंजन कक्ष के रूप में प्रयोग करना प्रारम्भ कर दिया इस में समाचार पत्र, पत्रिकाएं और टीवी रखा गया है।

शयनशाला 4 और 8 में अतिरिक्त स्थल का निर्माण कार्य 3.7 लाख की लागत से पूरा किया गया। ये स्थान छात्रों द्वारा व्यायामशाला व संगीत कक्ष के रूप में प्रयोग में लाए जा रहे हैं।

13.2 कार्य प्रगति पर

वर्ष 1992-93 के दौरान निम्नलिखत प्रमुख निर्माण परियोजनाओं के कार्यों में प्रगति हुई:

1. पुस्तकालय/कम्प्यूटर/कैन्टीन ब्लाक
2. 220 कक्षाएं
3. शयनशाला 9 और 10 रसोई कक्ष तथा भोजनालय सहित
4. एग्जीक्यूटिव ब्लाक के लिए सड़क

13.2.1 पुस्तकालय/कम्प्यूटर/कैन्टीन ब्लाक

वर्ष 1992-93 के दौरान पुस्तकालय नए भवन के तहखाने और भूमितल पर स्थानांतरित किया गया। प्रथम और द्वितीय तल के शेष कार्य में प्रगति हुई।

13.2.2 220 कक्षाएं

कार्य के अनुमानित लागत 70 लाख रूपए है। कार्य में संतोषजनक प्रगति हो रही है और कार्य के जुलाई 1993 तक पूरा हो जाने की सम्भावना हैं।

13.2.3 रसोईघर व भोजनालय सहित शयनशाला 9 और 10

कार्य की निवेदित लागत 148 लाख रुपए है। कार्य में निर्धारित गति से प्रगति हो रही है और इसके अप्रैल 1994 तक पूरा हो जाने की स्मभावना है।

13.2. 4 एग्जीक्यूटिव ब्लाक के लिए सड़क

अनुमानित लागत 9.2 लाख रुपए के सड़क निर्माण कार्य के 1992-93 में पूरा होने की सम्भावना है।

13.3 नए कार्य

वर्ष 1992-93 के दौरान निम्नलिखित नए निर्माण कार्य प्रारम्भ किए गए

निदेशक आवास: 17.5 लाख रुपए की निवेदित लागत के कार्य को एस बी कंसट्रक्शन्स को सौंपा गया।

फुटकर कार्य: (1) कैन्टीन में शौचालय व आराम कक्ष की व्यवस्था (2) एग्जीक्यूटिव ब्लाक के लिए स्टोर रूम कार्य की अनुमानित लागत 10 लाख रुपए हैं। निवदिताओं की संवीक्षा की जा रही है।

31.3.1993 तक अधिकारी और अनुसंधान अधिकारी

निदेशकः डा. के. आर. एस. मूर्ति — डीनः प्रो एस. जी लेले

1.	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	- बिग्रे. बी रामस्वामी
2.	आधीक्षक अभियंता	- श्री बी एस गोपालन
3.	कार्मिक प्रबंधक	- श्री जी वाई सुहास
4.	प्रबंधक, कम्प्यूटर केन्द्र	- श्री एस आई फजलुद्दीन
5.	पुस्ताकलयाध्यक्ष	- श्री चिकमलय्या
6.	प्रशासनिक अधिकारी (एम)	- श्री एच वी हिरण्णय्या
7.	प्रशासनिक अधिकारी (पी)	- श्री वी एस गोपीनाथ राव
8.	प्रशासनिक अधिकारी (एस)	- श्री एस श्रीकांत
9.	प्रशासनिक अधिकारी (जीए एवं एसडब्ल्यू)	- श्री डी आर रामदेशय्या
10.	वित्त एवं लेखा अधिकारी	- श्री आर चन्द्रशेखर राव
11.	सुरक्षा एव परिवहन अधिकारी	- ले. कर्नल. ए. एन. कामत
12.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-1	- श्रीमती एन अनुराधा
13.	वही	- श्रीमती टेरेसा विलियम्स
14.	उद्यान अधिकारी	- श्री के महालिंगम
15.	आवासी डाक्टर	- डा. आर एस भगवान
16.	अगिजीक्यूटिव ब्लाक प्रभारी	- ले. कर्नल जी लक्ष्मण सिंह
17.	सहायक अभियंता (सिविल)	- श्री वी पद्मनाभन
18.	सहायक अभियंता (सिविल)	- श्री एस वी कृष्णे गौड़ा

वाणिज्य लेखा प्रधान निदेशक तथा लेखा परीक्षा बोर्ड के पदेन सदस्य के कार्यालय बेंगलूर (सीएण्डएजी, जीओआई) से प्रतिनियुक्ति पर

19.	वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी	- श्री एच एस गोपालकृष्णय्या

कर्नाटक सरकार के लोक निर्माण विभाग से प्रतिनियुक्ति पर

20.	सहायक अधिशासी अभियंता (सिविल)	- श्री बी जी श्रीनिवासमूर्ति

केईबी से प्रतिनियुक्ति पर

21.	सहायक अधिशासी अभियंता (विद्युत)	- श्री यू एच सुब्रम्हणया
22.	सहायक अभियंता (विद्युत)	- श्री आर एन चन्द्रशेखर

अनुसंधान फैलो

23. श्री वाई काशी विश्वनाथ
24. श्रीमती मालती वेणुगोपाल
25. श्री एस टी शोमशेखर रेड्डी

14.1 संस्थान के लोगो में परिवर्तन

संस्कृत के आदर्श वाक्य को सम्मिलित करने के उद्धेश्य से नेशनल इंस्टीच्यूट आफ डिजाइन, अहमदाबाद द्वारा तैयार डिजाइन के आधार पर संस्थान के लोगो में परिवर्तन किया गया। नया लोगो नीचे दिया गया है।

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

14.2 स्टाफ संख्या

31 मार्च 1993 को संकाय की संख्या 62 थी इसमें 57 केडर नियुक्तियाँ और 5 अतिथि रूप में थे एक कि पिछले वर्ष 31 मार्च 1992 को कुल संख्या 58 थी जिममें से 56 केडर नियुक्तियाँ तथा 2 अतिथि संकाय थे।

संकाय संख्या	केडर	अतिथि	कुल
31 मार्च 1992	56	2	58
वृद्धि 1992-93	+ 4	+7	+1 1
कमी 1992-93	–3	-4	–7
31 मार्च 1993 तक	57	5	62

31 मार्च 1993 तक 18 अधिकारी थे, जनमें 4 प्रतिनियुक्त पर और 3 अनुसंधान फैलो थे।

अधिकारी व अनुसंधान फैलो	अधिकारी	प्रतिनियुक्ति पर	अनुसंधान फैलो	कुल
31 मार्च 1992 तक	21	5	4	30
वृद्धि 1992-93	–	–	–	–
कमी 1992-93	-3	-1	-1	-5
31 मार्च 1993	18	4	3	25

वर्ष 1992-93 के दौरान प्रशासनिक कर्मचारियों की संख्या निम्न प्रकार थी:

स्टाफ संख्या	ग्रुप बी	ग्रुप सी	ग्रुप डी	कुल
31 मार्च 1992 तक	24	230	97	351
वृद्धि 1992 तक	+1	–	–	1
कमी	-2	-10	–	-12
31 मार्च 1993 तक	23	220	97	340

ग्रुप बी पर्यवक्षक कर्मचारी, **ग्रुप सी** लिपिक व ड्राइवर्स
ग्रुप डी, चपरासी, माली और जमादार

31 मार्च 1993 को कर्मचारियों की कुल संख्या 427 थी जबकी पिछले वर्ष 31 मार्च 1992 को यह संख्या 439 थी।

14.3 विधि विषयक मामले

रू. 1,50,000 की कुल रकम में से, संस्थान न्यायालयिक कर्रवाई के माध्यम से श्री एस. एस. हरीश, मेडीसाइंटिक से अब तक रू. 80,000 वसूल कर पाया है। यह राशी श्री हरीश से संस्थान पुस्तकालय को जर्नलों की आपूर्ति न कर पाने के कारण प्राप्य है। शेष रकम की वसूली के लिए कार्रवाई की जा रही है।

14.4 अनुशासन और स्टाफ कल्याण

सामान्यतः अनुशासन में सुधार हुआ है। कर्मचारी समय पर आते हैं और कार्यालय समय के दौरान कार्यालय से नहीं जाते। बिना आज्ञा अनुपस्थित नही होते। वर्ष 1992-93 के दौरान 16 जांच-पड़ताल पूरी की गई हैं 5 कर्मचारियों के विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही की गई जिसके फलस्वरूप 2 को बड़ी और 3 को छोटी सजा दी गई।

व्यक्तिगत शिकायतों के निपटान की कार्रवाई जारी रही और कुल प्राप्त 22 शिकायतों में से 14 का निपटान किया गया।

काफी लम्बे समय के बाद इस बार कर्मचारियों के लिए खेल व मनोरंजन कार्यक्रमो का आयोजन स्थापना दिवस, अक्तूबर 28, 1992 को किया गया।

14 फरवरी को स्टाफ तथा उनके परिवारों के लिए श्रीरंगापटनम और बेलभूरी फाल्स में पिकनिक का आयोजन किया गया।

14.5 हिन्दी सप्ताह/ हिन्दी प्रशिक्षण

सितंबर, 14 से सितंबर 18 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर वर्ग ख और ''ग'' के कर्मचारियों के लिए भारत सरकार की राजभाषा नीति पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

हिन्दी अनुवाद पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 से 25 फरवरी 1993 तक केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा संस्थान में चलाया गया। इसमें 20 सदस्यों ने भाग लिया।

14.6 अनुसूचित जाती/ जनजाति कर्मचारियो के लिए प्रशिक्षण

अनुसूचित जाति/ जनजाति कर्मचारियों के लिए ''कार्यक्षमता तथा सम्प्रेण निपुणता में सुधार'' विषय पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय प्रशासनिक परिषद् से श्री के एस मालिगी और बालाजी सिंह ने कार्यक्रम का आयोजन किया। 35 अनुसूचित जाति/ जनजाति के कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया।

14.7 स्वेच्छिक सेवा निवृत्ति योजना

55 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों के लिए एक स्वेच्छिक सेवा निवृत्ति योजना प्रारम्भ की गई। इस योजना के अंतर्गत एक संकाय, एक अधिकारी, एक अनुसंधान स्टाफ और 4 स्टाफ सदस्यों सहित कुल 7 कर्मचारियों ने अवकाश प्राप्त किया।

14.8 दक्षता पुरस्कार

दो संकाय सदस्यों और एक मुख्य प्रशासनिक अधिकारी की समिति ने सभी अनुभागों/ विभागों की दक्षता का मूल्यांकन किया। निम्नलिखित 3 अनुभागों को संस्थान के 3 सर्वश्रेष्ठ अनुभाग घोषित किया गया और 26 जनवरी 1993 को दक्षता पुरस्कार दिया गया।

विभाग	स्थान
उद्यान विभाग	1
सुरक्षा व परिवहन विभाग	2
इंजीनियरिंग विभाग	3

14.9 वार्षिक निरीक्षण

मुख्य प्राशासनिक अधिकारी द्वारा प्रशासनिक कार्यालयो/अनुभागो का वार्षिक निरीक्षण किया गया और कार्यालय पद्धतियों, फाइल व रिकार्ड अनुरक्षण, स्टोर व उपकरणों के लेखों की कमियों को दूर करने के उपाय किए गए।

14.10 कैंटीन

पिछले 2 वर्ष से घाटे में चल रहीं विभागीय कैंटीन ने इस वर्ष 50,000 रू का लाभ दिखाया। संस्थान की ओर से कैंटीन को कोई आर्थिक सहायता नही दी जा रही है। कैंटीन के लेखों को सही किया गया और आंतरिक लेखा परीक्षको द्वारा इसकी नियमित जांच की जाती है।

14.11 जल प्रभार

परिसर में रहनेवालों से जलप्रभार नहीं लिया जाता था। बजट पर अंकुश की दृष्टि से पानी पम्प करने पर हुए विद्युत खर्च को निम्नलिखित दर से केम्पस में रहने वालों से वसूला जाता है।

क) डी. ई और ई-1 टाइप के घर -
25 रू प्रतिमाह

ख) क, ख और ग टाइप के घर -
15 रू. प्रतिमाह

14.12 सब्जी की दुकान व प्रोविजन स्टोर

परिसर निवासियों के लिए 2 बहुत आवश्यक सुविधाएं वर्ष 1992-93 में शुरू की गई

i) लाल बाग हार्तिकल्चरल प्रोड्यूसर्स को-ओपरेटिव मार्केटिंग
सोसायटी की फल व सब्जी की दुकान

ii) उपभोक्ता वस्तुओं का एक प्रोविजन स्टोर

14.13 एसटीडी/आईएसडी बूथ

छात्रों तथा कार्यक्रम प्रतिभागियों की सुविधा के लिए एग्जीक्यूटिव ब्लाक के निकट एक एसटीडी/आईएसडी बूथ खोला गया।

14.14 वागवानी गतिविधियां

उद्यान और फूलों से एक रंगभूमि (थिएटर) तैयार किया गया है जो दीक्षांत समारोह जैसे कड़े कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बहुत ही उपयुक्त है। संस्थान का आठवां दीक्षांत समारोह इसी स्थल पर आयोजित किया गया था। मुख्य द्वार के सामने एक शैलोद्यान विकसित किया गया है। वर्ष 1992-93 में लगभग 18,000 वृक्ष लगाए गए।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मैसूर हार्टिकल्चरल सोसायटी, बेंगलूर द्वारा आयोजित पुष्प प्रदर्शन में संस्थान ने भाग लिया। तीन विभिन्न वर्गो में इस उत्कृष्ट, प्रथम और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुए।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर बेंगलूर अर्बन आर्टस कमीशन द्वारा वर्ष 1993 में आयोजित नगर के शिक्षण संस्थानों में सर्वश्रेष्ठ उद्यान व भवन प्रतियोगिता का पुरस्कार लगातार तीसरी बार भी संस्थान को मिला।

14.15 एग्जीक्यूटिव ब्लाक

एग्जिक्यूटिव ब्लाक के खान पान व अनुरक्षण का प्रबंध अब तक संस्थान द्वारा किया जाता था। इसका संचालन अब ठेकेदार द्वारा किया जाता है।

14.16 बेडमिंटन का नया कोर्ट

परिसर में एक नए इनडोर बेडमंटन का उद्घाटन अगस्त 1992 में किया गया। इसका छात्रों व अन्य निवासियों द्वारा पूरा प्रयोग किया जा रहा है।

14.17 पुस्तकालय का स्थानांतरण

अस्थाई रूप में प्रशासनिक ब्लाक में स्थित पुस्तकालय को इसके स्थायी भवन में स्थानांतरित कर दिया गया। इसके फलस्वरूप प्रशासन, लेखा और इंजीनियरिंग विभागों को इनके अस्थायी स्थानों से हटाकर प्रशासनिक ब्लाक में स्थानांतरित कर दिया गया।

14.18 संसदीय समितियों का दौरा

राज्य सभा में प्रस्तुत मामलों की एक संसदीय समिति ने श्री सुकुमोल सेन की अध्यक्षता में बेंगलूर की दौरा किया। केन्द्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान के सभाकक्ष में एक बैठक का आयोजन किया गया और संस्थान के निदेशक डा. के आर एस मूर्ति ने आईआईएमबी की वर्ष 190-91 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। संस्थान के प्रयासों की प्रतिनिधि मण्डल ने सराहना की।

14.19 विवेकानन्द भारतपरिक्रमा ग्रुपका दौरा

विवेकानन्द की दिसम्बर 1892 में कलकत्ता से कन्याकुमारी की ऐतिहासिक पद-यात्रा की शताब्दी के उपलक्ष्य में विवेकानंद केन्द्र ने 'विवेकानंद भारत परिक्रमा'' नाम से अखिल भारतीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कन्याकुमारी जाते हुए ग्रुप ने 16 नवंबर 1992 को संस्थान का दौरा किया। आईआईएमबी छात्र संघ के अध्यक्ष ने विवेकानंद की मूर्ति को माल्यार्पण किया ग्रुप के सदस्यों ने आज के संदर्भ में स्वामी विवेकानंद के संदेश की प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिए।

14.20 राष्ट्रीय एकता दिवस

19 नवम्बर 1992 को संस्थान में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया ।

14.21 स्पिक-मेके कार्यक्रम

स्पिक मेके द्वारा जून 8 से 12, 1992 में आयोजित राष्ट्रीय समारोह को संस्थान द्वारा सुविधाएं और प्रशासनिक मदद दी गई। समारोह का उद्घाटन अध्यक्ष डा. जी. वी. के राव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चर्चा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्मलित थे।

14.22 रक्त दान शिविर

संस्थान के स्वास्थ्य केन्द्र के साथ मिलकर बेंगलूर के इनर व्हील क्लब ने 30 अक्तूबर 1992 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया 1 34 कर्मचारियों और छात्रों ने रक्त दान किया।

15. भूतपूर्व छात्र संघ (अलुम्नी)

अलुम्नी की वार्षिक सामान्य बैठक 16 1992 को होटल ताज रेजीडेंसी, बेंगलूर में आयोजित की गयी। डा. के आर. एस. मूर्ति, निदेशक, आईआईएमबी तथा संगठन के अध्यक्ष ने अध्यक्षता की। सभापति श्री अब्राहम कुरुविला ने अलूम्नी का स्वागत किया, वर्ष 1991-92 की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की और कोषाध्यक्ष की ओर से वार्षिक लेखे प्रस्तुत किये।

इसके बाद हुए चुनाव में, कम्युनिकेशन्स के श्री आर. श्रीधर को श्री अब्राहम कुरुविला के स्थान पर सभापति चुना गया। श्री के. नंदकुमार को पुनः सचिव नामित किया गया। श्री रमेश वैंकटेश्वरन और श्री एस. एन. सुब्रमण्य को 1992-94 के लिए समिति-सदस्य चुना गया।

आईआईएमबी अलुम्नी संगठन की नवनिर्वाचित कार्यकारी समिति की बैठक 22 मई 1992 को गेटवे होटल, बेंगलूर में हुयी। इसने सदस्यों के सम्मुख एक योजना प्रस्तुत की, जिसमें अलुम्नी सदस्यों पर आधारित आंकडों का अद्यतनीकरण, डायरेक्टरी का प्रकाशन, सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन, व्यावसायिक व्याख्यानों की व्यवस्था, स्नेह मिलन, पुनर्मिलन, व्यापार मेले, आईआईएम की अन्य सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर खेल कूद आयोजन, बुलेटिन का प्रकाशन और वाणिज्यिक गतिविधियों को तेज करना शामिल था।

डा. के. आर. एस. मूर्ति, अध्यक्ष आईआईएमबी अलुम्नी संगठन ने श्री वी. एस. गोपीनाथ राव, संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी (पी) को श्री टी. एस. नटराजन, भूतपूर्व वरिष्ठ वित्त अधिकारी के स्थान पर अलुम्नी संगठन का नया कोषाध्यक्ष नामित किया। वर्ष के दौरान गंभीर प्रयास किए गए कि संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों में अलुम्नी को ज्यादा से ज्यादा शामिल किया जा सके। उनमें से कुछेक ने पीजीपी, एमपीटी और एमडीपी में अतिथि संकाय के तौर पर सत्र लिये। उन्होंने एमडीपी को और आकर्षक बनाने के लिए अधिक इन्पुट दिया। नियोजन गतिविधियों में उनकी सहायता प्राप्त हुई।

कुल मिला कर वर्ष के दौरान बैंगलूर में 5 स्नेह मिलन, अंतरगत-समूह संबंधों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, आयोजित किये गये। दिल्ली और बंबई चैप्टर आईआईएमबी अलुम्नी के, उनके संबंधित शहरों में, अद्यतन संपर्क पते इकट्ठा करने के प्रयास कर रहे हैं, जबकि पुणे, मद्रास, हैदराबाद और कलकत्ता में भी चैप्टरों को शुरू करने या पुनर्जीवित करने के प्रयास जारी हैं।

16. वित्तीय स्थिति: 1992-93

मंडल ने 1992-93 के लिए रू. 7.73 करोड़ के बजट व्यय (रू. 2.96 करोड़ प्लान और 4.77 करोड़ नॉन प्लान के लिए) तथा रू. 1.22 करोड़ की अपनी आय का अनुमोदन किया था।

भारत सरकार की कठिन-वित्तीय स्थिति को देखते हुए, मंडल ने 1992-93 के लिए संशोधित अनुमान में व्यय को रू. 7.73 करोड़ से कम करके रू. 6.61 करोड़ कर दिया (रु. 2.35 करोड़ प्लान और 4.26 करोड़ नॉन प्लान के लिए) और अपनी आय को रू. 1.22 करोड़ से बढ़ाकर रू. 1.65 करोड़ कर दिया। वर्ष 1992-93 के दौरान वास्तविक व्यय, स्वयम् अर्जित राजस्व तथा सरकार से प्राप्त अनुदान निम्नानुसार रहे:

रू. करोड़ में

	वास्तविक		1992-93		
	1990-91	1991-92	बीई	आरई	वास्तविक
1. व्यय					
1.1 प्लान	1.65	2.00	2.96	2.35	2.61
1.2 नॉन प्लान	3.49	3.87	4.77	4.26	4.21
1 का कुल	5.14	5.87	7.73	6.61	6.82
2. राजस्व					
2.1 अपना राजस्व	1.13	0.91	1.22	1.65	1.70
2.2 अनुदान का प्रारंभिक शेष	0.73	0.20	0.01	0.01	0.01
2.3 सरकारी अनुदान	3.48	4.77	6.50	4.95	4.81
2.4 भूमि की जमानत की वापसी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	0.12
2 का कुल	5.34	5.88	7.73	6.61	6.64

नोट: ऊपर दिये गये आंकड़े संबंधित वर्षों के वार्षिक लेखा-विवरण से लिए गये हैं।

राजस्व:

अपना राजस्व:

नान प्लान खर्च के प्रतिशत के रूप में आईआईएमबी का अपना राजस्व पिछले वर्ष 1991-92 में 24 प्रतिशत की तुलना में 1992-93 में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के छात्रों के शिक्षा शुल्क व अन्य खर्चों में वृद्धि के कारण, कार्यपालक विकास कार्यक्रमों से 24 प्रतिभागियों के 9 माह के शिल्पवैज्ञानिकों के प्रबंधन कार्यक्रम, जो कि संस्थान की आय के साथ-साथ सामाजिक दृष्टि से भी उपयोगी हैं, के कारण संभव हो सका।

वर्ष 1992-93 में कुल खर्च 6.82 करोड़ रुपए हुआ जो कि संशोधित अनुमानित खर्च 6.61 करोड़ की तुलना में 0.21 करोड़ रुपए अधिक हैं। यह प्लान योजना के तहत आवश्यक निर्माण कार्य, कक्षाओं के फर्नीचर और कम्प्यूटर की खरीद के कारण हुआ। सामान्य मूल्य वृद्धि और कर्मचारियों को अतिरिक्त मंहगाई भत्ते में वृद्धि (24 लाख रू. का भार) के वावजूद हमने ना-प्लान खर्चों में संशोधित अनुमान के तहत खर्चों में कमी लाने का प्रयास किया है। कल 6.82 करोड़ रुपए) भूमि के क्रय के लिए राज्य सरकार को दिए गए अग्रिम (0.12 करोड़) की वापिसी और बिना भुगतान के बिलों (0.18) करोड़) द्वारा वहन किया गया।

वर्ष १९९२ - ९३
का लेखा विवरण

लेखापरीक्षा प्रमाण्पत्र

मैंने भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर की 31 मार्च, 1993 को समाप्त वर्ष का आय एवं व्यय लेखा तथा 31 मार्च, 1993 को यथा तुलनपत्र की जांच की है। मैंने वे समस्त सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जिनकी मुझे आवश्यकता थी, संलग्न लेखापरीक्षा रिपोर्ट की टीका-टिप्पणियों के बारे में मैं प्रमाणित करता हूँ तथा मेरी लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप मेरा विचार है कि ये लेखे तथा तुलनपत्र ठीक हैं तथा हमें दी गयी सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों तथा संगठन की बहियों के अनुसार ये भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर के बारे में सही एवं उचित स्थिति की जानकारी देती हैं।

स्थान : बेंगलूर
दिनांक : 4 अक्तूबर, 1993

ह०/
महा लेखाकार (लेखापरीक्षा) - 1

31 मार्च, 1993 को यथा तुलनपत्र

(रुपये लाखों में)

			अनु. सं०		**31.03.93**		31.03.92
1.	**निधियों के स्रोत**						
1.1	अनुदान/चंदा/संग्रह		1		**21,57.81**		19,33.95
1.2	प्रारक्षित एवं निधियां		2		**46.29**		44.24
1.3	जारी कार्यक्रम व परियोजनाएं		3		**41.09**		34.80
1.4	भविष्य निधि		17		**1,40.38**		1,21.07
			योग		**23,85.57**		21,34.06
2.	**निधियों के स्रोत**						
2.1	अचल परिसंपत्तियां		4		**20,70.43**		18,33.88
2.2	पूंजी लेखे पर अग्रिम		5		**25.24**		50.70
2.3	निवेश		6		**59.66**		48.61
2.4	चालू परिसंपत्तियां, ऋण एवं अग्रिम		7	**1,27.57**		1,17.66	
	घटाइएः चालू देयताएं एवं प्रावधान			**74.55**		63.69	
					53.02		53.97
2.5	आय और व्यय :			**25.82**		(29.82)	
	पिछले तुलनपत्र के अनुसार						
	जोडिएः वर्ष के लिए आय			**11.02**		55.65	
	से अधिक व्यय				**36.84**		25.83
2.6	भविष्य निधि		17		**1,40.38**		1,21.07
2.7	टिप्पणियां		16				
			योग		**23,85.57**		21,34.06

	ह०/-	ह०/-
बेंगलूर	(एच.एस. गोपालकृष्णैया)	(के.आर.एस. मूर्ति)
दिनाकं 16 जुलाई 1993	वि.स. एवं मु.ले.अ.	निदेशक

31 मार्च, 1993 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

(रुपये लाखों में)

			अनु. सं०		31.03.93	31.03.92
1.	**आय**					
1.1		सरकार के सहायक अनुदान	-		**2,39.00**	2,39.00
1.2		स्नातकोत्तर एवं फैलो कार्यक्रम	-		**63.23**	29.21
1.3		कार्यकारी विकास कार्यक्रम	9		**67.72**	23.88
1.4		परामर्श एवं व्या. कार्यकलाप	-		**16.78**	21.89
1.5		अनुसंधान एवं विकास	10		**8.96**	0.08
1.6		विविध आय	11		**13.80**	12.31
1.7		अनुदान से अंतरित	-	**22.41**		0.00
		घटाइए: बट्टे खाते डाली गई परिसंपत्तियां	-	**22.41**		0.00
					-	0.00
			योग		**4,09.49**	3,26.37
2.	**व्यय**					
2.1		वेतन एवं संबंधित व्यय	12		**2,53.82**	2,04.70
2.2		स्नातकोत्तर एवं फैलो कार्यक्रम	-		**26.90**	33.31
2.3		कार्यकारी विकास कार्यक्रम	13		**39.82**	16.16
2.4		परामर्श एव व्या. कार्यकलाप	-		**8.54**	14.66
2.5		अनुसंधान एवं विकास	14		**9.13**	4.36
2.6		सामान्य प्रशासन	15		**82.30**	1,08.83
			योग		**4,20.51**	3,82.02
3.	**वर्ष के लिए आय से अधिक व्यय**				11.02	55.65

	ह०/-	ह०/-
बेंगलूर	(एच.एस. गोपालकृष्णैया)	(के.आर.एस. मूर्ति)
दिनाकं 16 जुलाई 1993	वि.स. एवं मु.ले.अ.	निदेशक

31.3.93 को तुलनपत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(रुपये लाखों में)

		31.03.93	31.03.92
अनुसूची – 1			
1.	अनुदान/चंदा/संग्रह		
	ओ. बी. : भारत सरकार	**18,39.16**	
	कर्नाटक सरकार	**67.95**	
		19,07.11	19,07.11
	जोडिएः	**2,41.99**	
	वर्ष के दौरान भा. स. अनुदान		
		21,49.10	
	घटाइएः	**22.41**	0.00
	आय एवं व्यय को अंतरित		
	निवल योग (1)	**21,26.69**	19,07.11
2.	अन्य		
	फोर्ड फाउंडेशन अनुदान	**4.44**	4.44
	मा.सं.वि. मंत्रालय	**3.56**	3.56
	यू.एन.डी.पी.	**0.79**	0.79
	भा.स. - यू.एन.डी.पी.	**2.78**	2.78
	स्व. सुरेंद्र पॉल मेमो. चेयर	**13.95**	12.39
	भा.प्र.सं.बे. सोसायटी	**2.00**	-
	स्नातकोत्तर पुरस्कार निधि	**0.72**	0.72
	पी.जी.पी. विद्यार्थियों से चंदा	**0.72**	-
	सांस्थानिक व्यापार में एसटीसी चेयर	**1.13**	1.13
	एम एम टी सी चेयर	**1.03**	1.03
	योग (2)	**31.12**	26.84
	योग (1+2)	**21,57.81**	19,33.95

(रुपये लाखों में)

		31.03.93	31.03.92
अनुसूची – 2 प्रारक्षित एवं अधिशेष			
पेंशन और उपदान के लिए प्रारक्षित		**45.04**	36.07
गृह निर्माण के लिए प्रारक्षित		**1.25**	8.17
	योग	**46.29**	44.24
अनुसूचि – 3 जारी कार्यक्रम और परियोजनाएं			
फोर्ड फाउंडेशन		**21.01**	9.94
घटाइएः व्यय		**5.31**	3.49
	योग (क)	**15.70**	6.45
संगठन आधारित कार्यक्रम		**1.35**	4.05
घटाइएः व्यय		**0.00**	2.26
	योग (ख)	**1.35**	1.79
प्रायोजित अनुसंधान		**20.18**	1,90.82
घटाइएः व्यय		**7.51**	1,73.37
	योग (ग)	**12.67**	17.45
परामर्श		**10.67**	23.45
घटाइएः व्यय		**1.30**	14.34
	योग (घ)	**9.37**	9.11
शिल्प बैज्ञानिकों के लिए प्रबं. कार्यक्रम		**2.00**	0.00
योग (च)		**2.00**	0.00
महा योग (क+ख+ग+घ+च)		**41.09**	34.80

(रुपये लाखों में)

अनुसूची - 4 अचल परिसंपत्तियां

परिसंपत्ति का नाम	31.03.92 को	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि/(कमी) को	31.03.93
भूमि की लागत	37.95	**0**	**37.95**
भूमि एव परिसर	13,26.83	**1,64.79**	**14,91.62**
फर्नीचर फिटिंग्स और उपकरण	1,08.62	**37.88**	**1,46.50**
पुस्तकालय-पुस्तकें और फिल्में	1,58.17	**22.20**	**1,80.37**
वाहन	17.33	**(1.54)**	**15.79**
अस्था. परिसर का सुधार	20.15	**(20.15)**	**0.00**
ध्वनि नियंत्रण और एकास्टिक्स	3.13	**(3.13)**	**0.00**
कंप्यूटर केंद्र प्रणाली	1,52.67	**36.22**	**1,88.89**
दीक्षांत समारोह गाउन	0.24	**0.28**	**0.52**
फोर्ड फाउंडेशन अनुदान परिसंपत्ति	4.44	**0**	**4.44**
निधीयन अभिकरणो की परिसंपत्तियां	4.35	**0**	**4.35**
	18,33.88	**2,36.55**	**20,70.43**

अनुसूची - 5 पूंजी लेखे पर अग्रिम

		31.3.93	31.3.92
मोबलाइजेशन अग्रिम		**24.89**	31.71
भूमि के लिए अग्रिम		**0.35**	12.24
आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम			6.75
	योग	**25.24**	50.70

अनुसूची - 6 निवेश

स्नातकोत्तर पुरस्कार निवेश		**0.71**	0.71
स्व. सुरेंद्रपॉल मेमो। चेयर		**13.95**	12.00
पेंशन निधि		**45.00**	35 90
	योग	**59.66**	48.61

(रुपये लाखों में)

अनुसूची - 7 चालू परिसंपत्तियां, ऋण एवं अग्रिम		31.03.93	31.03.92
क. चालू परिसंपत्तियां:			
(1) नकदी एवं बैंक शेष			
कार्यालय में नकदी		**0.35**	0.54
बैंक ब.खा. 400 में नकदी		**30.51**	27.74
स्टेट ब.खा. 3274 में नकदी		**3.70**	6.45
स्टेट बैंक ऑफ मैसूर में जमा		**12.00**	0.00
डाक एवं फ्रैंकिंग पेशगी		**0.24**	0.31
	योग (1)	**46.80**	35.04
(2) विविध देनदार		**1.43**	1.43
विविध नामे शेष		**13.66**	19.92
वि.अ.आ.से प्राप्य		**0.02**	0.02
प्राप्य शुल्क		**0.32**	0.32
प्राप्य बिल		**7.25**	0.00
ओ आई सी छात्रावास लेखा		**1.43**	0.00
	योग (2)	**24.11**	21.69
(3) बी.डब्ल्यू.एस.एस.बी.में जमा		**0.09**	0.09
टेलीफोन विभाग		**6.60**	6.61
कर्नाटक विद्युत बोर्ड		**1.36**	1.36
अन्य		**1.24**	1.14
सामूहिक बीमा ब. निधि		**0.43**	0.00
	योग (3)	**9.72**	9.20
ख. ऋण एवं अग्रिम			
वाहन अग्रिम		**12.06**	14.94
गृह निर्माण अग्रिम		**27.09**	34.11
विविध अग्रिम		**1.98**	2.07
त्यौहार अग्रिम		**0.74**	0.59
वेतन अग्रिम		**0.00**	0.02
पूर्व भुगताए व्यय		**5.07**	0.00
	योग (ख)	**46.94**	51.73
	योग (क+ख)	**1,27.57**	1,17.66

(रुपये लाखों में)

अनुसूची – 8 चालू देयताएं एवं प्रावधान	**31.03.93**	31.03.92
व्यय के लिए विविध लेनदार	**18.81**	18.32
पूंजी व्यय के लिए विविध लेनदार	**9.73**	1.83
विविध लेनदार - अन्य	**25.46**	29.28
पेशगी जमा	**6.49**	6.74
पुनर्देय जमा	**1.30**	0.90
अभिरक्षा जमा	**3.64**	1.35
जमानती रुपया	**5.41**	2.26
सामूहिक बीमा	**2.28**	0.54
मेस जमा	**1.41**	0.00
विद्यार्थी कल्याण निधि	**0.02**	0.00
सामूहिक बीमा ब. निधि	**0.00**	2.47
	74.55	63.69

ह०/-
(एच.एस. गोपालकृष्णैया)
वि.स. एवं मु.ले.अ.

ह०/-
(के.आर.एस. मूर्ति)
निदेशक

बेंगलूर
दिनाकं 16 जुलाई 1993

31.3.1993 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखे का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(रुपये लाखों में)

	31.03.93	31.03.92
अनुसूची – 9 कार्यकारी वि. कार्यक्रम आय		
शिल्प वैज्ञानिकों के लिए प्रबंध कार्यक्रम	**10.00**	0.00
प्रबंध विकास कार्यक्रम	**9.57**	7.11
संगठन आधारित कार्यक्रम	**38.99**	13.53
कार्यकारी ब्लॉक	**9.16**	3.24
	67.72	23.88
अनुसूची – 10 अनुसंधान एवं विकास आय		
प्रायोजित अनुसंधान	**7.36**	-
सेमिनार	**1.35**	0.08
सेमिनार यू/एस 35 ऑफ आईटी एक्ट को अंश.	**0.25**	
योग	**8.96**	0.08
अनुसूची – 11 विविध आय		
बैंक से ब्याज	**4.92**	4.29
वाहन अग्रिम से ब्याज	**0.49**	0.00
सं. क्वार्टरों से किराया	**2.37**	1.50
अतिथि गृह प्राप्तियां	**0.07**	0.00
विविध आय	**5.95**	6.52
योग	**13.80**	12.31
अनुसूची – 12 वेतन और संबंधित भुगतान		
वेतन एवं भत्ते	**2,17.93**	1,77.09
स्टाफ एवं संकाय मा.	**3.85**	3.78
पेंशन	**9.66**	3.62
छुट्टी वेतन अं.	**0.45**	0.41
क.क.नि. अंशदान	**0.61**	0.60
भ.नि. में नियोक्ता का अंशदान	**1.46**	0.95
उपदान	**5.24**	0.18
प्रतिनियुक्ति एवं प्रशिक्षण	**0.46**	0.52
चिकित्सा व्यय	**8.78**	9.70
वर्दियां	**0.22**	1.13
छुट्टी यात्रा रियायत	**1.61**	1.73
विज्ञापन और भर्ती	**1.83**	1.32
विभा. कैंटीन को सहायिकी	**0.74**	2.37
स्टाफ कल्याण व्यय	**0.97**	1.29
कर्मचारी शिक्षा सोसायटी	**0.01**	0.00
अन्य	-	0.01
योग	**2,53.82**	2,04.70

(रुपये लाखों में)

अनुसूची – 13 कार्यकारी वि. कार्यक्रम व्यय	**31.3.93**	31.3.92
शिल्प वैज्ञानिकों के लिए प्रबंध कार्यक्रम	**4.32**	
प्रबंध विकास कार्यक्रम	**6.22**	4.75
संगठन आधारित कार्यक्रम	**23.68**	9.67
कार्यकारी ब्लॉक	**5.60**	1.74
	39.82	16.16
अनुसूची – 14 अनुसंधान एवं विकास व्यय		
प्रायोजित अनुरांधान	**4.06**	0.00
संस्थान अनुरांधान एवं वृत्त विकास	**3.60**	4.28
रोमिनार	**1.47**	0.08
योग	**9.13**	4.36
अनुसूची – 15 सामान्य प्रशासन		
किराया, दर एव कर	**0.09**	0.69
विद्युत एव जल प्रभार	**12.22**	13.80
डी.जी. सेट के लिए ईधन	**1.76**	0.00
किराया एवं परिवहन	**0.34**	0.10
रख-रखाव और मरम्मत	**23.52**	26.55
यात्रा व्यय	**1.61**	3.88
टेलीफोन एवं टेलेक्स	**16.31**	47.72
डाक एवं तार	**1.02**	1.44
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	**5.11**	3.51
उपभोज्य	**5.20**	2.95
मण्डल बैठक व्यय	**1.36**	0.00
विधायी व्यय	**1.72**	1.21
लेखापरीक्षा शुल्क	**2.30**	0.00
छात्रावास और अन्य प्रभार	**0.26**	0.00
सोसायटी सदस्यता	**0.10**	0.31
अन्य आकस्मिकताए	**3.80**	6.67
अभिरक्षा सेवाए	**5.58**	0.00
योग	**82.30**	1,08.83

अनुसूची – 16 लेखे का भाग बनने वाली टिप्पणियां

1. चालू वर्ष अर्थात 1992-93 के दौरान नकदी आधार से संभूति आधार पर हुए लेखा पद्धति में परिवर्तन के कारण वर्ष 1992-93 और 1991-92 के आय एवं व्यय आंकडे तुलनीय नहीं है।

2. चूंकि कर्मचारी कल्याण निधि के वार्षिक लेखों को प्रारंभ से अंतिम रूप नहीं दिया गया है, इसलिए इसे इन लेखों में समायोजित नहीं किया गया है।

3. वर्ष के लिए निम्नलिखित शेषों के मदवार विवरण की पहचान की जा रही है:

		अनुसूची	(रुपये लाखों में)
1.	विविध देनदार	7	1.43
2.	विविध नामे शेष	7	13.66
3.	जमाएं	7	9.72
4.	विविध लेनदार - अन्य	8	25.46
5.	सामूहिक बीमा (ज.)	8	2.28

4. अनुसूची 7 : चालू परिसंपत्तियां, ऋृण एवं अग्रिम (3) कर्नाटक विद्युत बोर्ड के पास 1.36 लाख रु० जमा:

   क.वि.बो. के पास हमारी बहियों के अनुसार (1.36 लाख रु०) तथा क.वि.बो. द्वारा सूचित (2.64 लाख रु०) जमा के मध्य पाए गए अंतर का मिलान किया जा रहा है।

5. क.वि.बो. के पास अर्जित ब्याज का अभिनिश्चयन विचारधीन है, अतः इसे लेखे में नहीं लिया गया है।

6. जहां भी आवश्यक समझा गया है वहां गत वर्ष के रुपयों को लाखों में पूर्णांकित किया गया है तथा आंकडों को पुनर्समूहित किया गया है। अतः वे तुलनीय नहीं हैं।

	ह०/-	ह०/-
बेंगलूर	(एच एस. गोपालकृष्णैया)	(के.आर.एस. मूर्ति)
दिनाकं 16 जुलाई 1993	नि स. एवं मु.ले.अ.	निदेशक

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

भविष्य निधि

31 मार्च, 1993 को तुलनपत्र

(रुपये लाखों में)

				31.3.93	31.3.92
निधियों के स्रोत:					
भविष्य निधि:		साभनि	अंभनि		
1	अथ शेष	60.10	33.96		
2	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि:				
	2.1 चंदा	22.19	7.01		
	2.2 अंशदान	-	1.98		
	2.3 ऋणों की वापसी	10.99	1.12		
	2.4 ब्याज	7.18	3.77		
	1 एवं 2 का योग	1,00.46	47.84	**1,48.30**	
3	घटाइए: निकासी	26.44	9.20	**35.64**	
	निवल निधि	74.02	38.64	**1,12.66**	94.06
4	ऋण बकाया	25.29	2.43	**27.72**	27.01
		योग		**1,40.38**	1,21.07
निधियों का उपयोग:					
1	निवेश	विविरण 1		**82.80**	55.61
2	निवेशों पर उपचित ब्याज\			**34.44**	33.37
3	अंशदाता को ऋण			**27.72**	27.01
4	प्राप्य	0.30	1.22	**1.52**	3.55
5	नकदी एवं बैंक शेष				
	स्टेट बैंक ऑफ मैसूर में	2.73	1.16		
	प्रधान डाकघर में	-	-	**3.89**	11.22
				1,50.37	1,30.76
6	घटाइए: देय			**9.99**	9.69
		योग		**1,40.38**	1,21.07

लेखों की टिप्पणी विवरण 2

	ह०/-	ह०/-
बेंगलूर	(एच.एस. गोपालकृष्णैया)	(के.आर.एस. मूर्ति)
दिनाकं 16 जुलाई 1993	वि.स. एवं मु.ले.अ.	निदेशक

31 मार्च, 1993 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(रुपये लाखो मे)

			31.3.93	31.3.92
निधियों के स्त्रोतः				
1. निवेशो से आय				
1.1 प्राप्त		2.13		
1.2 उपचित		9.57	**11.70**	9.31
2. ब्याज में कमी की बाबत भाप्रसेबें से बकाया		-	-	0.27
	योग		**11.70**	9.58
व्यय				
3. निधि शेष पर ब्याज				
3.1 सा.भ.नि.		7.18		
3.2 अ.भ.नि. :				
3.2.1 कर्मचारियो के अशदान पर		2.12		
3.2.2 नियोक्ता के अंशदान पर		1.65	**10.95**	9.58
3.2.3 तुलनपत्र को अधिशेष ले जाया गया			**0.75**	
	योग		**11.70**	9.58

4. लेखों की टिप्पणी विवरण 2

	ह०/-	ह०/-
बेंगलूर	(एच.एस. गोपालकृष्णैया)	(के आर.एस. मूर्ति)
दिनाकं 16 जुलाई 1993	वि.स. एव मु ले.अ.	निदेशक

भविष्य निधि

विवरण - 1

31 मार्च, 1993 को निवेश

(रुपये लाखों में)

क्र०सं०	सा.ज.र. सं० एवं दिनांक	राशि 31.3.93	सा.ज.र. सं०	राशि 31.3.92
स्टेट बैंक ऑफ मैसूर में मीयादी जमाएं				
1	156743	**6.00**	23054	1.50
2	156748	**7.00**	156743	6.00
3	156766	**2.50**	156748	7.00
4	181905	**2.00**	156766	2.50
5	181921	**5.00**	23010	5.00
6	269013	**3.44**	23036	3.75
7	196718	**2.58**	23079	1.50
8	196813	**4.34**	बीएल 0029/2014 (भारिबैं)	1.00
9	239917	**7.00**	181905	2.00
10	239950	**8.32**	181921	5.00
11	299966	**5.00**	3001444/ए (प्र. डाकघर)	3.00
12	299994	**2.00**	269013	3.44
13	665084	**5.58**	196718	2.58
14	665121	**1.01**	196813	4.34
15	240066	**3.00**	3001813 (प्र. डाकघर)	7.00
16	239995	**2.50**		
17	665120	**2.03**		
18	665167	**1.50**		
19	240067	**1.00**		
20	3001444/ए (प्र. डाकघर)	**3.00**		
21	3001813 (प्र. डाकघर)	**7.00**		
22	बही ना. प्रमा. सं० बीएल/0029 (भारिबैं)	**1.00**		
	योग	**82.80**		55.61

विवरण 2 : लेखों की टिप्पणी

1. वर्ष 1990-91 से पूर्व अवधि के बकाए के लिए भविष्य निधि लेखे और तुलनपत्र को अंतिम रूप देने हेतु निम्नलिखित आंकडे अंशदाता खाता बही लेखे से लिए गए हैं जो कि अनन्तिम हैं:

				चालू वर्ष	गत वर्ष
				(रुपये लाखों में)	
मद	1.1	अथ शेष	सा.भ.नि.	**60.10**	52.59
			अं.भ.नि.	**33.96**	30.19
मद	6	देय		**9.99**	9.69

2. आय और व्यय लेखा
नोट-1 में निर्दिष्ट आंकडों में किसी भी प्रकार के परिवर्तन से आय और व्यय लेखे में निम्नलिखित अनुवर्ती प्रभाव पड़ेगा :

		चालू वर्ष	गत वर्ष
		(रुपये लाखों में)	
1)	अधिशेष (कमी) तुलनपत्र को अग्रानीत	**0.75**	(0.27)
2)	निधि शेषों पर ब्याज	**10.95**	9.58

3. निवेश और बैंक लेखे अलग-अलग नामों मैं हैं। इन्हें एक सामान्य नाम में करने की कार्रवाई की जा रही है।

	ह०/-	ह०/-
बेंगलूर	(एच.एस. गोपालकृष्णैया)	(के.आर.एस. मूर्ति)
दिनाक 16 जुलाई 1993	वि स. एव ५ ले.अ.	निदेशक

वर्ष 1992-93 के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के लेखों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1. प्रस्तावना

1.1 भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर कर्नाटक सोसाइटी पंजीकरण अधिनियमं, 1960 के अधीन पंजीकृत एक सोसाइटी है। इसकी स्थापना अक्तूबर, 1973 में कार्यक्रम-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं अन्य व्यावसायिक सेवाओं के माध्यम से प्रबंध उपायों की वृद्धि के लिए की गई थी। संस्थान का मुख्य उद्देश्य प्रबंध-शिक्षा देना, सरकारी एवं निजी क्षेत्रों के लोगों को प्रबंध में व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना, प्रबंध और सम्बंद क्षेत्रों पर अनुसंधान तथा साहित्य प्रकाशित करना और उद्योगों तथा सरकारी अभिकरणों को परामर्शी सेवाएं प्रदान करना है। संस्थान भारत सरकार के अनुदानों द्वारा वित्तपोषित किया गया। गत वर्ष के दौरान कर्नाटक सरकार ने 30 लाख रु० का पूंजी अनुदान दिया और परिसर की स्थापना के लिए 37.95 लाख रुपये मूल्य की 100 एकड भूमि दी। इसके अलावा, संस्थान को वृत्तिभोगी अभिकरणों तथा उनकी ओर से प्रायोजित अनुसंधान, परामर्श और संगठन आधारित कार्यक्रम के लिए भी निधियां प्राप्त हुयीं

1.2 संस्थान के लेखों की लेखा परीक्षा नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक (कर्तव्य, अधिकार एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन 1990-91 से पांच वर्ष की अवधि के लेखे भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक को सिपुर्द कर दिए गए। वर्ष 1992-93 के लेखे जून, 1993 में प्रस्तुत किए गए और इनकी जून-जुलाई, 1993 में लेखापरीक्षा की गई तथा संशोधित लेखा जुलाई, 1993 में प्रस्तुत किया गया।

2. लेखे का सार

संस्थान में वर्ष के दौरान प्राप्त प्राप्तियों एवं भुगतानों के विवरण निम्नलिखित हैं:

(रुपये लाखों में)

अथ शेष	35.03
प्राप्तियां	696.64
कुल	731.67
भुगतान	696.87
इति शेष	34.80

3. लेखों पर टीका-टिप्पणी

3.1 लेखों का संशोधन

वर्ष 1992-93 के लिए रांस्थान के लेखे को लेखापरीक्षा के दौरान पायी विरांगतियों को परिशोधित करने तथा संस्थान द्वारा आतरिक रूप से पायी गयी त्रुटियों को ठीक करने संशोधित किया गया। संशोधन के परिणामस्वरूप ''आय से अधिक व्यय'' शीर्ष मे 11.48 लाख रु० की तुलना में 11.02 लाख रु० की कमी और परिसंपत्तियों तथा देयताओं में 2394.66 लाख रु० की तुलना में 2385.57 लाख रु० की वृद्धि हुई।

3.2 लेखों के फार्मेट में संशोधन

संस्थान अब तक प्राप्ति और भुगतान लेखा, आय और व्यय लेखा और तुलनपत्र तैयार करता था। वर्ष के दौरान संस्थान ने इस फार्मेट को बदलकर सत्यापन हेतु केवल आय और व्यय लेखा तथा तुलनपत्र प्रस्तुत किया। संस्थान के संघ के ज्ञापन के अनुसार संस्थान तुलनपत्र सहित लेखों तथा लेखों की अन्य वार्षिक विवरणियां महा लेखाकार के परामर्श केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित ढंग में लेखे तैयार करे तथा उनका रख-रखाव करे। वर्ष 1992-93 से लेखों के ढंग में संशोधन हेतु, केन्द्र सरकार का अनुमोदन प्राप्त नहीं हुआ है।

3.3 संस्थान ने 31.3.1993 को यथा तुलनपत्र अब तक अपनाए जा रहे ''होरिजंटल ढंग'' के स्थान पर वर्टिकल ढंग से तैयार किया है। इसके अलावा, आकडों को निकटतम लाख में पूर्णांकित करने के कारण 1991-92 के तुलनपत्र में दिखाए गए आंकडे गत वर्ष के दौरान प्रमाणित आंकडों से मेल नहीं खाते हैं। वर्ष 1991-92 के आंकडों में अंतर भविष्य निधि के वास्तविक आंकडों के पता चलने के कारण है। अब 1991-92 के तुलनपत्र में जिसका पहले पता नहीं चला था, को वर्ष 1991-92 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुच्छेद 3.8 में पहले ही बताया जा चुका है। संस्थान ने बताया है कि वर्ष 1991-92 के भविष्य निधि आंकडों में इसे समुचित रूप से दर्शाया गया है। यद्यपि इसे वर्ष के तुलनपत्र में नहीं दर्शाया गया है।

3.4 संस्थान लेखों को संशोधित करते समय टीका-टिप्पणी को ध्यान मे रखते हुए अनुसूची 7 एवं 8 जैसे कि विविध देनदार, विविध नामे शेष, जमाएं, विविध लेनदार (अन्य) सामूहिक बीमा (ज) और कर्नाटक विद्युत बोर्ड में जमा की गई राशि के बारे में संस्थान तथा क० वि०बो० की बहियों में अंतर तथा अनुसूची 16 (लेखे का भाग बनने वाली अनुसूची) को यह बताने हेतु जोडा ग.ा है की अनुसूची 7एवं 8 में बताए गए निम्नलिखित शेषों के मदवार विवरण के पहचान की जा रही है।

(रुपये लाखों में)

1)	विविध देनदार	1.43
2)	विविध नामे शेष	13.66
3)	जमाएं	9.72
4)	विविध लेनदार-अन्य	25.46
5)	सामूहिक बीमा (ज)	2.28

इसके अतिरिक्त संस्थान ने वताया कि संस्थान की बहियों के (1.36 लाख रुपये) अनुसार तथा क० वि०बो० के (2.64 लाख रुपये) अनुसार क० वि०बो० में जमा की गई राशि के अंतर का मिलान किया जा रहा है तथा इस जमाराशि पर अर्जित अनिश्चित है, अतः इसे लेखे में नहीं लिया गया है।

3.5 आय और व्यय लेखा

वर्ष 1991-92 में 55.65 लाख रु० की तुलना में वर्ष 1992-93 में आय से अधिक व्यय 11.02 लाख रु० था। यह कमी मुख्यतः ''स्नातकोत्तर एवं फेलो कार्यक्रम'' के अंतर्गत आय में बढोत्तरी और पूर्व कार्यक्रमों के खर्च में कटौती के कारण आई है।

3.6 भविष्य निधि लेखा

संस्थान ने भ०नि० से संबंधित वर्ष 1992-93 के लिए तुलनपत्र तैयार कर किया है और मुख्य लेखे में लाने के बजाय सा०भ०नि० एवं भ०नि० लेखे को मिला दिया है।

भविष्य निधि अधिनियम, 1925 की धारा 8(2) के अनुसार सरकार प्रत्यक्ष अधिसूचना के द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों को अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी संस्थान के कर्मचारियों के लाभार्थ भविष्य निधि की स्थापना के लिए लागू होंगे। किन्तु इसे अभी प्राप्त किया जाना बाकी है। संस्थान ने बताया कि यह मामला भारत सरकार के विचाराधीन था। यह भी देखा गया कि संस्थान द्वारा लिया गया अथ शेष अनंतिम है क्योंकि 1990-91 से पूर्व के भविष्य निधि लेखों का निपटान किया जाना है।

4. अनुदानों का उपयोग

वर्ष 1992-93 के दौरान योजना और योजनेतर के अंतर्गत निधियों का उपयोग निम्नलिखित है:

		योजना	योजनेतर
		(रुपये लाखों में)	
1)	वर्ष के प्रारंभ में उपयोग की गई शेष राशि	1.01	-
2)	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	2,41.99	2,39.00
3)	जमाओं की वापसी	11.89	-
		2,54.89	2,39.00
4)	उपयोग में लाई गई अनुदान राशि शेष	2,54.89	2,39.00
	शेष	शून्य	शून्य

स्थान : बेंगलूर
दिनांक: 4 अक्तूबर, 1993

ह०/-
(के०जी० महालिंगम)
महा लेखाकार (लेखापरीक्षा)-1

Indian Institute of Management Bangalore

18th Annual Report 1992-93

FOREWORD

IIMB is restructuring and reorienting itself to the emerging environment.

In consultation with industry, academic experts, students and alumni, the IIMB Post Graduate Programme has been strengthened to keep pace with the managerial needs in a fast changing economic environment. The mix of compulsory and elective course requirements has been changed, giving PGPs more electives to choose from and prepare for well-planned careers, and faculty to innovate and offer new electives geared to problems, practices and needs of a fast changing world.

Through interaction with the Confederation of Indian Industry, IIMB has launched a programme to fill a gap in managerial training for technologists. Launched in 1992-93, the nine-month full-time residential Management Programme for Technologists (MPT) is designed to strengthen the managerial foundation of engineers and other technologists with five to six years of experience in manufacturing and other related areas. The first MPT had twenty four participants from 14 leading public and private sector organisations.

The Institute is strengthening its Executive Development Programmes. To help organisations reorient to the changing environment, IIMB has intensified its efforts in organisation-based programmes of training (OBPs), leading to a near doubling of OBP activity level during 1992-93. Organisation-Based Programmes of training are a part of the joint Institute-Industry action research in adapting to the changing environment.

To help overcome the acute shortage of quality management faculty in the country, IIMB is strengthening its Fellow Programme both in terms of quality and quantity.

Consequent on the government policy of reducing its financial support, a steep hike in tuition fee became inevitable for all the IIMs. IIMB has kept the increase to the minimum, with its motto that "no student should be deprived of management education for want of funds." The Institute has, through a Financial Aid Committee, arranged loan facilities from banks and has provided direct financial aid to needy students.

K.R.S. Murthy
Director

CONTENTS

	Page No.
1. The Board of Governors	7
2. Academic Activities	9
3. Management Development Programmes	23
4. Organisation-Based Programmes	25
5. Research	27
6. Publications	31
7. Consultancy	35
8. Foundation Day	37
9. Faculty	38
10. Library	45
11. Computer Centre	46
12. Hostel	47
13. Construction	48
14. Personnel and Administration	49
15. Alumni	53
16. Financial Position	54
17. Statement of Accounts for 1992-93	55

1. THE BOARD OF GOVERNORS

Chairman

Mr. G.V.K. Rao
Former Chief Secretary, Government of Karnataka
Former Member, Planning Commission
Bangalore

Members

S. V. Giri
Secretary, Department of Education
Ministry of HRD, Government of India
New Delhi.

S. K. Banerjee
Financial Adviser
Ministry of HRD,
Department of Education
New Delhi.

Dr. S. M. Das Gupta
Chairman, MP State Electronics
Development Corporation
Bhopal.

Dr. Ram S. Tarneja
Adviser
Bennet Coleman & Company Ltd.
Bombay.

S. K. Ghosal
Additional Chief Secretary
Government of Karnataka
Bangalore.

Teresa Bhattacharya
Commissioner & Secretary to
Government of Karnataka
Education Department
Bangalore.

A. Ravindra
Secretary to Chief Minister
Government of Karnataka
Bangalore.

Dr. N.R. Shetty
Vice Chancellor
Bangalore University
Bangalore.

Dr. Parvinder Singh
Vice-Chairman & Managing Director
Ranbaxy Laboratories Limited
New Delhi.

S. Pandit
Former Executive Director
Philips India Limited
New Delhi.

Dr. T. B. Singh
Former Chairman and Managing
Director, Bharat Aluminium Co. Ltd.
New Delhi.

Provash Chandra Neogy
Chairman and Managing Director
Hindustan Machine Tools Ltd.
Bangalore.

S. Samaddar
Former Secretary(Steel)
Former Member,
Union Public Service Commission
New Delhi.

B. V. Rajashekhar Reddy
President
Federation of Karnataka Chambers of
Commerce and Industry
Bangalore.

Ramesh Gelli
Chairman
The Vysya Bank Limited
Bangalore.

S. Ghosh
Deputy Director General
(Technological Services)
National Productivity Council
New Delhi.

Dr. M. L. Shahare
Former Director General
Dr. Baba Sahib Ambedkar National
Institute of Social Sciences
Indore.

Dr. Anuj Kumar Dhan
Former Vice Chancellor
Ranchi University &
Administrator, Cambridge School
Tatisilwai
Ranchi.

Dr. Shyamal Roy
Professor
Indian Institute of Management
Bangalore.

Dr Prasanna Chandra
Professor
Indian Institute of Management
Bangalore.

Dr. U. R. Rao
Chairman
Indian Space Research Organisation
Bangalore.

Dr. V. A. Pai Panandiker
Director
Centre for Policy Research
New Delhi.

Dr. N. R. Sheth
Former Director
Indian Institute of Management Ahmedabad
and Honorary Fellow,
Gujarat Institute of Development Research
Ahmedabad.

M. S. Patwardhan
Vice President
National Organic Chemical
Industries Ltd.
Bombay.

Dr. K. R. S. Murthy
Director
Indian Institute of Management
Bangalore.

1.1 Government of India Nominees

The Government of India nominated, with effect from January 13, 1993, Mr. S.V. Giri, Secretary, Education, Ministry of HRD, as a member of the Board, in place of Dr. D.K. Sharma, Deputy Educational Adviser (T).

The five-year term of the following members nominated by the Government of India, expired on March 22, 1992:

Mr. N.R. Krishnan
Additional Secretary,
Ministry of Industry

Mr. Suresh Kumar
Secretary,
Bureau of Public Enterprises.

The Government of India nominated the following members in their place for five years from July 9, 1992 :

Dr S.M. Das Gupta
Chairman
MP State Electronics Corporation Ltd.
147, Zone -1, Maharanapratap Nagar
Bhopal

Dr Ram S. Tarneja
Adviser
Bennet Coleman & Co. Ltd.
(The Times of India Publications)
DN Road, Bombay 400 021.

1.2 Government of Karnataka Nominees

The Government of Karnataka, nominated the following officials on the Board from December 14, 1992 in place of Mr. T.P. Issar, Chief Secretary, Mr. P.S. Nagarajan, Secretary, Education Department and Mr. C. Gopala Reddy, Secretary, Finance Department:

Mr. S.K. Ghosal
Additional Chief Secretary

Smt Teresa Bhattacharya
Commissioner & Secretary
Education Department

Mr. A. Ravindra
Secretary to Chief Minister

1.3 FKCCI Nominee

The Federation of Karnataka Chambers of Commerce & Industry nominated from May 11, 1992, Mr. B.V. Rajashekhar Reddy, President, as a member of the Board in place of Mr. Tallam Radhakrishna Shetty whose term expired.

1.4 Faculty Nominees

The following two Faculty members were nominated by the Chairman, Board of Governors, for two years, with effect from October 19, 1992:

Dr. Shyamal Roy
Professor, IIMB

Dr. Prasanna Chandra
Professor, IIMB

1.5 Co-opted Member

Dr. U.R. Rao, Chairman, ISRO, was co-opted as a member by the Board with effect from August 1, 1992 in place of Dr. Ram S. Tarneja, who became a Government of India nominee from July 9, 1992.

1.6 Meetings

Meetings of the IIMB Society, Board of Governors and the Executive Committee were held on the following dates:

i) Society
April 3, 1992
March 19, 1993

ii) Board of Governors
April 3, 1992
July 10, 1992
October 28, 1992
January 8, 1993
March 19, 1993

iii) Executive Committee
May 27, 1992

2. ACADEMIC ACTIVITIES

2.1 Fellow Programme

Several steps were taken in 1992-93 to strengthen the programme. Details are as under :

2.1.1 Graduates

The following three candiates completed all the requirements for the Fellow Programme and received their Fellow titles at the 17th annual convocation held on April 3, 1992:

Candidate	Title of Thesis	Faculty Guide
K. Kumar	A Study of Corporate Planning in India.	Prasanna Chandra
J.P. Sahu	A Comparative Analysis of Organisation of Health Care Machinery in Hospitals.	A.V. Shanmugam
M.S. Sriram	A Study of the Indicators of Sickness in Rural Cooperatives.	T.P. Gopalaswamy

The following four candidates completed all the requirements for the Fellow Programme and received their Fellow titles at the 18th annual convocation held on March 19, 1993. With them, the total number of Fellows graduating from IIMB went up to 45.

K. Nandi	TV Advertising for Brand Loyalty: A Decision Support System	S. Shiva Ramu
R.S. Desikan	An Expert Support System for Term Loan Evaluation	V.B. Kaujalgi
Sanjay Goel	Planning for Basic Needs of Shelter in India: An Empirical Analysis with a Multisectoral Programming Model	Ranajit Dhar
Sharath Kumar	Strategic Management in High Velocity Environment — A Case of the Computer Industry	V. Ranganathan

2.1.2 Admissions

Admissions for 1993 are in progress. The details are as follows:

Particulars	1992	1993
Applications requested	1527	927
Applications received	687	402
Called for interview	74	50
Appeared for interview	48	31
Offers made	12	13
Offers accepted	5	4
Enrolled	3	3
Continuing in the Programme	2	3

One of the reasons for the fall in the number of applicants for 1993 was perhaps the steep rise in CAT application fee to Rs.500. More than the fluctuating number of applicants, attracting the right type of students in adequate numbers, has been a problem exercising our minds.

The admission process to Fellow Programme was decentralized in 1993. Areas and Sectors now make the selection of candidates directly, from the list of candidates shortlisted by the FPM Committee based on a uniform cut off score in the Common Admission Test for PGPs and FPMs for all areas and sectors.

2.1.3 Recognition

Association of Indian Universities has recognised the Fellow title of IIMB as equivalent to Ph. D. Intensive efforts were made to get a similar recognition from Ministry of Human Resource Development. The matter was also taken up by the AICTE. We expect the recognition soon.

2.1.4 Course Work

This year we increased the second year course load from a minimum 33 credits to 48 credits.

The following fifteen new courses were offered in 1992-93, exclusively for FPM:

	Topic	Faculty
1.	International Finance-II	P.G. Apte
2.	Topics in Knowledge Representation and Reasoning	B. Shekar
3.	Advanced Industrial Relations	S. Sampangiramiah
4.	Corporate Financial Reporting	S. Sundararajan
5.	Research Methodology-II	L.S. Murty
6.	Natural Resource Economics	K.B. Nair
7.	Energy Economics	V. Ranganathan
8.	Environmental Project Appraisal	N. Naganna
9.	Cost Benefit Analysis	V. Ranganathan
10	Decision making in Agriculture	V. Nagadevara
11.	Stochastic Processes	B. Narasinga Rao
12.	Strategic Financial Management	Prasanna Chandra
13.	Fiscal and Monetary Policy	Shyamal Roy
14.	Models of Equilibrium in the capital markets	P.G. Apte
15.	Productivity of the R&D function	L. Prasad

2.1.5 Dissertation Evaluation Procedures

A requirement of defence viva has been added to the procedures for FPM thesis evaluation since 1992-93. The old and new procedures are as follows :

Upto 1991-92	From 1992-93
1. Evaluation of thesis by the Dissertation Evaluation Committee (with 2 members who are external to the Dissertation Advisory Committee).	1. Same as upto 1991-92
2. Public presentation by the candidate to the academic community	2. Defence viva of thesis before the Dissertation Examination Committee
	3. Public presentation

The change provides scope for an integrated evaluation. A strong and important observation, of one examiner can be picked up by the committee for corrective action or revision of the evaluation itself.

2.1.6 External Registration for Ph. D. Level Programme

We examined the possibility of running an externally registered Ph. D. level Programme for persons who are employed and have a conceptual bent of mind and who may have a lot to contribute in terms of the work they are engaged in. But it was felt that the main skills for management research are acquired during the two year course work. Shortening this period of course work was not considered desirable. As a result, we have not initiated an external registration programme now.

2.1.7 Status of FPM Students (as of March 31, 1993)

First Year	:	2
Second Year	:	6
Thesis Phase Awaiting	:	8
Public Defence	:	5

2.1.8 Students' Participation in Conferences

Mr. S. Ramesh Padmanabhan, FPM student, presented a paper titled **International Business-to-Business Marketing Strategy - The Indian Case**, at the International Conference from September 3-5, 1992, on **Business Networks in An International Context: Recent Research Developments** held at the Graduate School of Business, University of Lyon, France.

Mr. R.S. Desikan and Mr. Ramesh Padmanabhan, Fellowship students, presented a paper titled **An Expert System for Cotton Yarn Export**, which was awarded the First Prize in Paper Presentation under the Theme "Computers in Finance and Management". The presentation was organised by the Institute of Electricals & Electronics Engineering (IEEE) students' branch of Delhi College of Engineering during February 11-12, 1993.

2.2 Post Graduate Programme

2.2.1 Admission to PGP 1992-94 batch

The enrollment for PGP 1992-94 batch was 147 as compared to 157 in 1991-93. The summary tables for 1992-94 batch are given separately as Annexure 1.

Although the offers made this year were less by ten per cent compared to last year, the same number of students registered, showing a significant preference for IIMB among the PGP candidates.

The proportion of girls increased marginally with 23 girls in the 1992-94 batch compared to 19 girls in the previous batch. The number of SC/ST students was 29 in 1992-94 compared to 30 in 1991-93.

The number of engineers reduced significantly from 127 in 1991-93 batch (about 81 per cent) to 108 in the 1992-94 batch (73 per cent). This percentage has been steadily coming down over the last five years, from about 87 per cent in 1987-89.

While the number of students without any relevant work experience was more or less the same, there was about 40 per cent reduction in students with more than 36 months experience. This mix is definitely in keeping with the recruiters' expectations of the PGP.

The 1992-94 batch was young with an average age of 23 years and only six students were more than 27 years.

The parental occupation was predominantly govt. service, belonging to the middle income group.

Along with 10 repeaters and 3 Fellowship students, the first year of PGP in 1992-93 had 160 students.

2.2.2 Admission to PGP 1993-95 Batch

An admission application form common to all IIMs was introduced for 1993. Earlier, a candidate had to pay Rs.120 for taking CAT and an additional fee of Rs.60 each for applying to each of the four Institutes. He, thus had to spend a total of Rs.360, in case he wanted to apply to all the four Institutes. From 1993, he has to pay Rs.500 for CAT as well as application fee for all the four Institutes. Unlike earlier years, applying to only a few Institutes did not result in a reduction in the fee for the 1993 admissions.

The increase in the price of the application form was due to increases in the cost of conducting the tests and interviews. A considerable amount of faculty time goes into the construction and administration of the test. Even after excluding the faculty time in the costing and pricing of CAT, the cost of printing, stationery, travel and other related expenses for conducting the test have increased enormously in the last few years. During this time, the pricing of the application form did not keep pace. Hence the increase in 1992. The Institutes are also constantly trying to keep costs under control by taking appropriate measures, one of the important among them being, limiting the examination centres only to a few important cities.

The Common Admission Test, conducted by all IIMs, was held on January 31, 1993. 17,486 candidates took the test at various test centres for all the IIMs. IIMB called 997 candidates including 154 SC/ST candidates, for group discussions and personal interviews scheduled during March 29 - April 7, 1993 at Bombay, Bangalore, Calcutta and Delhi.

2.2.3 Preparatory Programme

A preparatory programme in English Language & Communication, Quantitative skills, and Accounting was conducted from June 1-30, 1992 for 22 PGP students of the 1992-94 batch.

2.2.4 Curriculum Improvement

The Faculty Committee headed by Professor Vatsala Nagarajan (Dean and Professor of Finance and Control Area) reviewed the PGP curriculum in consultation with faculty, students, alumni and industry experts and submitted its report. The structure of the programme was revised from 1992-93 academic year and the number of compulsory courses were reduced from 27 earlier to 21 from 1992. This provided increased opportunity to students for taking optional courses. Students were also provided facility to take extra courses (overload) in the elective stream.

Objectives of the six new courses were as follows:

i. "Managerial & Interpersonal Skills Workshop"

   This course was designed to help participants enhance their inter-personal and managerial styles and discover the significant strengths and limitations of their style.

ii. "Business Prospects in Eastern Europe"

   This course provided basic knowledge of economic management, industrial reform and managerial behaviour in the erstwhile socialist economies of the USSR and Eastern Europe and

contrasted the latter with current efforts to reform the Indian Economy. The course drew lessons that developing countries like India could draw from their experience in a comparative perspective.

iii. "Manufacturing Strategy"

The objective of this course was to emphasise manufacturing's due place as a competitive weapon in the present environment and bring out its strategic aspects.

iv. "Financial Services"

The development of financial services has been phenomenal in the last decade in our country. This course focused on various facets of the emerging scene and the guidelines and framework of financial services. Covered in detail were the role of Stock Exchange Board of India (SEBI) and other governmental agencies, the financial and merchant banks and the mechanics of loan syndication.

v. "Managerial and Oral Communication"

The objective was to improve oral communication facility, both transmission and reception, in managerial situations.

vi. "International Business Negotiation Skills"

The course aims were to show how to creatively further the totality of one's interest including relationships, in an international context. This course drew on the cumulative knowledge of the first year courses, and had three components:

- Developing a deeper understanding of the negotiation process;
- Testing out and refining new approaches in negotiation styles; and
- Applying the understanding gained in the International Business context.

Apart from the increased number of elective courses, optional non-credit courses were offered by visiting experts.

Some courses worth noting are:

1. "Managerial Effectiveness & Value Systems," Professor S.K. Chakraborty, IIM Calcutta, during July 4-17,1992.
2. "Channel Management," Professor Shumeet Banerji, University of Chicago, USA, during July 27 - August 5, 1992.
3. "Special Topics in Marketing Research," Professor Pradeep A. Rau, George Washington University, USA, during August 13-31, 1992.
4. "Total Quality Management," Mr. Ganapathy Subramaniam, Production Manager, Hewlett Packard (India) Ltd., Bangalore, during December 9, 1992 - January 15, 1993.
5. "Forex Dealing Room," Mr. N. Krishnamurthy, Manager (Dealing), Indian Bank, Overseas Branch, Madras, during December 19-20, 1992.
6. "Central Excise, Customs and FERA," Mr. K.S. Ravishankar, Chartered Accountant, Bangalore, during January 6-27, 1993.
7. "MIS Applications," Mr. S. Ramanathan, Senior Manager, Systems, Chemplast India Ltd., Madras, during January 9-10, 1993.
8. "Business Communications," Mr. S.H. Venkataramani, Manager, Corporate Communication, Ballarpur Industries, New Delhi, during January 15-20, 1993.
9. "International Marketing," Coordinated by Professor Amitava Chattopadhyay (Visiting faculty from McGill), during February 10-16, 1993.

2.2.5 Courses

Faculty offered 42 elective courses during the academic year 1992-93, compared to 39 in 1991-92. The six new courses that were introduced are listed below:

No.	Title	Faculty	Registration
1.	Managerial & Interpersonal Skills Workshop	C.M. Reddy	21
2.	Business Prospects in Eastern Europe	Ramnath Narayanswamy	29
3.	Manufacturing Strategy	T.S. Nagabhushana	21
4.	Financial Services	Santhana Raman	128
5.	Managerial Oral Communication	S. Raghunath and S. Nayana Tara	47
6.	International Business Negotiation Skills	P.N. Thirunarayana	25

2.2.6 Tutorials

In addition to the regular PGP classes, tutorials were introduced to all first year PGPs. These were held after the normal class hours by tutors who were chosen second year PGPs on the basis of their merit and means. The tutorial programme provided eligible second year PGPs financial support by way of honorarium and first year PGPs an informal atmosphere to understand concepts and techniques better and to clear doubts. Tutorials were held in the areas of Quantitative Methods-I, Cost & Management Accounting, Quantitative Methods-II and Market Research.

2.2.7 New Fee Structure

The annual fee, including charges for teaching materials, room rent, etc. but excluding the mess bill, was increased from Rs.3,822 in 1991-92 to Rs.13,125 per annum in 1992-93. Although the increase was steep, it was received fairly well by students as the fee had not been increased significantly in nearly three decades and as they understand the value of education IIMs provide. The fee increase was also in line with the policy initiated by the Ministry of HRD and the IIMs Review Committee of greater cost recovery in the post graduate programme in management education.

2.2.8 Financial Aid Committee

Loans

Due to sustained efforts of Administrative Officer (Technical), Lt. Col. Kamath and Mr. Sridhar Chandrashekharan, the President of Students' Association, a loan scheme was initiated (with the help of Corporation Bank) for the PGPs under their scheme Corp Intel. Loans were sanctioned to 62 students (20 of I year and 42 of II year) to cover their cost of tuition and also food expenses. The first year PGP got a loan of Rs. 25,000 each for both the years (of which an amount of nearly Rs. 12,000 was disbursed during 1992-93) and the second year students got a loan of Rs. 12,500 each.

With a view to ensure that no student is denied management education because of his inability to mobilise monetary support, a Financial Aid Committee was constituted under the Chairmanship of Professor S. Sundararajan. In addition to the loan facility from banks, the Committee took the following steps in aid of the students during 1992-93:

1. Full or partial fee waiver to ten students who needed help.
2. Raising endowments from industry and other sources. Industries are responding positively to the Institute's request to contribute to this scheme to finance scholarships for the needy students. Industry contributing to this scheme, is exempt from tax payments on these endowments.

Students Endowment

Over one hundred students of 1992 batch contributed their caution deposits amounting to more than Rs.50,000 as an endowment to future students. The interest proceeds of this endowment will be used to assist the needy PGP students.

2.2.9 Medals & Awards

On the recommendations of the PGP Committee, the Director initiated from 1992-93 two schemes for award of books to outstanding performers during the first year of the PGP:

(i) Books worth Rs.500 to the student who stands first in each section in each of the first two terms in the first year.

(ii) Books worth Rs.1,000 each to the top 5 percentile of students at the end of I year. These students will be included in the Director's Merit list.

The following are the nine PGP 1991-93 second year students, in top five percentile, who have started the Director's Merit List.

Sl.No.	Name	Roll No.
1.	Alok Agarwal	9111 009
2.	Anindya Roy	9111 052
3.	Debabrata Mukherjee	9111 059
4.	Manish Tandon	9111 071
5.	Parekh Sharma	9111 025
6.	Sanjay Dutt	9111 139
7.	Shalini Singh	9111 094
8.	Sreejib Sinha	9111 042
9.	Sridhar Chandrasekhar	9111 090

The following three students of PGP 1992-94 batch (I year) — who were ranked first in their respective sections at the end of the first term were awarded books worth Rs. 500 and were given a Certificate of Merit:

Sl.No.	Name	Roll No.	Section
1	Amit Mittal	9211 005	A
2	Gurushankar R	9211 065	B
3	Venkateswaran S	9211 145	C

The following six students of PGP 1992-94 batch (I year) — who ranked first in the end of second term (for each of the three sections there was a tie of two students) — were awarded books worth Rs. 500 and were given a Certificate of Merit:

Sl.No.	Name	Roll No.	Section
1.	Ravi Shankar Pandey	9211 032	A
2.	Debashis Poddar	9211 014	A
3.	Jayanta Kumar Banerjee	9211 067	B
4.	Mathew Cyriac	9211 072	B
5.	Ajay Kumar Bansal	9211 101	C
6.	Venkateshwaran S.	9211 145	C

2.2.10 Placement for PGP

The placement activities for 1992-93 started, as before, with the production of two placement brochures, one for summer placement and the other one for final. More than 75 companies made pre-placement presentations between November 14, 1992 and January 31, 1993. Most companies selected summer trainees when they visited for pre-placement presentations. Thus 138 students of I year PGP, 2 of FPM and 3 repeaters (91-93 PGP batch) got their summer project assignments with 52 companies.

The final placement interviews were held on campus every day from February 27, 1993, with 9-10 companies participating each day. This was a departure from the earlier practice of holding interviews on week-ends commencing in December-January, during the sixth term. For the first time, Placement interviews in 1992-93 commenced only after all the academic terms had ended. Placement was fully completed on the morning of the 8th placement day, with three of the 1990-92 PGP batch also getting their offers.

About 100 companies sent in their job requirements. We were able to accommodate 68 companies in the campus recruitment schedule. Out of 157 students of the graduating PGP class, 150 sought placement, besides 3 of the 1990-92 batch. These 153 had 231 offers to choose from. They were placed in 55 companies. Information technology companies were the most popular with 62 offers and 40 acceptances, followed by financial institutions with 43 and 31 respectively.

The areas and sectors students finally chose were as follows:

	Areas / Sectors	No.
1.	Industrial Marketing	5
2.	Consumer Marketing	28
3.	Financial Institutions	31
4.	Banking	10
5.	Engineering Industries	26 + 3
6.	Advertising Companies	8
7.	Consultancies	5
8.	Information Technology	37

13 public sector companies recruited 32 students (plus 3 alumni) and 42 private sector companies took 118. Offers made and accepted company-wise were as follows.

Details of Offers Received and Accepted

Sl. No.	Company	Offers Recd.	Offers Accptd.
1.	**INDUSTRIAL MARKETING**		
	Sri Ram Fibres	4	4
	Garware	4	-
	State Trading Corporation	3	-
	Wipro GE Medical Systems	1	1
	Sub-total of 1	12	5
2.	**CONSUMER MARKETING**		
	Asian Paints	5	2
	Blowplast	4	3
	Indian Tobacco Company	2	2
	Hindustan Lever	4	3
	Madura Coats	1	1
	Titan Watches	3	2
	Britannia Ind.	2	1
	RPG Enterprises	4	2
	Lakme Ltd.	2	1
	Ranbaxy Lab.	2	1
	Shaw Wallace	5	5
	The Times of India	1	1
	Bharat Silks	1	-
	Wipro (Consumer Products)	6	4
	Sub-total of 2	42	28

3. FINANCIAL INSTITUTIONS		
Industrial Credit & Investment	4	2
SBI Capital Markets	4	4
Prime Securities	1	-
Kotak Mahindra Finance	5	4
CRISIL	2	2
TDICI	3	3
Unit Trust of India	6	5
Indbank Merchant Banking Services	4	3
SCICI	4	4
Indl. Financial Corpn. of India	5	2
SIDBI	5	2
Sub-total of 3	43	31
4. BANKING		
Citibank	7	5
ANZ Grindlays Bank	2	1
Deutsche Bank	3	1
Export Import Bank of India	2	1
American Express Bank	2	2
Sub-total of 4	16	10
5. ENGINEERING INDUSTRIES		
ITW SIGNODE	11	7
Eicher Goodearth	9	6
GE Plastics	1	1
L & T	2	-
Crompton Greaves	4	4
Maruti Udyog	1	-
Escorts	5	4
Bharat Earth Movers	2	-
Power Grid Corporation	4+3	4+3
Sub-total of 5	42	29
6. ADVERTISING COMPANIES		
Lintas	3	3
Rediffusion	2	1
Ulka Advertising	2	1
Marketing & Research Group	2	2
Ogilvy & Mather	1	1
Sub-total of 6	10	8
7. CONSULTANCY COMPANIES		
Arthur Andersen & Company	2	-
A.F. Ferguson & Company	6	3
Tata Economic Consultancy Services	3	2
Sub-total of 7	11	5
8. INFORMATION TECHNOLOGY INDUSTRIES		
Tata Information Systems Ltd.	22	13
WIPRO	15	10
HCL-HP	4	2
COSL/CITIL	3	3
Apple Industries	9	8
Tata Consultancy Services	2	1
Sub-total of 8	55	37
Grand Total (1 through 8)	231	153

2.2.11 Nexus

The Institute held its annual Consumer Fair — NEXUS'93, during January 23-24, 1993 at RSI Foot Ball Grounds, Bangalore. A novel technique of marketing research using innovatively designed games, the Fair gets the respondent's attention and elicits spontaneous and unbiased responses. Nexus provides companies an evaluation of new products, brands, prices, packaging, corporate image and service efficiency.

Besides participation in games, 14 companies displayed their products. The Fair received an enthusiastic response from 2,500 respondents over the two days. Nexus '93 was a valuable learning experience for the 300 students who took active part in making the Fair a success.

Apart from seven marketing research games, a "Societal Project" was also undertaken this year. This project collected respondents' reactions to various public utilities like electricity, telephone and city transport services in Bangalore city. The research will help in preparing a service guide to the people of Bangalore. A "Social Audit" was also undertaken to determine perceptions of how well companies were discharging their social responsibility.

2.3 Convocations

The 17th Convocation was held on April 3, 1992. Mr. S.M. Datta, Chairman, Hindustan Lever was the Chief Guest. He spoke on "A Management Approach to Public Sector Enterprises". 189 students of the Post Graduate Programme (177 of 1990-92 batch, 10 of 1989-91 batch and two of 1988-90 batch) received the Post-Graduate Diploma in Management. Three students of the Fellow Programme received the title of Fellow of IIMB. The number of PGPs that have been graduated by IIMB went up to 1742 and the number of Fellows to 41.

The 18th Convocation was held on March 19, 1993. Chief Guest Mr. Azim Hashim Premji, Chairman, Wipro, spoke on "Business Leaders' Qualities". 159 students of the Post-Graduate Programme (143 of 1991-93 batch, 15 of 1990-92 batch and one of 1989-91 batch) received the Post-Graduate Diploma in Management. Four students of the Fellow Programme received the title of Fellow of IIMB. The number of PGP graduating from IIMB went up to 1901 and the number of Fellows to 45.

2.4 Areas

2.4.1 Finance & Control

The Area offered two training programmes in Advanced Financial Management for senior IAS Officers and two programmes for Defence Accounts Officers. Members of the Area participated as faculty in training programmes conducted by other areas.

During 1992-93, Area members offered three core courses in the first year and seven electives in the second year of PGP. The Area was involved in guiding two students of the Fellow Programme. Members of the Area were involved in major administrative responsibilities as Dean, Chairperson (PGP), Coordinator (Admissions) and Coordinator (Financial Aid Committee).

One member, Professor Premchander returned from a nine-month visit to Manchester Business School on the EFMD Exchange Programme.

Fields of interest of members of the Area include validity of the capital asset pricing model in the Indian context, capital market regulation, mutual funds, strategic financial management, financial reporting, management control systems and financial services.

2.4.2 Marketing

Area conducted two MDPs and two OBPs (listed under OBPs and MDPs) apart from offering courses on Marketing in PGP, FPM, MPT and other MDPs and OBPs.

The area had the following professors from abroad as visitors:

- Dr. Alladi Venkatesh, Professor of Marketing, University of California at Irvine, USA on July 16, 1992.
- Professor Shumeet Banerji, Assistant Professor of Marketing, The University of Chicago, USA during July 20 - August 8, 1992.
- Dr. Ram C. Rao, Professor in Marketing, The University of Texas at Dallas, USA on July 22, 92.
- Dr. Dakshinamurthy Halemane, Erasmus University, Netherlands on July 21, 1992.
- Professor Dipankar Chakravarti, Department of Marketing, Karl Eller Graduate School of Management, University of Arizona, USA during November 11-27, 1992.
- Dr. Pradeep A Rau, Associate Professor of Marketing, George Washington University USA during August 10-September 4, 1992.
- Professor P. Rajan Varadarajan, Faley's Professor of Retailing and Marketing Studies, College of Business Administration, Texas AGM University, USA during January 16 - 17, 1993.

The following four were associated with the area as visiting faculty:

Professor P.K. Sinha	1.7.1991 - 20.1.1993
Professor Ramesh Venkateswaran	1.6.1992 - 31.12.1992
Professor Peter Colaco	1.6.1992 - 31.12.1992
Dr. Amitava Chattopadhyay	2.11.1992 - 1.11.1993

An unique course "Managing Advertising Agency Operations" was offered to students desirous of pursuing a career in advertising. This was done in collaboration with Advertising Agencies Association of India.

Two non-credit courses on "Retail Management" and "Advanced Marketing Research" were offered to the II year students.

2.4.3 Organisational Behaviour, Personnel Management and Industrial Relations

The faculty strength in the area increased to 9 with the joining of a new member, Dr. Lakshmanan Prasad on October 9, 1992. However, with Mr. S. R. Bijoor taking voluntary retirement in March 1993, the faculty strength was eight at the end of the year.

Two elective courses "Managerial and Interpersonal Skills Workshop" were offered to the PGP II year students by the Area. The courses "Advanced Organisational Behaviour I & II", "Advanced Personnel Management & Advanced Industrial Relations" and "Organisational Culture" were offered to Fellow Programme students.

The Area completed the following research projects:

"Survey of Training Needs of Management Teachers" and

"Causes of Industrial Peace under Collective Bargaining: A Case Study of Mahindra and Mahindra Automotive Limited".

The Area members also developed cases for teaching and training.

Members continued to work on the following Research & Consultancy Projects:

Trade Unionism among White Collar and Professional Employment

Developing and Maintaining Distinctive Organisational Cultures

Confrontation and Collaboration in Industrial Relations

Benchmark Survey of STEP Programme.

The members of the area played a significant role in conducting workshops on 'Shop Councils' and on 'Joint Management Councils' for Karnataka Soaps and Detergents, 'Supervisory Development Programme for the first line Supervisors' of Titan Watches Limited, and 'General Management Programme' for the Executive Trainees of Sandur Manganese and Iron Ore Limited. The Area members made significant contributions in developing and conducting the long duration Management Programme for Technologists.

A book entitled **Collective Bargaining: Perspectives and Practices** by Professor B.R.Patil, a member of the Area, was published during the year.

2.4.4 Production and Operations Management

The area taught core and elective courses in Production & Operations Management for the PGP and Fellowship students. A new elective course "Manufacturing Strategies" was introduced for the PGP.

Area offered MDPs in Purchasing and Materials, Productivity Project and Quality Management and was involved in organising many OBPs and also in participating in other MDPs and OBPs. The area members were involved in the consultancy and research relevant to Production & Operations Management and have published articles in some of the current journals on connected topics.

Professor Pankaj Chandra from McGill University, Canada and Professor Klause Peter Kistner from the University of Bielefeld, Germany, visited during the year.

Professor B. Mahadevan joined the faculty during the year, taking the faculty strength in the area to 6.

2.4.5 Quantitative Methods and Information Systems

This Area consisted of nine full-time faculty members and one visiting faculty. Apart from the required courses in quantitative methods and information systems, the area offered six electives in Information Systems to PGP students during the academic year 1992-93. Two integrated courses in Artificial Intelligence and a course on Data Structures were new courses. The faculty were active in research with publications in journals, conferences and working papers.

Professor S. Krishna brought out a book **Introduction to Database and Knowledge-Base Systems** published by World Scientific.

The area offered the following two Executive Development Programmes in the field of Software Development for the first time:

Computer Applications in Probability and Statistics, MIS, Project Management and Economics for Silk Industry
April 8 - May 2, 1992.

Computer Application in Forestry for IFS Officers.
October 12 - 16, 1992.

Concentrated effort was also made to use computers in all the courses offered by the Area. The faculty were also actively associated, as resource faculty, with the Executive Development Programmes.

The area in exploring the possibility of a long term training programme concerned with Software Engineering and Management in consultation with professional societies and software organisations.

2.5 Sectors

2.5.1 Agriculture and Rural Development

The Sector completed the following consultancy assignment:

"Manpower Planning Assessment Study for Irrigated Agriculture in Madhya Pradesh"

Another assignment on "Computer Based Information System for Plantation Division of Kothari Industrial Corporation Ltd. was in progress.

The sector offered the following three sectoral courses to PGP and FPM:

"Agricultural Resource Management"
"Rural Marketing"
"Rural Economics".

Professor T.P. Gopalaswamy published three articles (listed under Publications).

Professor T.P.Gopalaswamy, along with Professor M.J. Xavier presented the following papers at the Indo-UK Workshop on Agricultural and Food Marketing, January 5-7, 1993, at Bangalore:

"Agriculture and Food Marketing: The Case of Fruits and Vegetables"

"Need for Food Marketing Curriculum in Agricultural Universities".

Professor T.P. Gopalaswamy along with Professor M.J. Xavier published the following working paper:

"Marketing of Tea: Strategies for Indian Tea Industry"

2.5.2 Education

Research

The sector faculty completed the following research project during the year:

Research study in Financial Management of Indian Universities.

Sector faculty continued to work on the following research project:

Analytical Study of Management Education Programmes.

A Management Development Programme on 'Planning and Monitoring for Educational Institutions' was held during October 1992. Principals of Colleges, Registrars of Universities and Directors of Academic Staff College participated.

A one-day Seminar on 'Implications of Supreme Court Judgment on Capitation Fee — Professional Colleges' was held during February 1993. Representatives of private managements, Directorate of Technical Education, Principals of engineering and medical colleges and legal experts participated.

2.5.3 Energy

Energy Sector faculty presented papers in:

- National Power Grid Conference held in Hyderabad on July 9, 1992.
- Electricity Privatisation Conference held by IDBI in Bombay on February 22, 1992.

Dr. V. Ranganathan guided energy policy research in African countries and edited a book on **Rural Electrification in Africa,** published by Zed Books, London in 1992.

Dr. V. Ranganathan was appointed as Director on the Board of Rural Electrification Corporation, New Delhi.

Dr. V. Ranganathan also published in the following journals:**Energy Policy**, UK, **International Journal for Energy Economics Environment**, Nova Science, New York and **Pacific and Asian Journal of Energy,** New Delhi.

Sector faculty also offered courses in Energy Sector for the Fellow Programme, and other courses like Environmental Appraisal of projects for PGP.

2.5.4 Human Settlements and Environmental Studies

The teaching, training, research and consultancy activities of the Centre for Human Settlements and Environmental Studies, in the year 1992-93, have concentrated on policy and management issues related to Urban and Regional Planning, Housing, and Services and Infrastructure Planning.

The Centre faculty participated in teaching in the Fellow programme of the Institute and also in IAS Officers' training programmes. One module of the fellow programme course on Research Methodology was taught by Dr V.K. Tewari.

Mr Sanjay Goel, FPM student, completed his thesis work on "A Strategic Planning Model to Meet the Basic Needs of Shelter".

The National Science Foundation, USA, supported research study on "Development of a Decision Support System for Improving Access to Services," in collaboration with the University of Iowa, USA, continued during the year. The Spatial Decision Support System developed in the project is now being implemented in a few districts in the planning process. As a part of the project activities, an international seminar on "Spatial Decision Support

System and Geographical Information System in Services Development Planning" was organised at the Institute from January 18 to 21, 1993.

Dr V.K. Tewari visited the University of Iowa from October 20 to November 11, 1992 to participate in the project activities.

A new research project on "Knowledge Based Decision Support System for Services Development Planning" was developed in collaboration with the University of Iowa and State University of New York at Buffalo, USA and submitted for funding to the National Science Foundation, USA.

Dr Subbarayan Prasanna provided advisory assistance to (i) HUDCO on IDSMT projects, (ii) the Kolar District Planning officials on formulation of integrational planning themes, and (iii) Urban Arts Commission, Bangalore on review of major proposals for traffic structures, arterials plan and urban form of Bangalore.

He presented a paper on "Mass Rapid Transport for Metropolitan Bangalore" (with T V Ramanayya) at a seminar at ISEC, Bangalore.

A research paper by Dr V.K. Tewari on "Improving Access to Services and Facilities in Developing Countries" appeared in the journal **International Regional Science Review**, Vol 15, Number 1,1992, West Virginia, USA, pp. 25-37.

A Technical Report on "LA-SDSS: A Spatial Decision Support System for Improving Access to Services" was also completed by Dr Tewari.

2.5.5 Population and Health Management

The sector faculty was involved with the following research activities:

- "Determination of contraceptive use dynamics" funded by WHO. A preliminary report on the above mentioned project was submitted. The final report was under preparation.
- "Effect of Mother's Education on Child Survival" funded by the Ford Foundation. Data collection work was in progress. For this purpose, a survey specialist and a number of research workers were appointed and a field project office was opened at Chikkaballapur. Ford Foundation the sponsoring organisation extended the duration of the project till December 1994.

Professor P. Bhaskaran , developed a case study on "Shenoy Hospital".

The sector faculty was involved in the following training activities:

1. Professor J.C. Bhatia provided inputs in the IAS Training programmes conducted by the Institute.

   Professor J.C. Bhatia guided and supervised the work of Ms. Manjul Menon, FPM student.

Professional Activities

Professor J.C. Bhatia undertook the following professional activities:

1. Attended the meeting of the Scientific Advisory Committee at National Tuberculosis Centre, Indian Council of Medical Research, New Delhi, on October 26, 1992.
2. Attended a meeting of the Health Management Consortium held at the National Institute of Health & Family Welfare, New Delhi on December 11 & 12, 1992.
3. Attended the expert group meeting on Integrated Child Development Services at the Indian Council of Medical Research Research on December 12, 1992.
4. Attended the workshop on Rural Medical Practitioners held at New Delhi during January 7-8, 1993 (organised by the Rural Research Institute) and presented a paper on "Reaching out the Rural Medical Practitioners :Some Experiences".
5. Delivered several lectures in the training programmes conducted by other organisations.

2.5.6 Transportation Sector

The Sector faculty completed the following two research projects:

1. Rural Transportation Study — two reports — Executive Summary and Comprehensive Report were submitted to the Ministry of Surface Transport, Government of India who is the sponsoring agency.
2. Bagalkot First Phase Study — report submitted to Government of Karnataka, who is the sponsoring agency.

The Sector took up the following consultancy projects sponsored by Kakinada Port Trust, Government of Andhra Pradesh:

1. Socio-Economic Impact of Kakinada Port Expansion Project
2. Hazard Analysis for Transportation of Goods at Kakinada Port.

The main objectives of the above studies are:

- Assessment of the current socio-economic profiles of the labour force, covering incomes and expenditures, work-residence relations, job diversification potential; and demographic features;
- Development and maintenance of infrastructural facilities to cope with the possible expansions and diversification of economic activities;
- To develop a hazard analysis plan for transporting and handling of LPG to achieve and ensure high safety levels, i.e., to create and maintain an accident-free operation with all the necessary precautionary measures.
- Bagalkot Second Phase Study sponsored by Government of Karnataka.

The Sector was involved along with Habitat Sector faculty, in the following two projects:

1) Assistance in review/assessment of major proposals for traffic resources in Bangalore, sponsored by Urban Art Commission, Bangalore.
2) Preliminary Arterials Plan for Bangalore City — a demonstration of mapping and planning the physical geometry of arterials in order to achieve better structural/functional efficiency.

Publications

The Sector faculty published four papers as under:

1) Changes in the Rural Transport Scene in Southern India and Rural Development Implications, presented in the International Conference in France.
2) Simulation of Mixed Traffic Movement, presented at National Conference at IIT, Madras.
3) Rural Passenger Travel Characteristics — A Study of South India, accepted for publication by Indian Roads Congress.
4) Transport Policies for Metro Cities — A Comparison of India with South East Asian Countries, published in the Journal of Indian Engineering.

A paper entitled Mass Traffic Transport for Metropolitan Bangalore — Alternatives and Issues, was presented at a Seminar organised by Railways Fare and Freight Commission at ISEC, Bangalore.

2.5.7 Centre for International Management

During the year 1992-93, the Centre for International Management faculty offered two new courses in addition to the earlier six electives. The two new courses were:

1) Business Prospects — Eastern Europe
2) International Business Negotiations

Seminar

(Organised by Prof. Ramnath Narayanswamy) IIMB in collaboration with Centre for Research into Communist Economies, London and International Centre for Research into Economic Transformation, Moscow organised an international conference on Economic Transformation and Business Opportunities in the CIS and Eastern Europe during November 23-25, 1992.

(S. Shiva Ramu) Presented a paper on **Global Manager: Indian Perspective** for a Seminar on Business Strategies for Globalisation, held on February 19 - 20, 1993 at Coimbatore, organised by the Department of Management Sciences, PSG College of Technology, Coimbatore, in collaboration with Confederation of Indian Industry (Southern Region). He also chaired the session on Global Managers.

Fellowship student (S. Ramesh Padmanabhan) participated in the eighth Industrial Marketing and Purchasing Conference in Lyon, France during September 3-5, 1992 and presented a paper entitled **"International Business to Business Marketing Strategies: The Indian Case".**

Professor R.K. Vijayasarathy left on October 5, 1992, on EFMD assignment at Nijenrode University in the Netherlands as visiting faculty.

Besides seven Working Papers, CIM faculty published several research articles.(listed under publications).

2.6 Management Programme for Technologists - MPT

IIMB embarked on a strategy of achieving greater interaction with industry by mounting more socially relevant and revenue generating programmes and research. One such programme was the nine-month Management Programme for Technologists (MPT), the first of its kind to be offered by any IIM. The Programme, launched in cooperation with the Confederation of Indian Industry (CII), is aimed at strengthening the manufacturing base of the country. The fee is Rs.50,000/-, which will cover tuition materials, computer time, accommodation and board.

The MPT is a 39-week full-time residential professional development programme for working engineers and technologists. It aims at developing among technologists managerial skills, knowledge, attitudes, values and vision that will contribute to long-term personal and organisational growth.

The first Management Programme for Technologists (MPT) was launched on August 24, 1992.

Mr. H.R. Alva, Chairman of the Karnataka CII inaugurated the Programme, which had twenty four participants — 12 each from public sector and private sector, sponsorsed by 14 companies. The first term of the programme was completed in November 1992. The second term started from November 30, 1992 and ended on February 20, 1993. The participants will be giving a presentation of their projects during May 2 - 20, 1993.

2.6.1 Curriculum

The first phase of 6 months has intensive inputs in the following areas: Production and Operations Management and Organisational Behaviour, Personnel Management and Industrial Relations, Economics and Social Sciences, Finance and Control, Corporate Strategy and Policy, Quantitative Methods and Information Systems and Marketing.

During the second phase, participants will work on a project, chosen earlier. The project work is to be done individually under the guidance of IIMB faculty and in association with a manager from the sponsoring company. During the last month, the participants will prepare their project reports and present them before the participants, faculty and invited representatives from the companies.

2.6.2 Administration

MPT is a joint effort of IIMB and the participating organisations to build leadership from a foundation of technology, quality and manufacturing. IIMB will endeavour to make MPT an effective instrument in this direction. To direct this evolution, there are two overlapping committees:

MPT Advisory Committee and
MPT Academic Committee.

The MPT Advisory Committee is chaired by Mr. Vikas Deshmukh, an industry executive interested in the education of technologists and has as its members, the Faculty Coordinator of MPT, who is also the present Dean and seven members drawn from the programme faculty as well as members from the industry.

The MPT Academic Committee is chaired by Professor S.G. Lele, Dean and the MPT faculty coordinator and has as its members, some members from the programme faculty, and four members each from industry and alumni.

The MPT Coordinator is Professor S.G. Lele, who is supported by Administrative Officer [EDP], Mr. H.V. Hirannaiah.

The members of these two committees are listed overleaf:

MPT Advisory Committee

Chairman

Mr. Vikas Deshmukh
Managing Director
Tata Elxsi (India) Limited
123, Richmond Road, Bangalore 560 025

Members

1. **Mr. H.R. Alva**
Director-Personnel
HMT Limited, 36
Cunningham Road
Bangalore 560 052
2. **Mr. Anil Sachdeva**
Director-in-charge
Eicher Consultancy
Services Limited
12, Commercial Complex,
Greater Kailash
(Masjid Moth),
New Delhi 110 048
3. **Mr. V.S. Mahesh**
Corporate Vice President - HRD
WIPRO Limited
Bhaktavar, 229, Nariman Point
Bombay 400 021
4. **Mr. S.K. Sharma**
Senior Vice President (Commercial)
MICO, Hosur Road
Bangalore 560 030
5. **Mr. A.P. Parigi**
Chief Executive
Batliboi Financial Services
99/2 & 99/3, NR Road,
Bangalore 560 052
6. **Prof. Janat Shah**
Indian Institute of Management
Bangalore 560 076
7. **Prof. Shankar G. Lele**
Dean & MPT Coordinator
Indian Institute of Management
Bangalore 560 076

MPT Academic Committee

Chairman

Prof. Shankar G. Lele
Dean & MPT Coordinator
Indian Institute of Management
Bangalore 560 076

Members

1. **Prof. S. Jagadish**
Indian Institute of Management
Bangalore 560 076
2. **Prof. Janat Shah**
Indian Institute of Management
Bangalore 560 076
3. **Prof. M.J. Xavier**
Indian Institute of Management
Bangalore 560 076
4. **Prof. S. Sundararajan**
Indian Institute of Management
Bangalore 560 076
5. **Prof. J. Ramachandran**
Indian Institute of Management
Bangalore 560 076
6. **Mr. B.V. Ramanna**
Additional G.M - HRD
Bharat Electronics
116, Trade Centre
Race Course Road
Bangalore 560 001
7. **Mr. T.A. Sadasivan**
Divisional Manager - Trg. & Orgn. Devt.
WIDIA India Limited
8/9th Mile, Tumkur Road
Bangalore 560 073
8. **Mr. A. John Idicula**
Manager - HRD
Bhoruka Steels Limited
Whitefield Road
Mahadevapura Post
Bangalore 560 048
9. **Mr. Y. Sriram**
Deputy General Manager - HRD
Asea Brown Boveri Limited
Sona Towers
71, Millers Road
Bangalore 560 052

Invitees

1. **Dr. K.R.S. Murthy**
Director
Indian Institute of Management
Bangalore 560 076
2. **Mr. Mohan Murti**
Director
Confederation of Indian Industry
No.604, North Block (Rear Wing)
6th Floor, Manipal Centre
47, Dickenson Road
Bangalore 560 042
3. **Mr. J.M. Prasad**
General Manager - HRD
Tata Elxsi (India) Limited
123, Richmond Road
Bangalore 560 025

The second MPT is scheduled to start at the end of September 1993, with participants limited to about 30, in view of the shortage of residential accommodation on Campus.

3. MANAGEMENT DEVELOPMENT PROGRAMMES

In 1992-93, twelve MDPs were conducted. The average duration was 4.1 days. The average participation per MDP was 15. Two of the 15 MDPs announced had to be cancelled for want of nominations and one was postponed to April 1993. Efforts are continuing to increase the number of participants per programme and to reduce the number of cancellations.

3.1 MDPs Conducted

The twelve MDPs conducted during April 1, 1992 - March 31, 1993 had a total participation of 177. The details of the twelve MDPs are given below:

No.	Title of the Programme	Dates	Duration (days)	No.of Participants
1.	Project Management	1 - 5 Jun 92	5	7
2.	Business Opportunities in Eastern Europe and the Commonwealth of Independent States	20 - 24 Jul 92	5	13
3.	Creating Breakthrough in Service	27 - 31 Jul 92	5	12
4.	Purchasing and Materials Management	27 - 30 Jul 92	4	16
5.	Productivity Management	5 - 7 Aug 92	3	10
6.	Strategic Marketing Excellence (Pharmaceutical Products)	1 - 4 Sep 92	4	25
7.	Management of Growth	14 - 16 Oct 92	3	30
8.	Planning & Monitoring for Educational Institutions (SP)	19 - 23 Oct 92	5	18
9.	Introduction to Object-Oriented Information Technology	15 - 16 Jan 93	2	20
10.	Quality Management	1 - 3 Feb 93	3	6
11.	Structured Design Using Case Tools	1 - 5 Feb 93	5	7
12.	International Corporate Finance	8 - 12 Feb 93	5	13
			49	177

3.1.1 Participation

No.	Total Participation	No.of Days	Average Duration	Average Participation
12	177	49	4.1	15

Private Sector : 122 Public Setor : 9 Government : 46

3.1.2 Areawise Break-up

Area	Offered	Programmes Cancelled	Held
POMA	4	-	4
Marketing	2	-	2
Economics & Social Sciences	2	1	1
General Management	1	-	1
Centre for International Management	1	-	1
QMIS	4	1	2
Education	1	-	1

4. ORGANISATION BASED PROGRAMMES

The Institute conducted 28 programmes during the year as compared to 15 in 1991-92. The number of programme days increased from 136 to 298 and participants from 306 to 572.

Apart from a near doubling in the level of OBP activity, the highlight of the year was better performance in terms of programmes for private sector organisations. Compared only to the two OBPs in private sector in 1991-92, we did 8 programmes for the private sector during 1992-93 including six supervisory development programmes for Titan Watches.

Another highlight was the long duration of some of the programmes. One was a three-month General Management programme for executive trainees of the Sandur Manganese and Iron Ore Limited.

The break up of programmes conducted was as follows:

Government departments including IAS programmes	8
Public sector organisations	12
Private sector organisations	8

4.1 OBPs Conducted

Sl. No.	Title of the Programme	Organisation	Faculty	Dates Leader(s)	Duration in Days	No. of Participants
1.	Computer Applications in Probability and Statistics, MIS, Project Management and Economics for Silk Industry	Central Silk Board	VB Kaujalgi V Nagadevara	Apr 8 - May 2 1992	21	21
2.	Financial Management	Indian Defence Accounts	Vatsala Nagarajan	Apr 27 - May 22 1992	23	16
3.	Financial Management	Unit Trust of India	R Vaidya-nathan	May 25 - June 5 1992	10	20
4.	Effective Marketing	Bharat Electronics	RK Vijaya-sarathy & S Shiva Ramu	June 15 - 27 1992	12	18
5.	Marketing Programme for Showroom Managers	Coir Board	MJ Xavier	June 29 - July 1 1992	03	17
6.	3-Week Middle Level IAS Programme	Dept of Per-sonnel & Training, GOI	N Naganna & TV Ramanayya	July 13 - Aug 1 1992	17	21
7.	Financial Management for IAS Officers	Dept of Per-sonnel & Training, GOI	S Raghunath	August 3 - 8 1992	05	24
8.	Management Programme for Executive Trainees	The Sandur Manganese and Iron Ores Ltd.	S Sundara-rajan Janat Shah CM Reddy MJ Xavier	Aug 24 - Nov 13	70	09

9.	Management Orientation Programme - Batch I	B H E L, Bhopal	PK Sinha	August 17 - 27 1992	10	25
10.	Management Orientation Programme - Batch II	B H E L, Bhopal	LS Murthy	Sep 21 - Oct 1 1992	10	25
11.	Financial Management Accounts	Indian Defence	Vatsala Nagarajan & S Raghunath	Sep 7 - 26 1992	18	13
12.	Computer Application in Forestry for IFS Officers	Min. of Environment & Forest	S Krishna	Oct 12 - 16 1992	05	27
13.	Programme on Public Policy Analysis for IAS Officers	Dept of Personnel and Training, GOI	Shyamal Roy	Nov 2 - 6 1992	05	35
14.	Financial Management for IAS Officers	Dept of Personnel and Training, GOI	Prasanna Chandra and S Raghunath	Nov 16 - 20 1992	05	24
15.	3-Week Middle IAS Programme	Dept of Personnel and Training, GOI	V Ranganathan S Nayana Tara	Nov 23 - Dec 12 1992	17	23
16.	Programme on Industrial Policy Planning and Development for IAS Officers	Dept of Personnel and Training, GOI	Ranajit Dhar	Dec 14 - 18 1992	05	12
17.	Supervisory Development Programme	Titan Watches Limited	BR Patil	6 programmes during Oct 28 - Dec 2, 1992	18	25 each
18.	Operations Research in Financial Management	O N G C	Premchander	Jan 4 - 8 1993	05	19
19.	3-Week Middle Level Programme for IAS Officers	Dept of Personnel and Training, GOI	V Nagadevara V Anand Ram	Jan 4 - 23 1993	17	11
20.	Financial Information	ONGC	S Jagadish	Feb 22 - 25 1993	4	21
21.	International Capital Markets: Trends Development and Innovation	ONGC	P G Apte	Mar 2 - 5 1993	4	13
22.	Project Management	Kirloskar Sydergeneral Ltd.	S N Chary	Mar 13-15 1993	3	21
23.	Perspectives on Negotiating Skills, Effective Communication and Management Techniques	Foreign Diplomats from Vietnam, CIS, Eastern Europe and Africa	S.Raghunath	Mar 22-26 1993	5	26

The faculty completed ten research projects during the year and initiated eleven new projects. Twenty nine projects sponsored by IIMB and various organisations such as National Science Foundation, Washington D.C., WHO, Switzerland, Ford Foundation, National Institute of Health and Family Welfare, New Delhi, Madras Refineries Limited, Madras and National Institute of Educational Planning and Administration, New Delhi were in progress at the end of the year.

5.1 Projects Completed

The following ten research projects were completed during the year:

Sl. No.	Project	Funding Agency	Faculty
1.	A Survey of Training Needs of Management Teachers	IIMB	V Anand Ram
2.	The Statewise Percapita Domestic Product of Major Industries in India — A Comparative Study (1980-81 to 1988-89)	IIMB	R Rajalakshmi Research Fellow
3.	Structural Changes in the Composition of Costs in Coal Mining Industry	IIMB	N Naganna
4.	Indian Borrowing on International Capital Markets in the Eighties	IIMB	Indira Rajaraman
5.	Performance of Existing Issues in the Indian Capital Market (adjusting for earnings and measuring the market risk)	IIMB	R Vaidyanathan
6.	Current State of Economic Reforms in Eastern Europe	IIMB	Ramnath Narayanswamy
7.	Service Advertising	IIMB	P K Sinha
8.	Causes of Industrial Peace — A Case Study of Mahindra and Mahindra Automative Division, Bombay	Mahindra and Mahindra, Bombay and IIMB	B R Patil
9.	Time Utilisation and Productivity of Selected Manpower Categories of the Helath Teams	World Health Orgn. Geneva	B Ghosh
10.	Excellence through Political Intervention — A Case Study of a Cooperative in Karnataka	Institute of Rural Management Anand	S T Somashekhara Reddy Research Fellow

17.	Designing and Interlinking Traffic Signals Using 'TRANSYT'	Bangalore City Corporation	T V Ramanayya K M Anantharamaiah
18.	Financial Management of Indian Universities	National Institute of Educatiional Planning and Administration, New Delhi	Malathi Somaiah
19.	Development of a DSS for Improving Locational Efficiency of Service Systems, Washington D.C.	National Science Foundation	V K Tewari

6.1 IIMB Management Review

IIMB Management Review is a bi-annual journal of the Institute. During 1992, Volume 7, No.1 was brought out.

6.2 IIMB News

IIM-B News is a monthly publication on campus activities/events of interest to IIMB community, well wishers and Alumni. During 1992-93, 12 issues were published and circulated among the Faculty, Board Members and Alumni.

6.3 Other Publications

6.3.1 Books

Krishna S, Introduction to Data Base and Knowledge Base Systems
World Scientific Publishing Company
New Jersey, New York, April 1992.

Chary S.N, Indian Exports to Europe,
Ashish Publishing House
New Delhi, September, 1992.

Ranganathan V, Rural Electrification in Africa
(Book edited), Zed Books Ltd., London, 1992

Patil B.R, Collective Bargaining: Perspectives and Practices, Orient Longmans (India) Limited January, 1993.

Prasanna Chandra, The Investment Game: How to Win?, Tata McGrawhill Publishing Company New Delhi, August, 1992.

6.3.2 Articles

Apte P.G, "Unit Roots, Cointegration and Spot and Forward Exchange Rates of the Rupee", **Journal of Foreign Exchange and International Finance,** Vol.6, No.2, 1992.

Gopalaswamy T.P, "Abolition of Agricultural Subsidies: Radical Changes Required", **Deccan Herald,** May 25, 1992.

"Coffee Marketing: A New Challenge", **Deccan Herald**, October 26, 1992.

Malathi Venugopal, "Role of Education in National Development", **Deccan Herald,** June12,1992.

"Japan's Education System and the Japanese Miracle", **Journal of Educational Research and Extension,** Vol. 28, No.4, April, 1992.

Ramnath Narayanswamy, "Regulation Theorists and East European Reform Economics", **Economic and Political Weekly,** Bombay, May 2, 1992.

"Going Global in Eastern Europe: The First Steps", **The Observer for Business and Politics,** Bombay, October 23, 1992.

"German Reunification: Some Imponderables", **International Journal of Development Banking,** Bombay, Vol. 10, No.2, July,1992.

Narayanaswamy R, "Accounting for Leases for Lessees in India: Some Evidence of Economic Impact", **The International Journal of Accounting,** 1992.

Nagabhushana T.S, "Small Scale Entrepreneurs and Managers — Need for a Symbiotic Relationship", **SEDME Journal of NISIET,** 1992.

Prasanna Chandra, "Privatisation", **IIMB Management Review,** Vol.7, No.1 January-June, 1992.

Raghunath S, "Successful Implementation of Management by Objectives in City Administration", **The Administrator,** October-December 1991 (Joint author).

Ranganathan V, (with Mrs. S. Shantha) "Economic Evaluation of Bio-Gas Plants", **Pacific and Asian Journal of Energy,** New Delhi, December 1992.

Shiva Ramu S, "MNCs and India's New Economic Policy", **`Global and Indian Trade Policy Changes',** Bibek Debroy (Ed.), Anupama Publications, New Delhi.

Somashekhara Reddy S.T,"Nava Dhanya: Non-Violent Concept for Sustainable Agriculture", Special Issue on Environment

New Economic Policy (NEP) and Agriculture: Stepping Backwards" **Journal of Madhyam Communications,** January 1993.

Thirunarayana P.N, "Self Managed Learning MBA: An Enterprising Approach to Learning," **TMTC Journal of Management,** Vol.2, No.1, June 1992.

Vaidyanathan R, "Structure of the Indian Economy and the Relevance of the Economic Reforms," **IIMB Management Review,** Volume 7, Number 1, January-June 1992.

"Now is the Time for Changing the Financial Year", **The Pioneer,** April 6, 1992.

"Galloping Horse of Unincorporated Sector", **The Pioneer**, May 2, 1992.

"Adjusted Earnings Per Share" (with Mr. Subrata Ray, FPM Student), **The Hindu,** August 6, 1992.

"Estimation of Market Risk and Securities" (with Mr. Subrata Ray), **Banking Finance**, No.7, July 1992.

Xavier M.J, "Pro-active Management — The Panchatantra Way", **Economic Times,** April 12, 1992.

"Why Marketing Research", **Deccan Herald,** April 13, 1992.

"Loyalty in the Market Place", **Deccan Herald,** April 20, 1992.

"Customer Satisfaction: Key to Good Marketing", **Deccan Herald,** July 13, 1992.

"Apparel for the Bare Product", **The Hindu,** July 20, 1992.

"Hitting the Target", **Deccan Herald,** June 22, 1992.

"Strategies to Lift Sagging Sales", **The Hindu,** September 10, 1992.

"Product Positioning and the Customer", **Deccan Herald,** September 28, 1992.

Xavier M.J and T.P Gopalaswamy, "Fruits and Vegetables Marketing: Concerted Efforts Vital", **Financial Express**, November14, 1992.

6.3.3 Paper Presentation at Seminar/Conference

Anantharamaiah K.M & Ramanayya T.V: "Changes in Rural Travel Characteristics in Southern India", Sixth World Conference on Transport Research in Lyon, France, June 29 - July 3, 1992.

Bhatia J.C: "Reaching Out the Rural Medical Practitioners: Some Experiences", Workshop on Rural Medical Practitioners, New Delhi, January 7-8, 1993.

Gopalaswamy T.P & Xavier M.J:
"Agriculture and Food Marketing: The Case of Fruits and Vegetables". "Need for Food Marketing Curriculum in Agricultural Universities", Indo-UK Workshop on Agricultural and Food Marketing, January 5-7, 1993, Bangalore.

Kaujalgi V.B & Rao A.K: "Forecasting Model for the Transportation Sector in a Developing Country", International Conference on Operations Research at Ahmedabad, December 14-16, 1992.

Krishna S: "A Programme for Quality and Productivity Improvement in the Indian Software Industry" (coauthored with Thomas Abraham), Conference held at St. John's University, New York, November 14, 1992.

Murthy K.R.S: "An Appraisal of Technology Policy with reference to Current Liberalised Economic and Industrial Policies", at the Seventh Indian Engineering Congress, Madras on February 15, 1993.

Ramnath Narayanswamy: "Some Reflections on the Globalisation of Industry", Conference organised by the Confederation of Indian Industry (Southern Region) and Konrad Adenauer Stiftung, Madras, September 24 - 25, 1992.

"The Bumpy Road to the Market in Russia and Eastern Europe", International Conference on India and Restructured Europe, Netherlands, December 7-10, 1992.

Rao A.K and Rao M.R: "On the Economic Sizing of Ware Houses", Silver Jubilee Convention of ORSI, Ahmedabad, December 17-19, 1992.

Rao A.K and Rajagopalan S: "Vehicle Routing", Silver Jubilee Convention of ORSI, Ahmedabad, December 17-19, 1992.

Ramanayya T.V and Subbarayan Prasanna "Mass Transportation for Bangalore City", Conference at the Institute for Social and Economic Change, Bangalore, November 27-28, 1992.

Ranganathan V: "Integrated Power Systems Operation — Issues and Possible Solutions", All India Seminar on Formation of National Grid, Hyderabad, July 9, 1992.

Raghunath S: "Business Opportunities in Czechoslovakia: The Enterprise Perspective", (Coauthored with Professor J. Ramachandran) Conference on 'Economic Transformation and Business Opportunities in CIS and Eastern Europe', November 23-25, 1992, Bangalore.

Shekar B: "Functional Aberrations in Knowledge-Based Classifications", "Temporal Modelling of Multiple-Execution Sequences in Knowledge-Based Functional Clusters", Pacific Rim International Conference on Artificial Intelligence (PRICAI)-1992, Seoul, September 13-19, 1992.

"A Knowledge Representation Structure for Intelligent Systems", Discussion Meeting on 'Scientific Databases in India', October 12-13, 1992, Bangalore.

Shiva Ramu S: "Global Manager: Indian Perspective", Seminar on 'Business Strategies for Globalisation', February 19-20, 1993, Coimbatore.

Somashekhara Reddy S.T: "River Krishna Basin: Developmental Impact, Conflict and Alternatives", Workshop on 'Cooperation for Himalayan Water', February 27-28, 1993 Kathmandu, Nepal.

"Groundwater — Farmers Managed Irrigation Systems (FMIS): At Whose Cost? — A Case Study from Karnataka", South Asia Regional Workshop on Ground Water — FMIS and Sustainability of Ground Water, May 18-21, 1992 Dhaka, BanglaDesh.

"Excellence Through Political Interaction? — A Case Study from Karnataka" Symposium on Management of Rural Cooperatives, December 7-11, 1992, Anand.

Xavier M.J and Gopalaswamy T.P: "Marketing of Fruits and Vegetables — Present Position and Future Prospects", fourth International Conference on Marketing and Development, January 7-10, 1993, Cost-a-Rica, South America.

6.3.4 Working Papers

The Working Paper Series was started in 1991 with a view to facilitate the exchange of ideas among academicians and professors. The following 23 working papers were brought out during the year 1992-93:

1. India's New Economic Policy : Its Immediate Impact
   .. **S. Shiva Ramu**
2. Structure of the Indian Economy and the Relevance of the Economic Reforms
   .. **R.Vaidyanathan**
3. Management Education in India
   .. **C.M. Reddy**
4. The Challenge of Accounting Standards
   .. **R.Narayanaswamy**
5. A Neural Model Based Approach for Loan Evaluation
   .. **B. Shekar &**
   R.S. Desikan
6. Strategies for Cotton Yarn Export: An Object Oriented Approach
   .. **R.S.Desikan &**
   S.R. Padmanabhan
7. EMPOV-II Model: Basic Needs Availability and Appropriate Pricing and Income Policies for Poverty Alleviation
   .. **R. Dhar**
   M.R. Rao
   Sanjay Goel
8. Formulations for the Multi-Item Lot Sizing Problem with Joint Replenishments — Some Extensions
   .. **A.K. Rao**

9. Determination of Optimal Weights for Different Components of a Given Selection Procedure
.. **A.K. Rao & Kalyani Gandhi**

10. Economic Sizing of Warehouses When There Are Restrictions on Hiring of Warehouse Space: An Integer Programming Approach
.. **A.K. Rao**

11. Indian Borrowing on International Capital Markets in the Eighties
.. **Indira Rajaraman**

12. Marketing of Tea: Strategies for Indian Tea Industry
.. **T.P. Gopalaswamy & M.J. Xavier**

13. A Note on Economic Sizing of Warehouses : A Linear Programming Approach
.. **A.K. Rao & M.R. Rao**

14. Developing an Indian Global Manager
.. **K.R.S. Murthy**

15. Some Reflections on the Globalisation of Indian Industry
.. **Ramnath Narayanswamy**

16. Industrial Relations in India : An Overview
.. **B.R. Patil**

17. First Lessons of the Bumpy Road to the Markets in Russia and Central Europe
.. **Ramnath Narayanswamy**

18. Foreign Investments in India
.. **S. Shiva Ramu**

19. Service Advertising in India
.. **P.K. Sinha**

20. When Will We Go Global ?
.. **S.N. Chary**

21. Overview of Software Industry in Germany
.. **V.B. Kaujalgi**

22. ZIB — A Case Study of Scientific Software Development Organisation
.. **V.B. Kaujalgi**

23. Infrastructure Planning Problems in Small and Medium Towns
.. **Subbarayan Prasanna**

24. Research in Policy Analysis — The Approach Paradigms
.. **Subbarayan Prasanna**

25. Current State of Economic Reforms in Eastern Europe
.. **Ramnath Narayanswamy**

26. Small Business : Promotion of Exports and Technology
.. **S. Shiva Ramu**

27. Bharat Electronics Limited — Case on Marketing
.. **S. Shiva Ramu**

28. Export Market Strategy
.. **S. Shiva Ramu**

29. On an Evaluation and Optimisation Model for Media Planning
.. **A.K. Rao & M.R. Rao**

7. CONSULTANCY

The faculty completed 12 consultancy projects during the year spending about 114 faculty days.

The number of projects completed was twice that in the previous year. Three were for companies in the private sector, three for public sector, one for an educational institution, four for government departments and one for a DANIDA assisted Indian project.

Three projects were initiated during the year, of which two were for the Government of Andhra Pradesh.

Nine projects carried over from previous years were in progress.

7.1 Summary

A summary of the faculty's consultancy/OBP logging for the calendar year 1992 is furnished below:

Total number of faculty		63
OBP days		330
Consultancy Days		113.5
Professional Activity		330
	Total	773.5
Average Days per faculty		12

7.2 Projects Completed

The faculty completed the following twelve consultancy projects during the year :

Sl No.	Name of the Project	Funding Agency	Faculty
1.	PERT-CPM for the Bagalkot Reallocation Project	Bagalkot Town Development Authority	A V Shanmugam
2.	Poultry Development in India	Venkateshwara Hatcheries Limited	Shyamal Roy
3.	Management Course for Middle Level Officers dealing with Integrated Development Services	Integrated Child Development Services	B Ghosh
4.	Retainer Consultancy	WIDIA India Limited	R Vaidyanathan
5.	Retainer Consultancy	DANIDA	A V Shanmugam
6.	Development Course Structure for Diploma	Central Silk Board	V B Kaujalgi
7.	Marketing Strategy	Karnataka Handloom Development Corporation Limited, Bangalore	R K Vijayasarathy
8.	Revision of Incentive Scheme	Karnataka State Agro Corpn. Products Limited	M R Gopalan
9.	Admission Test for MBA Students	Sri Krishnadevaraya University, Ananthapur	Malathi Somaiah
10.	A Service Concept for SIEMENS	SIEMENS, Bangalore	P K Sinha
11.	Manpower Assessment for Irrigated Agriculture	Government of Madhya Pradesh	B R Patil Shyamal Roy
12.	Rural Transportation Study	Ministry of Transport, Government of India	T V Ramanayya

7.3 Projects Initiated

The following three projects were initiated during the year :

1.	Socio-Economic Impacts of Kakinada Port Expansion Projects	Kakinada Port Project Andhra Pradesh	T V Ramanayya N Naganna
2.	Hazard Analysis for Transportation for Liquid Petroleum Goods at Kakinada Port Project	Kakinada Port Project Andhra Pradesh	T V Ramanayya N Naganna
3.	Restructuring of FCI as Holding Company	FCI, New Delhi	Ramesh Mehta

7.4 Ongoing Projects

The following nine projects were in progress during the year:

1.	Benchmark Survey Under STEP Programme	Karnataka Handloom Developmen Corporation, Government of Karnataka	B R Patil
2.	Wood Balance Study	Government of Karnataka	V Ranganathan
3.	Study on Rent Control Act	Government of Karnataka	V K Tewari
4.	Assessment of Economic Potential of Various Decentralised Energy Sources	Government of Karnataka	V Ranganathan
5.	Rehabilitation of Bagalkot Town	Bagalkot Township Development Authority	K M Anantharamaiah B K Chandrashekhar
6.	Market Survey on Integrated Circuits	Semiconductor Complex Limited, Chandigarh	P Bhaskaran
7.	Computer-based MIS for Plantation	Kothari Industrial Corporation Limited, Madras	S Jagadish T P Gopalaswamy V Nagadevara
8.	Retainer Consultancy	ACC Limited	P N Thirunarayana
9.	Uneven Production	ITI, Bangalore	T S Nagabhushana

7.5 Proposals Sent

The following three proposals were sent during the period:

1.	Socio-economic Benchmark Survey in Command Area of Hemavati Canal Zone, Tumkur	Government of Karnataka (Irrigation Department)	Shyamal Roy
2.	Organisational Study for Preparation of a Perspective Plan for NAFRD, New Delhi	National Agriculture Cooperative Marketing Federation of India (NAFRD)	T.P. Gopalaswamy
3.	Preparation of Corporate Plan for KFDC, Bangalore	KFDC, Bangalore	J. Ramachandran

8. FOUNDATION DAY

The 19th Foundation Day was celebrated on October 28, 1992.

Justice Mr. E.S. Venkataramaiah, Former Chief Justice of India, delivered the Foundation Day Lecture on
"Law Relating to Industrial Property in India".

Faculty, students and staff jointly gave a cultural show on the eve of the Foundation Day.

9. FACULTY

Director

Dr. K.R.S. Murthy

Professors

1. V. Anand Ram
2. K.M. Anantharamaiah
3. P.G. Apte
4. P. Bhaskaran
5. J.C. Bhatia
6. B.K. Chandrashekhar
7. S.N. Chary
8. P.V George
9. B. Ghosh
10. M.R. Gopalan
11. T.P. Gopalaswamy
12. R.K. Herlekar
13. Indira S. Rajaraman
14. S. Jagadish
15. V.B. Kaujalgi
16. S. Krishna
17. S.G. Lele
18. T.S. Nagabhushana
19. V. Nagadevara
20. N. Naganna
21. K.B. Nair
22. Prasanna Chandra
23. T.V. Ramanayya
24. Ramesh Mehta
25. Ranajit Dhar
26. V. Ranganathan
27. A.K. Rao
28. S. Shiva Ramu
29. Shyamal Roy
30. Subbarayan Prasanna
31. R.G. Tagat
32. V.K. Tewari
33. P.N. Tirunarayana
34. R. Vaidyanathan
35. R.K. Vijayasarathy

Associate Professors

1. Kalyani Gandhi
2. Malathi Somaiah
3. Mira Bakhru
4. B. Narasinga Rao
5. R. Narayanaswamy
6. B.R. Patil
7. Lakshmanan Prasad
8. R. Ravikumar
9. S. Sampangiramaiah
10. S. Sundararajan
11. M.J. Xavier

Assistant Professors

1. Janat Shah
2. B. Mahadevan
3. C. Manohar Reddy
4. L.S. Murthy
5. S. Nayana Tara
6. Premchander
7. S. Raghunath
8. S. Rajagopalan
9. J. Ramachandran
10. Ramnath Narayanswamy
11. B. Shekar
12. Sharat Chandra Davala

Visiting Faculty

1. Amitava Chhatopadhyay
2. S.V. Bokil
3. R.K. Lal
4. George Varughese
5. M.R.Rao

Faculty Research Associate

1. M. Siddappa

9.1 Faculty Appointments

9.1.1 Cadre Appointments

The following six faculty joined the Institute during 1992-93 on cadre appointments:

Sl. No.	Name & Designation	Area of Specialisation	Date of Joining
External			
1.	Dr.J. Ramachandran Assistant Professor	Corporate Strategy and Policy	May 22, 1992
2.	Dr. S. Raghunath Assistant Professor	Corporate Strategy	June 1, 1992
3.	Dr. B. Mahadevan Assistant Professor	POMA	November 30, 1992
4.	Dr. Sharat Chandra Davala Assistant Professor	OB, PM & IR	March 31, 1993
Internal			
5.	Dr. S. Krishna Professor (Joined the Institute as Associate Professor on 7.1.1991)	QMIS	July 1, 1992
6.	Dr. Lakshmanan Prasad Associate Professor (Joined the Institute as Visiting faculty on 30.6.1992)	OB, PM & IR	October 10, 1992

9.1.2 Visiting Faculty

The following visiting faculty were associated with the Institute during 1992-93 :

1.	P.K. Sinha	Marketing	July 1, 1991 to January 20, 1993
2.	Ramesh Venkateswaran	Marketing	June 1, 1992 to December 31, 1992
3.	Peter Colaco	Marketing	June 1, 1992 to December 31, 1992
4.	Dr. S.V. Bokil	Economics	September 9, 1992 to September 8, 1994
5.	M.R. Rao	QMIS	September 1, 1992 to April 15, 1993
6.	Dr. Amitava Chattopadhyay	Marketing	November 2, 1992 to Noember 1, 1993
7.	Dr. George Varughese	Finance	March 31, 1993 to March 30, 1995

9.2 Retirement/Resignation

The following four faculty retired/resigned from the services of the Institute during the year:

Superannuation

Vatsala Nagarajan, Professor, Finance & Control Area, retired from the services of the Institute on September 30, 1992. She joined the Institute on February 1, 1974 and was the Dean from April 18, 1991 to September 30, 1992.

Voluntary Retirement

1.	A.V. Shanmugam Professor	Health Sector	August 31, 1992
2.	S.R. Bijoor Associate Professor	OB, PM & IR Area	March 19, 1993

Resignation

1.	P.K. Sinha Visiting Faculty	Marketing	January 20, 1993

The faculty strength was 62 with 58 on cadre appointments and four visiting, as of March 31, 1993 compared to 58, with 56 on cadre appointments and two visiting as of March 31, 1992.

9.3 Faculty Development

9.3.1 Indo-EEC Exchange Programme

The following faculty returned after completing a 9-month Visiting assignment under the European Economic Commission — Government of India sponsored project on cooperation among Management Schools:

1.	P.N. Thirunarayana Professor	ESSEC, France	October 3, 1991 to July 2, 1992
2.	Premchander Assistant Professor	Manchester Business School, U.K.	October 3, 1991 to July 2, 1992
3.	P.G. Apte Professor	Katholicke Universitieit, Leuven, Belgium	October 3, 1991 to July 2, 1992.

The following faculty members proceeded on a 9-month Fellowship as Visiting Faculty under the same programme:

1.	R.K. Vijayasarathy Professor	Nijenrode University, Netherlands	October 5, 1992 to July 4, 1993
2.	R Ravikumar Associate Professor	ESADE, Barcelona, Spain	October 5, 1992 to July 4, 1993.

Other Visits Abroad

1.	Ramnath Narayanswamy Assistant Professor	Beekbergen — Netherlands To present a paper titled "The Bumpy Road to the Market in Russia and Eastern Europe" at the International Conference on 'India and Restructured Europe'.	December 7-10, 1992
2.	V. Ranganathan Professor	Gaborone — Botswana To present a paper titled "State-of-the Art-in Electricity in the World" at an Energy Workshop organised by AFREPREN.	October 11-16,1992
3.	Ramesh G. Tagat Professor	Singapore — At the invitation of RVB, Netherlands, to take a few sessions on "Marketing Research & Information Systems" in a training programme.	October 6-12, 1992

9.4 Workshops/Seminars

IIMB in collaboration with the Centre for Research into Communist Economies (CRCE), London, and the International Centre for Research into Economic Transformation (ICRET), Moscow, organised an International Conference on Economic Transformation and Business Opportunities in the CIS and Eastern Europe. The Conference was held at Hotel Ashok in Bangalore from November 23-25, 1992. Delegates from abroad and senior representatives of about 20 Indian companies participated in the Conference.

Dr. Prasanna Chandra lead a two-day Seminar on November 12-13, 1992 on "PSU Disinvestment" organised by the National Institute of Financial Management, Ministry of Finance, Govt. of India, at New Delhi.

An International Seminar on "Spatial Decision Support systems and Geographic Information Systems for Service Development Planning" was held in the Institute during January 18-20, 1993 in collaboration with the University of Iowa and National Centre for Geographic Information and Analysis, USA. Professor VK Tewari of IIMB was one of the organisers.

9.5 Sabbatical Leave

After sabbatical leave for one year from December 12, 1991 to December 8, 1992, Professor K.M. Anantharamaiah reported for duty on December 9, 1992. The following four faculty proceeded on sabatical leave during the year:

Faculty	Duration
Dr. A.K. Rao Professor	May 1, 1992 to April 30, 1993
Dr. T.P. Gopalaswamy Professor	July 1, 1992 to June 30, 1993
Dr. (Mrs) Kalyani Gandhi Associate Professor	August 18, 1992 to August 17, 1993
Dr. Ramesh G. Tagat Professor	January 9, 1993 to January 8, 1994.

9.6 Visitors

Singapore Team

A team from Singapore, visited the Institute on April 27, 1992 as part of an exploratory visit to Indian Institutions of higher learning. The team included Mr. Loh Cher Sze, Assistant Director, Research & Information, Public Service Division, Ministry of Finance, Mrs. Charlotte NG, Director, Professionals Information Programmes Management Services, Mr. Andrew Goh, Senior Officer, International Manpower Division, Economic Development Board, and Mr. Foong Tze Foon, Director, Industry and Manpower Division, National Computer Board, Singapore. The team met the Director, PGP Chairperson, Placement Coordinator, Admissions Coordinator and other faculty members and discussed matters of mutual interest.

Nepalese Team

A 3-member delegation of Educationists from Nepal comprising Mr. Suresh Raj Sharma, Vice-Chancellor of Kathmandu University, Mr. S.R. Adhikary, Registrar and Mr. Ramesh Dhungel, Life Member, Board of Trustee of Kathmandu University visited the Institute on September 28, 1992 and held discussions with the Director and Dean.

Defence Management Team

A team of ten officers of the College of Defence Management, Secunderabad visited the Institute on November 5, 1992. They discussed with Professors V.B. Kaujalgi and S. Jagadish on collaboration possibilities. Specific software packages were demonstrated to them.

Pacific Islands Team

Forty Delegates from the Pacific Islands of the Central America who were attending the 9-week International Programme on "Training Methods and Skills", organised by the National Institute of Small Industry Extension Training (NISIET), Hyderabad, visited the Institute on December 4, 1992.

Dr. K.R.S. Murthy, Director, Professor S.G. Lele, Dean, Professor R. Vaidyanathan, Chairperson, PGP and Professor Ramesh Mehta, Chairperson, EDP addressed the delegates and briefed them on the nature of training programmes organised by the Institute.

Parliamentary Committee

The Parliamentary Committee on Official Language visited the Institute on June 26, 1992. It was appraised of the steps being taken towards the implementation of the Official Language Policy at the Institute. A committee was formed to administer and adopt the policy at the Institute.

The Committee consists of:

Chairman

Dr. K.R.S. Murthy, Director

Members

Mr. H. S. Gopalakrishnaiah, FA & CAO
Brig. B. Ramaswamy (Retd.), CAO
Mr. G.Y. Suhas, Personnel Manager

In addition to the above members, Mr. H.S. Rana, Manager(Official Language), National Textile Corporation, Bangalore, was a coopted member.

Others

Dr. Prem P Gandhi, Dean, School of Business and Economics, State University of New York at Plattsburgh, USA, visited the Institute on July 16, 1992. He held discussions with the Director, Dean and Faculty regarding collaborative programmes between Plattsburgh and IIMB.

Dr. Alladi Venkatesh, Professor of Marketing, University of California at Irvine, USA visited the Institute on July 16, 1992. He met the faculty members in the Marketing Area and exchanged his views about his project "Technology in Everyday Life of an Indian Consumer" taken up in India.

He also briefed the faculty on the type of research going on at the University of California on the Social Impact of Technological Changes.

Dr. Dakshinamurthy Halemane, Erasmus University, Netherlands visited the Institute on July 21, 1992. He gave a seminar on the research done at his department in the Managment of Technology at the Macro and Micro level through a presentation of a specific project on automobile industry in Europe. He discussed with Dr. K.R.S. Murthy, Director, IIMB regarding possibilities for a student exchange programme.

Dr. Ram C. Rao, Professor in Marketing, The University of Texas at Dallas, USA, visited the Institute on July 22, 1992. He met the faculty members in the Marketing Area and discussed the possibilities of having a joint convention between North American Society for Marketing Education (NASME) and IIMB. He also exchanged views on the type of programme he plans to undertake as visiting faculty during July-September 1993.

Professor Bala G. Dharan, Associate Professor of Accounting, Jesse H. Jones Graduate School of Administration, Rice University, Texas visited the Institute on July 30, 1992 and gave a faculty seminar on "Why do Firms Make Accounting Changes?".

Dr. Shailendra Vyakaranam, faculty, Cranfield School of Business Administration, Cranfield University, UK, visited the Institute on August 14, 1992. He had a discussion meeting with faculty in which he shared his experiences and ideas in the area of enterprise development.

Miss Ursula Harper, Freelance Consultant, Trainer and Lecturer in Small Enterprise Development, UK, visited the Institute on August 17, 1992. She discussed with the Dean and faculty on small enterprise development and related fields with the main focus on women's enterprises.

Dr. Pankaj Chandra, Assistant Professor of Operations and Technology Management, McGill University, Canada, visited the Institute on August 19, 1992. He gave a seminar on "Synchronisation Issues in Manufacturing".

Professor Douglass Stoddart, Head of the Marketing Faculty, School of Accounting, Business Studies and Economics, University of Buckingham, UK, gave a lecture on "Current Developments in Eastern Europe", to the faculty, research fellows, FPM and PGP students and MPT participants on September 2, 1992.

Dr. Arshia Sattar, Controller of Operations, Odyssey Communications Private Limited, Bangalore, gave a lecture on "The Opening of the Indian Mind: Importance of Cultural Studies in Professional Degree Curricula" to the faculty, research fellows, FPM and PGP students and MPT participants at the Institute on September 9, 1992.

Professor Alan Geoffrey Lockett, who is on the Editorial Board of IEEE Transactions on Engineering Management, European Journal of Information Systems and the Journal of International Information Systems gave a lecture on "Inter-organisational Information Systems — their Development and Impact on Supply Chain Management" to the faculty, research fellows, FPM and PGP students and MPT participants on September 21, 1992.

Mr. T.A. Janoska, Commercial Counsellor and Trade Commissioner for the Republic of Hungary visited the Institute on October 28, 1992 and met the Director and the Dean.

Dr. Herald E. Kauffman, India Coordinator, Winrock International Institute for Agricultural Development, Arkansas and Dr. Laurence D. Stifel, Visiting Fellow, Cornell University, New York, USA visited the Institute on October 21, 1992. They discussed the "Thrust Areas of U.S. Aid in the Field of Agriculture" with the Director and Professor Shyamal Roy of the CARD Area.

Ms. Eri Kitigava, Vice Counsul, Japanese Consulate, Madras visited the Institute on November 3, 1992. She discussed research on Japanese Ventures in India with Professor Ramnath Naryanswamy, Professor S. Raghunath and Professor J. Ramachandran.

Mr. B.S. Bhatnagar, Management Consultant, Foreign Trade and Former Promoter Manager and Director Trading, Tata Exports Ltd., visited the Institute, on November 16, 1992 and gave a talk on "Performance of Trading in Export Houses".

Professor Philip Hanson, UK, Professor Laszlo Csaba, Hungary, Mr. Yevgeny Kuznetsov and Mr. Andrezej Brazeski, USA, Sylvana Malle, Italy and Mr. Hans Aage, Denmark visited the Institute on November 27, 1992 and had a panel discussion with the IAS Officers (OBP participants) and faculty at the Institute.

Mr. S. Ananthanarayanan visited the Institute on December 9, 1992 and gave a talk to the faculty, research fellows, FPM & PGP students and MPT participants at the Institute, on "Integrated View of the Production from the Point of View of Chief Executive"

Dr. F Janszen of Rotterdam School of Management, Erasmus University, The Netherlands visited the Institute on December 28, 1992. He made a presentation to the faculty and research fellows on "Research Programme on Management of Technology in Erasmus University" . The discussion was also attended by Dr. Dakshinamurthy Helemane of the Erasmus University.

Mr. Don Lee Gevirtz from California, Chairman of the Board and Chief Executive Officer of the Foothill Group Inc., USA visited the Institute on January 13, 1993. He spoke on "An Entrepreneur's Life — Post Election Business Scenario in USA".

Dr. Hans Diehl, Founder Director of Lifestyle Medicine Institute, Loma Linda, Los Angeles, USA, visited the Institute on January 28, 1993. He spoke to faculty and officers of the Institute on"Heart, Health & Care."

Library Science Students from the following institutions visited the Institute:

1. V.V. Puram College of Arts, Science & Commerce, Bangalore on January 8, 1993.
2. Amaravathi University, Nagpur on January 22, 1993.
3. Polytechnique for Women, Bangalore on January 29, 1993.

Mr. E.T. Mohammed Basheer, Minister for Education, Government of Kerala, visited the Institute on January 18, 1993. He discussed with the Chairman and Director, matters pertaining to setting up of an Indian Institute of Management in Kerala.

Dr. John C. Cairns, Consultancy Services, Human Resources Development, Ontario, visited along with his wife during February 21-25, 1993.

Mr. Manubhai Shah of the Consumer Education and Research Centre, Ahmedabad, visited the Institute on January 25, 1993. He gave a talk on the "Trends in Consumer Movement and Perspectives for the Future" to faculty, research fellows, PGP and FPM students.

Assistant Professor K. Chandrashekhar and Mr. Jayaram K. Sankaran of the Indian Institute of Science, Bangalore, visited the Institute on January 27, 1993. They presented a seminar to faculty, PGP and FPM students on "Market Tracking Portfolios Empirical Evidence from the Korean Stock Exchange".

Major Gen. R.C. Suri, Director, Directorate of Manpower Development, Defence Research & Development Organisation, (DRDO) New Delhi, visited the Institute on February 4, 1993. He held discussions with Dr. K.R.S. Murthy, Director and Professor Ramesh Mehta, Chairman (EDP), on the possibility of the Institute extending assistance in planning the curriculum of an integrated course on "Management of Technology (MOT)" for the DRDO.

Dr.K.C. John, Programme Consultant, the Ford Foundation, visited the Institute on Monday the February 8, 1993. He gave a presentation on "Sequencing of Indian Structural Adjustment Programme: Imperatives for Public Systems".

Dr. Mithileshwar Jha, Associate Professor, Indian Institute of Management, Lucknow, visited the Institute on February 8, 1993 and gave a seminar on "Misinterpretation of Marketing Concepts — The Tragedy of Marketing".

Mr. Nishikant Mukerji, Executive Director, WMMC, Philippines, visited the Institute on February 8, 1993 and gave a presentation on "Corporate Strategy at ITC".

Mr. A. Purushothama Naik, General Marketing Manager HMT (Watches) visited the Institute on February 8, 1993 and gave a seminar on "Marketing as Technology Champion and Integrator".

Professor Derek Atkins, Chairman Management Science Divisions, at the University of British Columbia, Vancouver, Canada, visited the Institute on February 19, 1993. He met the faculty of QMIS Area and had discussions about Quantitative Methods and their role in Management Education.

9.7 Faculty Meetings

Faculty meetings were held on:

No.159 - March 31, 1992
No.160 - April 10, 1992
No.161 - June 19, 1992
No.162 - October 21, 1992
No.163 - December 22, 1992
No.164 - March 12, 1993.

10.1 Additions

As of March 31, 1993 the Library had a total of 89,295 books, 10,980 Microfisches and 1,250 journals. Details are given below:

	Arrivals 1992-93	As of March 31,1993
Books	4,264	89,295
Microfisches Microfilms, Charts etc.	30	10,980
Bound Volumes	544	13,628
Reprints	1,139	3,365
Journals	29	1,250
Company Annual Reports	800	900

10.2 Circulation

The Library circulated among the students, faculty and other visitors, about 48,000 books, including journals during the period. It had about 35,000 visitors during the year. Details follow:

Books Issued (Including Journals Back Volumes)	47,830
Books from Inter Library Loan	40
Books Issued on Inter Library Loan	403
Books Consulted (Including Journals and Bound Volumes)	1,64,699
No.of Visitors	34,303
Outside reference users (other than Deposit Borrowers)	200

10.3 Composition of Users

The Library catered to the needs of the following composition of users during the year:

Faculty & Research Staff	73
Students	357
Administrative Staff	413
Deposit Borrowers	42
Inter Library Loan members	20

10.4 Facilities

Micro Documents Loan Facility: Five Micro Film Fische Readers and a Canon Reader Printer, materials in the non-book form (Micro Film/Fische) were made available for the users.

Inter Library Loan Facility/Resource Sharing: The Library continued in the network of most Library and Information centers of India for mutual exchange.

Reprint Services: Through the INSDOC, British Council and direct contacts with information centers abroad, the Library continued to supply reprints of articles at short notice.

Reprographic Services: Xerox facilities were provided to the users.

10.5 Publications

The Library continued to bring out the following publications:

1. Recent Additions (M)
2. Current Press Clippings (M)
3. Current Contents of IIMB Journals(M)
4. Bibliographies are brought out on demand and in anticipation

10.6 Timings

From July 1992 Library timings were changed adding eighteen hours per week.

	Previous Timings	Changed Timings
Weekdays	10.30 AM 10.30 PM	8.30 AM 10.30 PM
Saturdays	9.30 AM 8.00 PM	8.30 AM 5.30 PM
Sundays	Closed	8.30 AM 5.30 PM

Except on three National Holidays, the Library worked on all other days as per the above schedule.

11. COMPUTER CENTRE

The Local Area Network(LAN) with VAX system as the server and 40 nodes was installed in the current year. A super mini computer system (**ORG SUPERMAX**), multi user **UNIX** system with 16 terminal was operational during the year. At the end of 1992-93, there were 105 personal computer systems installed at various locations in the Institute. 40 Faculty members were provided with **PCs** in their offices for their teaching and research activities. 8 **PC/XTs** with 4 printers, installed in the students hostel, were available to the students round the clock.

DEIL VAX 3300 System with 40 nodes was installed in the current year. The VAX 3300 System is operational under DEC-NET environment.

Systems Programmers of the Computer Centre attended training Programmes on "Systems Management of VMS" and "Basic Concepts and Principles of Networks", conducted by DEIL, Bangalore.

ER-NET and NIC-NET facilities, controlled by Department of Electronics and National Informatics Centre, Planning Commission were made available in the computer centre to interact with educational and research establishments both in India and abroad.

Computerisation of several administrative information and library activities was undertaken based on PCs as well as on the Supermax UNIX Systems.

By the end of the year, there were more than 50 legal software packages costing more than Rs. 10 lakh in the Institute. Sophisticated and powerful computer system and project management, software packages were installed.

Preliminary work was initiated to acquire 12 more **PC/ATs**.

12.1 Facilities

During 1992-93, a spacious recreation room was added to the hostel where students have facilities to read newspapers, magazines and watch TV. We have two Star TV connections in the hostel. Two areas adjoining D and H Blocks were converted — one into a Gymnasium with basic equipments like bench press, weight lifting and dumbles and the other into a music cum video room with a video cassette player, TV and suitable seating arrangements.

Recreation room was made use of for music concerts by reputed artists under SPIC-MACAY and other cultural programmes.

12.2 Cultural Programmes

Students staged an English Play "God", written by Woody Allen on November 5, 1992. "Ek Tha Gadha", a Hindi play by Mr. Sharath Joshi was staged on November 6, 1992.

The Institute Cultural Team (comprising about twenty students) won the Overall Championship at VISAGES'93 — a cultural festival hosted by St.Joseph's College, Bangalore and won the Cibaca Trophy for IIMB.

12.3 Sports

Students took part in Prakash Roadlines Hockey Tournament and won the Fairplay Trophy. They scored a victory over the HMT Team in a friendly Cricket Match.

12.4 Competition

An Anthakshari programme was conducted on November 14, 1992. Prizes were given to the winners of the competition.

12.5 Quiz

An open quiz was organised and compered on January 10, 1993 by the students of PGP-I in the Hostel. 25 teams from all over Bangalore and 10 IIMB teams took part in the quiz. The finals were a keenly contested affair with lots of delectable trivia thrown in by the Quiz Masters.

12.6 Mess

There was a visible improvement in the Mess. Students were happy with the mixed menu which included South Indian, North Indian, Chinese and Continental dishes for breakfast, lunch and dinner.

A columnar cash book was introduced in mess accounts to get the required information at any point of time.

13. CONSTRUCTION

13.1 Works Completed

The construction of Common Hall costing Rs.13.4 lakhs was completed. Students started using it as a recreation room this year. It has newspapers, magazines and TV.

Two enclosures in Dormitories 4 & 8 were completed at a cost of Rs.3.70 lakhs. These areas are being used by the students as a gymnasium and a music cum video room.

13.2 Activities in Progress

The following major construction projects progressed during 1992-93:

1. Library/Computer/Canteen Block
2. 220 Class Room
3. Dormitory No.9 & 10 with Kitchen and Dining Block
4. Road Network for Executive Block.

13.2.1 Library/Computer/Canteen Block

The Library was shifted to the basement and ground floor of the new building during 1992-93. The remaining work on first and second floors were in progress.

13.2.2 220 Class Room

The estimated value of the work is Rs.70 lakhs. The work is progressing satisfactorily and is expected to be completed by July 1993.

13.2.3 Dormitory No.9 and 10 with Kitchen and Dining Block

The contracted value of the work is Rs.148 lakhs. The work is progressing as per schedule and is expected to be completed by April 1994.

13.2.4 Road Network for Executive Block

The road network at an estimated value of Rs.9.7 lakhs was completed during 1992-93.

13.3 New Works

The following new construction projects were initiated during 1992-93.

Director's Residence: The work, at a tender cost of Rs.17.5 lakh was awarded to Essbee Constructions, Bangalore.

Miscellaneous works: (i) Toilet, Rest Room facilities to Canteen and (ii) Store Room for Executive Block.

The work is estimated at Rs.10 lakhs. Tenders were under scrutiny.

14. ADMINISTRATION

OFFICERS AND RESEARCH STAFF AS ON 31.3.1993

Director: Dr. K.R.S. Murthy

Dean: Professor S.G. Lele

1.	Chief Administrative Officer	- Brig. B. Ramaswamy
2.	Superintending Engineer	- Mr. B.S. Gopalan
3.	Personnel Manager	- Mr. G.Y. Suhas
4.	Manager, Computer Centre	- Mr. S.I. Fazzuludin
5.	Librarian	- Mr. Chikkamallaiah
6.	Administrative Officer (M)	- Mr. H.V. Hirannaiah
7.	Administrative Officer (P)	- Mr. V.S. Gopinatha Rao
8.	Administrative Officer (S)	- Mr. S. Srikant
9.	Administrative Officer (GA & SW)	- Mr. D.R. Ramadasaiah
10.	Finance & Accounts Officer	- Mr. R. Chandrasekhara Rao
11.	Security & Transport Officer	- Lt. Col. A.N. Kamath
12.	Assistant Librarian Grade I	- Smt N. Anuradha
13.	Assistant Librarian Grade I	- Smt Theresa Williams
14.	Horticulture Officer	- Mr. K. Mahalingam
15.	Resident Doctor	- Dr. R.S. Bhagavan
16.	Executive Block Incharge	- Lt. Col. G. Lakshman Singh
17.	Assistant Engineer (Civil)	- Mr. V. Padmanabhan
18.	Assistant Engineer (Civil)	- Mr. S.V. Krishne Gowda

On Deputation from Office of the Principal Director of Commercial Audit & Ex-officio Member Audit Board, Bangalore (C&AG, GOI)

19.	Financial Adviser & Chief Accounts Officer	- Mr. H.S. Gopalakrishnaiah

On deputation from PWD, Govt. of Karnataka

20.	Assistant Executive Engineer (Civil)	- Mr. B.G. Sreenivasamurthy

On deputation from K.E.B.

21.	Assistant Executive Engineer (Ele)	- Mr. U.H. Subramanya
22.	Assistant Engineer (Ele)	- Mr. R.N. Chandrasekhar

Research Fellows

23. Mr. Y Kasi Viswanadham
24. Smt Malathi Venugopal
25. Mr. S.T. Somashekhara Reddy

14.1 Change of Logo of the Institute

To include the Sanskrit Motto adopted by the Institute, the Logo was changed to a new design developed by the National Institute of Design, Ahmedabad. The new Logo is given below:

14.2 Staff Strength

As of March 31, 1993, faculty strength was 62, with 57 on cadre appointments and five on visiting, compared to 58 with 56 on cadre appointments and two on visiting as of March 31, 1992.

Faculty Strength	Cadre	Visiting	Total
As of March 31, 1992	56	2	58
Additions: 1992-93	+4	+7	+11
Reductions: 1992-93	-3	-4	- 7
As of March 31, 1993	57	5	62

There were 18 officers, four deputationists and three research fellows on rolls as of March 31, 1993.

Officers & Research Staff Strength	Officers	Deputat-ionists	Research Fellows	Total
As of March 31, 1992	21	5	4	30
Additions: 1992-93	—	—	—	—
Reductions: 1992-93	-3	-1	-1	-5
As of March 31, 1993	18	4	3	25

Administrative staff strength during 1992-93 changed as follows:

Staff Strength	Group B	Group C	Group D	Total
As of March 31, 1992	24	230	97	351
Additions: 1992-93	+1	—	—	1
Reductions	-2	-10	—	-12
As of March 31, 1993	23	220	97	340

Group B: Supervisory Staff, **Group C**: Clerical Staff & Drivers
Group D: Peons, Malis and Sweepers.

The total strength of all employees as of March 31, 1993 was 427 compared to the 439 of March 31, 1992.

14.3 Legal Matters

Out of a total amount of Rs.150,000, the Institute has so far received through Court action, Rs.80,000 from Mr. S.S. Harish of Mediscientik, due from him because of non-supply of journals to the Institute Library. Recovery of balance amount is being pursued.

14.4 Discipline and Staff Welfare

Discipline in general has further improved. Employees have been punctual and do not leave office during working hours. They are also not absenting without permission. During 1992-93, six enquiries were completed. Disciplinary action was taken against 5 employees resulting in imposition of 2 major penalties and 3 minor penalties.

The process of settlement of individual grievances continued. Out of 22 grievance applications received, 14 have been settled.

After a long gap, Sports and Cultural competitions for staff were held on the occasion of Foundation Day which was celebrated on October 28, 1992.

A picnic to Srirangapatnam and Balmuri Falls was organised for the employees and their family members on February 14, 1993.

14.5 Hindi Week/Hindi Training

Hindi Week was celebrated from September 14 - 18, 1992. A lecture was organised on the Official Language Policy of the Government for all employees of Group 'B' and 'C' category and also for Officers.

A training programme on Hindi Translation was conducted in the Institute by the Hindi Translation Bureau from February 22 to 25, 1993. 20 staff members attended the training course.

14.6 Training for SC/ST Employees

A training programme on "Improving Work Efficiency and Communication Skills" for SC/ST employees was arranged during December 16-17, 1992. Mr. K.S. Maligi and Mr. Balaji Singh from National Administrative Council conducted the programme. 35 SC/ST employees attended.

14.7 Voluntary Retirement Scheme

A Voluntary Retirement Scheme was introduced for employees above 55 years. Seven employees including one faculty member, one officer, one research staff and four staff-members retired under this Scheme.

14.8 Efficiency Awards

A Committee comprising of two Faculty members and the Chief Administrative Officer assessed all sections/ departments on their efficiency. The following sections were judged as the best three sections in the Institute and were given efficiency awards on January 26, 1993 :

Department	Rank
Horticultural Department	1
Security & Transport Department	2
Engineering Department	3

14.9 Annual Inspection

Annual Inspection of administrative offices/sections were carried out by the Chief Administrative Officer and corrective measures to overcome shortcomings in office procedure, maintenance of files and records, accounting of stores and equipments were taken.

14.10 Canteen

The accounts of the Departmental canteen which was in the red two years ago, now show a profit of over Rs.50,000. No subsidy is being provided by the Institute to the Canteen. Maintenance of Canteen Accounts has been streamlined and is scrutinised regularly by internal audit.

14.11 Water Charges

Water charges were not being collected from Campus residents. In view of budgetary constraints, the energy consumption charges involved in pumping water are being recovered from Campus residents at the following rates:

(a) D, E & E-1 type quarters - Rs.25 per month

(b) A, B & C type quarters - Rs.15 per month

14.12 Vegetable Shop and Provision Stores

Two much-needed facilities were opened for Campus residents during 1992-93.

(i) A vegetable and fruits counter of the Lalbagh Horticultural Producers Co-operative Marketing Society.

(ii) A provision store stocking consumer items.

14.13 STD/ISD Booth

An STD/ISD booth has been set up near the Executive Block for the benefit of students and programme participants.

14.14 Horticultural Activities

An amphi theatre has been developed with lawns and flower beds, eminently suited for holding large functions such as the Convocation. The Institute's 18th Convocation was held in this theatre. A rockery has also been developed in front of the main gate. Nearly 18,000 trees were planted in 1992-93.

The Institute participated in the Independence Day "Flower Show" competition conducted by the Mysore Horticultural Society, Bangalore. It won Outstanding, First and Second Prizes under three different categories.

For the third year in succession, the Institute also bagged the first prize in the Republic Day competition of the Bangalore Urban Arts Commission for the year 1993 for the best maintained garden and building among educational institutions in the City.

14.15 Executive Block

The Executive Block catering and maintenance were until recently managed by the Institute. It is now operated by a contractor.

14.16 New Badminton Court

A new indoor Badminton Court in the Campus was inaugurated in August 1992. This is being used extensively by students and other residents.

14.17 Shifting of Library

The Library which was temporarily located in the Administrative Block was shifted to its new building. The administrative, accounts and engineering departments were consequently shifted from their temporary premises to the administrative block.

14.18 Visit of Parliamentary Committees

A Parliamentary Committee on papers laid on the Table of the Rajya Sabha, headed by Mr. Sukomal Sen visited Bangalore. A meeting was held on February 2, 1993 at the Conference Hall of Central Power Research Institute and the Director, Dr KRS Murthy, gave a presentation on the annual report of IIMB for 1990-91. The delegation appreciated the efforts made by the Institute.

14.19 Visit of Vivekananda Bharat Parikrama Group

To mark the centenary of the historic march of Swamy Vivekananda from Calcutta to Kanyakumari in December 1892, the Vivekananda Kendra had organised an All India Programme called "Vivekananda Bharat Parikrama". On their way to Kanyakumari, the Group visited the Institute on November 16, 1992. The group was received by the Chairman. The statue of Swami Vivekananda was garlanded by the President of the IIMB Students' Association. Members of the Group addressed the gathering and spoke on the message of Swami Vivekananda and its relevance to our Society in the present day context.

14.20 National Integration Day

National Integration Day was celebrated in the Institute on November 19, 1992.

14.21 Spic-Macay Programme

The Institute provided facilities and administrative support for a national convention organised by Spic-Macay at the Institute from June 8-12, 1992. The convention was inaugurated by the Chairman, Dr. G.V.K. Rao. The programme included discussions and cultural programmes.

14.22 Blood Donation Camp

The Inner Wheel Club of Bangalore, in collaboration with the Health Centre of the Institute, organised a blood donation camp on October 30, 1992. A total of 34 employees and students donated blood.

15. ALUMNI

The Annual General Meeting of the Alumni Association was held on April 16, 1992, at Hotel Taj Residency, Bangalore. Dr. K.R.S. Murthy, Director, IIMB and Chairman of the Association presided. President Mr. Abraham Kuruvilla welcomed the Alumni, presented a report of activities of the year 1991-92 and also presented the annual accounts on behalf of the Treasurer.

In the election that followed, Mr. R. Sridhar of Mudra Communications was elected as President in place of Mr. Abraham Kuruvilla. Mr. K. Nanda Kumar was renominated as Secretary. Mr. Ramesh Venkateswaran and Mr. S.N. Subramanya were elected as Committee Members for 1992-94.

The newly elected executive committee of the IIMB Alumni Association held a meeting at Gateway Hotel, Bangalore on May 22, 1992. It presented before the members a plan which included updating the data base on Alumni members, publishing a directory, conducting seminars and workshops, holding professional lectures, get-togethers, reunions, trade fairs, sports meets in association with sister bodies of other IIMs, bringing out a bulletin, and stepping up commercial activities.

Dr. K.R.S. Murthy, Chairman of the IIMB Alumni Association nominated Mr. V.S. Gopinatha Rao, Administrative Officer(P) of the Institute, as the new treasurer of the Alumni Association, in place of Mr. T.S. Natarajan, former Senior Finance Officer. A sustained effort was made during the year to bring out greater involvement of the alumni in the academic activities of the Institute. Some of them took sessions for PGP, MPT and MDPs as guest faculty. They also provided inputs for making our MDPs more attractive. Their help was also enlisted in placement activities.

In all, five get-togthers were held in Bangalore during the year to develop inter-batch rapport. The Delhi and Bombay chapters are gathering the latest contact addresses of IIMB Alumni in their respective cities, while efforts are on to start or revitalise chapters at Pune, Madras, Hyderabad and Calcutta.

16. FINANCIAL POSITION : 1992-93

Board had approved budget expenditure of Rs.7.73 crores (Rs.2.96 crores as the Plan side and Rs.4.77 crores on the Non-Plan side) for 1992-93 and own earnings at Rs.1.22 crores.

In view of the difficult financial position of the Government of India, Board reduced the expenditure in the revised estimates for 1992-93 downward from Rs.7.73 crores to Rs.6.61 crores (Rs.2.35 crores on the Plan side and Rs.4.26 crores on the Non-Plan side) and increased own earnings from Rs.1.22 crores to Rs.1.65 crores. The actual expenditure, own revenue raised and Government grant received during the year 1992-93 were as follows:

Rs. in crores

		Actuals		1992-93		
		1990-91	1991-92	BE	RE	Actuals
1	**Expenditure**					
1.1	Plan	1.65	2.00	2.96	2.35	2.61
1.2	Non-Plan	3.49	3.87	4.77	4.26	4.21
	Total of 1	5.14	5.87	7.73	6.61	6.82
2	**Revenue**					
2.1	Own Revenue	1.13	0.91	1.22	1.65	1.70
2.2	Opening Balance of Grant	0.73	0.20	0.01	0.01	0.01
2.3	Govt.Grant	3.48	4.77	6.50	4.95	4.81
2.4	Refund of Deposit of Land	nil	nil	nil	nil	0.12
	Total of 2	5.34	5.88	7.73	6.61	6.64

Note: Figures are as per annaul statement of accounts for the respective years.

Revenue

Own Revenue:

As a percentage of Non-Plan expenditure, IIMB's own revenue has gone up from 24 in 1991-92 to 40 in 1992-93. This has been achieved through increase in tuition fee and other charges for Post-Graduate Programme students from 1992-93, an increased level of activity in the Executive Development Programmes and the launch from August 1992 with 24 participants, of the nine-month Management Programme for Technologists, a Programme that is both relatively more remunarative to the Institute and socially relevant.

Expenditure

Total expenditure during 1992-93 at Rs.6.82 crores exceeded the revised estimates of Rs.6.61 crores by Rs.0.21 crore. This was mainly due to increased expenditure on the Plan side on essential construction works, furnishing classrooms and purchase of computers. Despite general price increases and sanction of additional dearness allowance (burden: Rs.24 lakhs) to the employees,we have controlled the expenditure on the Non-Plan side within the revised estimates. The total expenditure of Rs.6.82 crores was met out of own earnings (Rs.1.70 crores), Government Grant (Rs.4.82 crores), refund of deposit made earlier with State Government for purchase of land (Rs.0.12 crore) and unpaid bills (Rs.0.18 crore).

Indian Institute of Management Bangalore

Statement of Accounts for the year 1992 - 93

Audit Certificate

I have examined the Income and Expenditure Account for the year ended 31st March 1993 and the Balance Sheet as on 31st March 1993 of the Indian Institute of Management Bangalore. I have obtained all the information and explanations that I have required, and subject to the observations in the appended Audit Report, I certify, as a result of my Audit, that in my opinion these accounts and balance sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the Indian Institute of Management Bangalore according to the best information and explanations given to me as shown by the books of the organisations.

PLACE : BANGALORE
DATE : 4th October, 1993

Sd/-
Accountant General (Audit) - I

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 1993

(RUPEES IN LAKHS)

		SCH.NO		31.03.93		31.03.92
1. SOURCES OF FUNDS						
1.1	GRANTS/DONATIONS/CORPUS	1		**21,57.81**		19,33.95
1.2	RESERVES & FUNDS	2		**46.29**		44.24
1.3	ONGOING PROGRAMS & PROJECTS	3		**41.09**		34.80
1.4	PROVIDENT FUND	17		**1,40.38**		1,21.07
		TOTAL		**23,85.57**		21,34.06
2. APPLICATION OF FUNDS						
2.1	FIXED ASSETS	4		**20,70.43**		18,33.88
2.2	ADVANCES ON CAPITAL ACCOUNT	5		**25.24**		50.70
2.3	INVESTMENTS	6		**59.66**		48.61
2.4	CURRENT ASSETS, LOANS & ADV.	7	**1,27.57**		1,17.66	
	LESS: CURRENT LIABILITIES & PROV.	8	**74.55**		63.69	
				53.02		53.97
2.5	INCOME AND EXPENDITURE : AS PER LAST BALANCE SHEET		**25.82**		(29.82)	
	ADD: EXCESS OF EXPENSES OVER INCOME FOR THE YEAR		**11.02**	**36.84**	55.65	25.83
2.6	PROVIDENT FUND	17		**1,40.38**		1,21.07
2.7	NOTES	16				-
		TOTAL		**23,85.57**		21,34.06

BANGALORE
DATED 16th JULY 1993

Sd/-
(H.S. GOPALAKRISHNAIAH)
FA & CAO

Sd/-
(K.R.S. MURTHY)
DIRECTOR

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 1993

(RUPEES IN LAKHS)

		SCH. NO		31.03.93	31.03.92
1. INCOME					
1.1	GRANT IN AID FROM GOVT.	-		**2,39.00**	2,39.00
1.2	POST GRADUATE & FELLOW PROG.	-		**63.23**	29.21
1.3	EXECUTIVE DEVELOPMENT PROG.	9		**67.72**	23.88
1.4	CONSULTANCY & PROF. ACTIVITY	-		**16.78**	21.89
1.5	RESEARCH & DEVELOPMENT	10		**8.96**	0.08
1.6	MISCELLANEOUS INCOME	11		**13.80**	12.31
1.7	TRANSFERRED FROM GRANT	-	**22.41**		0.00
	LESS : ASSETS WRITTEN OFF	-	**22.41**		0.00
				-	0.00
		TOTAL		**4,09.49**	3,26.37
2. EXPENDITURE					
2.1	SALARIES & RELATED EXPENSES	12		**2,53.82**	2,04.70
2.2	POST GRADUATE & FELLOW PROG.	-		**26.90**	33.31
2.3	EXECUTIVE DEVP. PROGRAMS	13		**39.82**	16.16
2.4	CONSULTANCY & PROF. ACTIVITY	-		**8.54**	14.66
2.5	RESEARCH & DEVELOPMENT	14		**9.13**	4.36
2.6	GENERAL ADMINISTRATION	15		**82.30**	1,08.83
		TOTAL		**4,20.51**	3,82.02
3. EXCESS OF EXPENDITURE OVER INCOME FOR THE YEAR				**11.02**	55.65

BANGALORE
DATED 16th JULY 1993

Sd/-
(H.S. GOPALAKRISHNAIAH)
FA & CAO

Sd/-
(K.R.S. MURTHY)
DIRECTOR

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.3.93

(RUPEES IN LAKHS)

		31.03.93	31.03.92
SCHEDULE - 1			
1.	GRANTS/DONATIONS/CORPUS		
	O.B.: GOVT. OF INDIA	**18,39.16**	
	GOVT. OF KARNATAKA	**67.95**	
	ADD	**19,07.11**	19,07.11
	GOI. GRANTS DURING THE YEAR	**241.99**	
	LESS	**21,49.10**	
	TRANSFERRED TO INCOME & EXPENDITURE	**22.41**	0.00
	NET TOTAL (1)	**21,26.69**	19,07.11
2.	OTHERS		
	FORD FOUNDATION GRANT	**4.44**	4.44
	MINISTRY OF H.R.D.	**3.56**	3.56
	U.N.D.P.	**0.79**	0.79
	G.O.I. - U.N.D.P	**2.78**	2.78
	LATE SURENDERA PAUL MEM. CHAIR	**13.95**	12.39
	IIMB SOCIETY	**2.00**	-
	POST GRADUATE PRIZE FUND	**0.72**	0.72
	DONATIONS FROM P.G.P. STUDENTS	**0.72**	-
	STC CHAIR IN INSTITUTIONAL BUSINESS	**1.13**	1.13
	MMTC CHAIR	**1.03**	1.03
	TOTAL (2)	**31.12**	26.84
	TOTAL (1+2)	**21,57.81**	19,33.95

(RUPEES IN LAKHS)

	31.3.93	31.3.92
SCHEDULE - 2 RESERVES & SURPLUS		
RESERVE FOR PENSION AND GRATUITY	**45.04**	36.07
RESERVE FOR HOUSE BUILDING	**1.25**	8.17
TOTAL	**46.29**	44.24
SCHEDULE - 3 ONGOING PROGRAMS AND PROJECTS		
FORD FOUNDATION	**21.01**	9.94
LESS: EXPENSES	**5.31**	3.49
TOTAL (A)	**15.70**	6.45
ORGANISATION BASED PROGRAMS	**1.35**	4.05
LESS: EXPENSES	**0.00**	2.26
TOTAL (B)	**1.35**	1.79
SPONSORED RESEARCH	**20.18**	190.82
LESS:EXPENSES	**7.51**	173.37
TOTAL (C)	**12.67**	17.45
CONSULTANCY	**10.67**	23.45
LESS : EXPENSES	**1.30**	14.34
TOTAL (D)	**9.37**	9.11
MGMT. PROGRAM FOR TECHNOLOGISTS	**2.00**	0.00
TOTAL (E)	**2.00**	0.00
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)	**41.09**	34.80

(RUPEES IN LAKHS)

SCHEDULE-4 FIXED ASSETS

NAME OF THE ASSET	AS ON 31.03.92	ADDITIONS/(DELETIONS) DURING THE YEAR	AS ON 31.03.93
COST OF LAND	37.95	**0**	**37.95**
LAND & CAMPUS	13,26.83	**1,64.79**	**14,91.62**
FURNITURE FITTINGS AND EQUIP.	1,08.62	**37.88**	**1,46.50**
LIBRARY BOOKS AND FILMS	1,58.17	**22.20**	**1,80.37**
VEHICLES	17.33	**(1.54)**	**15.79**
IMPROVEMENT TO TEMP PREMISES	20.15	**(20.15)**	**0.00**
NOISE CONTROL AND ACCOUSTICS	3.13	**(3.13)**	**0.00**
COMPUTER CENTRE SYSTEM AND PERI	1,52.67	**36.22**	**1,88.89**
CONVOCATION GOWNS	0.24	**0.28**	**0.52**
FORD FOUNDATION GRANT ASSET	4.44	**0**	**4.44**
ASSETS OF FUNDING AGENCIES	4.35	**0**	**4.35**
	18,33.88	**2,36.55**	**20,70.43**

SCHEDULE - 5 ADVANCES ON CAPITAL ACCOUNT	31.3.93	31.3.92
MOBILISATION ADVANCE	**24.89**	31.71
ADVANCE FOR LAND	**0.35**	12.24
ADVANCES TO SUPPLIERS		6.75
TOTAL	**25.24**	50.70

SCHEDULE - 6 INVESTMENTS

POST GRADUATE PRIZE INVESTMENTS	**0.71**	0.71
LATE SURENDERPAUL MEM.CHAIR	**13.95**	12.00
PENSION FUND	**45.00**	35.90
TOTAL	**59.66**	48.61

SCHEDULE -7 CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES		31.3.93	31.03.92
A. CURRENT ASSETS:			
(1) CASH AND BANK BALANCES			
CASH AT OFFICE		**0.35**	0.54
CASH AT BANK SB AC 400		**30.51**	27.74
CASH AT BANK SB AC 3274		**3.70**	6.45
DEPOSIT WITH SBM		**12.00**	0.00
POSTAL AND FRANKING IMPREST		**0.24**	0.31
	TOTAL (1)	**46.80**	35.04
(2) SUNDRY DEBTORS		**1.43**	1.43
SUNDRY DEBIT BALANCES		**13.66**	19.92
RECEIVABLE FROM UGC		**0.02**	0.02
FEES RECEIVABLE		**0.32**	0.32
BILLS RECEIVABLE		**7.25**	0.00
OIC HOSTEL A/C		**1.43**	0.00
	TOTAL (2)	**24.11**	21.69
(3) DEPOSITS WITH			
B.W.S.S.B.		**0.09**	0.09
TELEPHONE DEPARTMENT		**6.60**	6.61
KARNATAKA ELECTRICITY BOARD		**1.36**	1.36
OTHERS		**1.24**	1.14
GROUP INSURANCE SAV. FUND		**0.43**	0.00
	TOTAL (3)	**9.72**	9.20
B. LOANS & ADVANCES			
VEHICLE ADVANCE		**12.06**	14.94
HOUSE BUILDING ADVANCE		**27.09**	34.11
MISCELLANEOUS ADVANCE		**1.98**	2.07
FESTIVAL ADVANCE		**0.74**	0.59
SALARY ADVANCE		**0.00**	0.02
PREPAID EXPENSES		**5.07**	0.00
	TOTAL (B)	**46.94**	51.73
	TOTAL (A+B)	**1,27.57**	1,17.66

(RUPEES IN LAKHS)

SCHEDULE-8 CURRENT LIABILITES & PROVISIONS	31.3.93	31.3.92
SUNDRY CREDITORS FOR EXPEN.	**18.81**	18.32
SUNDRY CRS. FOR CAP. EXP.	**9.73**	1.83
SUNDRY CREDITORS - OTHERS	**25.46**	29.28
EARNEST MONEY DEPOSIT	**6.49**	6.74
DEPOSIT REPAYABLE	**1.30**	0.90
SECURITY DEPOSIT-CONT.	**3.64**	1.35
CAUTION MONEY	**5.41**	2.26
GROUP INSURANCE	**2.28**	0.54
MESS DEPOSIT	**1.41**	0.00
STUDENTS WELFARE FUND	**0.02**	0.00
GROUP INSURANCE SAV FUND	**0.00**	2.47
	74.55	63.69

BANGALORE
DATED 16th JULY 1993

Sd/-
(H.S. GOPALAKRISHNAIAH)
FA & CAO

Sd/-
(K.R.S. MURTHY)
DIRECTOR

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.3.1993

(RUPEES IN LAKHS)

	31.03.93	31.03.92
SCHEDULE - 9 EXECUTIVE DEV. PROGRAMMES INCOME		
MANAGEMENT PROGRAMME FOR TECHNOLOGISTS	**10.00**	0.00
MANAGEMENT DEVELOPMENT PROGRAMME	**9.57**	7.11
ORGANISATION BASED PROGRAMME	**38.99**	13.53
EXECUTIVE BLOCK	**9.16**	3.24
	67.72	23.88
SCHEDULE - 10 RESEARCH & DEVELOPMENT INCOME		
SPONSORED RESEARCH	**7.36**	-
SEMINARS	**1.35**	0.08
CONTBN. TO SEMINAR U/s 35 OF IT ACT	**0.25**	
TOTAL	**8.96**	0.08
SCHEDULE - 11 MISCELLANEOUS INCOME		
INTEREST FROM BANK	**4.92**	4.29
INTEREST ON VEHICLE ADVANCE	**0.49**	0.00
RENT FROM INST.QUARTERS	**2.37**	1.50
GUEST HOUSE RECEIPTS	**0.07**	0.00
MISCELLANEOUS INCOME	**5.95**	6.52
TOTAL	**13.80**	12.31
SCHEDULE - 12 SALARIES AND RELATED PAYMENTS		
PAY & ALLOWANCES	**2,17.93**	1,77.09
HON.STAFF & FACULTY	**3.85**	3.78
PENSION	**9.66**	3.62
LEAVE SALARY CONTBN	**0.45**	0.41
EWF CONTRIBUTION	**0.61**	0.60
EMPLOYER'S CONTBN TO PF	**1.46**	0.95
GRATUITY	**5.24**	0.18
DEPUTATION& TRAINING	**0.46**	0.52
MEDICAL EXPENSES	**8.78**	9.70
UNIFORMS	**0.22**	1.13
LEAVE TRAVEL CONSCESSION	**1.61**	1.73
ADVERT.AND RECRUITMENT	**1.83**	1.32
SUBSIDY TO DEPT.CANTEEN	**0.74**	2.37
STAFF WELFARE EXPENSES	**0.97**	1.29
EMPLOYEE'S EDUCATION SOCIETY	**0.01**	0.00
OTHERS	-	0.01
TOTAL	**2,53.82**	2,04.70

(RUPEES IN LAKHS)

	31.3.93	31.3.92
SCHEDULE - 13 EXECUTIVE DEV. PROGRAMMES EXPENSES		
MANAGEMENT PROGRAMME FOR TECHNOLOGISTS	**4.32**	0.00
MANAGEMENT DEVELOPMENT PROGRAMME	**6.22**	4.75
ORGANISATION BASED PROGRAMME	**23.68**	9.67
EXECUTIVE BLOCK	**5.60**	1.74
	39.82	16.16
SCHEDULE - 14 RESEARCH & DEVELOPMENT EXPENSES		
SPONSORED RESEARCH	**4.06**	0.00
INSTITUTE RESEARCH & CASE DEVELOPMENT	**3.60**	4.28
SEMINARS	**1.47**	0.08
TOTAL	**9.13**	4.36
SCHEDULE - 15 GENERAL ADMINISTRATION		
RENT,RATES & TAXES	**0.09**	0.69
ELECTRICITY & WATER CHARGES	**12.22**	13.80
FUEL FOR D.G.SET	**1.76**	0.00
FREIGHT & TRANSPORT	**0.34**	0.10
MAINTENANCE AND REPAIRS	**23.52**	26.55
TRAVELLING EXPENSES	**1.61**	3.88
TELEPHONE & TELEX	**16.31**	47.72
POSTAGE & TELEGRAMS	**1.02**	1.44
PRINTING AND STATIONERY	**5.11**	3.51
CONSUMABLES	**5.20**	2.95
BOARD MEETING EXPENSES	**1.36**	0.00
LEGAL EXPENSES	**1.72**	1.21
AUDIT FEES	**2.30**	0.00
HOSTEL AND OTHER CHARGES	**0.26**	0.00
SOCIETY MEMBERSHIP	**0.10**	0.31
OTHER CONTINGENCIES	**3.80**	6.67
SECURITY SERVICES	**5.58**	0.00
TOTAL	**82.30**	1,08.83

SCHEDULE - 16 NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

1. Due to change in the method of accounting from cash basis to accrual basis during the current year i.e. 1992-93, Income and Expenditure figures of 1992-93 and 1991-92 are not comparable.

2. As the annual accounts of Employee's Welfare Fund have not been finalised from inception, same are not incorporated in these accounts.

3. Identification of itemwise details for the following balances built up over the years is in progress.

	Schedule	(Rs. in lakhs)
1. Sundry Debtors	7	1.43
2. Sundry debit balances	7	13.66
3. Deposits	7	9.72
4. Sundry creditors - others	8	25.46
5. Group Insurance (Cr.)	8	2.28

4. Schedule 7: Current Assets, Loans and Advances (3) Deposit with Karnataka Electricity Board Rs.1.36 lakhs:

   The difference between the deposit with KEB as per our books (Rs. 1.36 lakhs) and as indicated by KEB (Rs.2.64 lakhs) is under reconciliation.

5. Pending ascertainment of interest earned on Deposit with KEB, same has not been accounted.

6. Amounts have been rounded off to rupees in lakhs and figures for previous year have been regrouped wherever necessary. Hence, they are not comparable.

	Sd/-	Sd/-
BANGALORE	(H.S. GOPALAKRISHNAIAH)	(K.R.S. MURTHY)
DATED 16th JULY 1993	FA & CAO	DIRECTOR

SCHEDULE -17

PROVIDENT FUND

BALANCE SHEET AS ON MARCH 31, 1993

(Rs. in lakhs)

				31.03.93	31.3.92
SOURCES OF FUNDS:					
Provident Fund:		GPF	CPF		
1	Opening Balance	60.10	33.96		
2	Additions during the year:				
	2.1 Subscriptions	22.19	7.01		
	2.2 Contributions	-	1.98		
	2.3 Refund of loans	10.99	1.12		
	2.4 Interest	7.18	3.77		
	Total of 1 & 2	1,00.46	47.84	**1,48.30**	
3	Less: Withdrawals	26.44	9.20	**35.64**	
	Net fund	74.02	38.64	**1,12.66**	94.06
4	Loans outstanding	25.29	2.43	**27.72**	27.01
		TOTAL		**1,40.38**	1,21.07
APPLICATION OF FUNDS:					
1	Investments	Statement 1		**82.80**	55.61
2	Interest accrued on investments			**34.44**	33.37
3	Loans to Subscribers			**27.72**	27.01
4	Receivables	0.30	1.22	**1.52**	3.55
5	Cash & Bank balances:				
	With SBM	2.73	1.16		
	With GPO	-	-	**3.89**	11.22
				1,50.37	1,30.76
6	Less: Payables			**9.99**	9.69
		TOTAL		**1,40.38**	1,21.07

Notes to Accounts Statement 2

	Sd/-	Sd/-
BANGALORE	(H.S. GOPALAKRISHNAIAH)	(K.R.S. MURTHY)
DATED 16th JULY 1993	FA & CAO	DIRECTOR

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 1993

(Rs. in lakhs)

			31.3.93	31.3.92
INCOME:				
1. **Income from investments**				
1.1 Received		2.13		
1.2 Accrued		9.57	**11.70**	9.31
2. Due from IIMB towards shortfall in interest		-	-	0.27
	TOTAL		**11.70**	9.58
EXPENDITURE:				
3. **Interest on fund balances**				
3.1 GPF		7.18		
3.2 CPF:				
3.2.1 On Employees Subscription		2.12		
3.2.2 On Employer's Contribution		1.65	**10.95**	9.58
3.2.3 Surplus carried to Bal.Sheet			**0.75**	
	TOTAL		**11.70**	9.58

4. Notes to Accounts Statement 2

	Sd/-	Sd/-
BANGALORE	(H.S. GOPALAKRISHNAIAH)	(K.R.S. MURTHY)
DATED 16th JULY 1993	FA & CAO	DIRECTOR

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

STATEMENT-I
INVESTMENTS AS ON MARCH 31, 1993

(Rs.in lakhs)

Sl.No.	FDR No.& Date	Amount 31.3.93	FDR No. & Date	Amount 31.3.92
TERM DEPOSITS WITH SBM				
1	156743	**6.00**	23054	1.50
2	156748	**7.00**	156743	6.00
3	156766	**2.50**	156748	7.00
4	181905	**2.00**	156766	2.50
5	181921	**5.00**	23010	5.00
6	269013	**3.44**	23036	3.75
7	196718	**2.58**	23079	1.50
8	196813	**4.34**	BL 0029/2014 (RBI)	1.00
9	239917	**7.00**	181905	2.00
10	239950	**8.32**	181921	5.00
11	239966	**5.00**	3001444/A (GPO)	3.00
12	239994	**2.00**	269013	3.44
13	665084	**5.58**	196718	2.58
14	665121	**1.01**	196813	4.34
15	240066	**3.00**	3001813 (GPO)	7.00
16	239995	**2.50**		
17	665120	**2.03**		
18	665167	**1.50**		
19	240067	**1.00**		
20	3001444/A (GPO)	**3.00**		
21	3001813 (GPO)	**7.00**		
22	Book Debt.Cert. No.BL/0029 (RBI)	**1.00**		
	TOTAL	**82.80**		55.61

STATEMENT 2: NOTES TO ACCOUNTS:

1. As the finalisation of the accounts and Balance Sheet of the Provident Fund for the period prior to 1990-91 is in arrears, the following figures in the Balance Sheet adopted from the subscribers ledger accounts are provisional:

		Current year	Previous year
		Rs. in lakhs	
Item 1.1 Opening Balance	GPF	**60.10**	52.59
	CPF	**33.96**	30.19
Item 6 Payables		**9.99**	9.69

2. INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT:

Any revision in the figures indicated in Note 1 will have consequent effect on the following amounts in the Income and Expenditure account:

	Current year	Previous year
	Rs. in lakhs	
i) Surplus/(deficit) carried to Bal.Sheet	**0.75**	(0.27)
ii) Interest on Fund balances	**10.95**	9.58

3. Investments and Bank accounts are in different names. Action is on hand to change them to a common name.

	Sd/-	Sd/-
BANGALORE	(H.S. GOPALAKRISHNAIAH)	(K.R.S. MURTHY)
DATED 16th JULY 1993	FA & CAO	DIRECTOR

AUDIT REPORT ON THE ACCOUNTS OF THE INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT BANGALORE FOR THE YEAR 1992-93

1. Introductory

1.1 The Indian Institute of Management, (Institute), Bangalore, a society registered under the Karnataka Societies Registration Act, 1960, was established in October 1973 for augmenting the management resources through a programme of teaching, training and other professional services. The main objectives of the Institute are to impart management education, to provide professional training in management to persons from public and private sectors, to conduct research and publish literature on management and related areas and to provide consultancy services to industry and Government agencies. The Institute was being financed by grants from the Government of India. The Government of Karnataka had made a capital grant of Rs. 30 lakhs during previous years and donated land to the extent of 100 acres valued at Rs. 37.95 lakhs for establishment of the campus. Besides this, the Institute was also in receipt of funds from beneficiary agencies for sponsored research, consultancy and organisation-based programmes undertaken by it on their behalf.

1.2 The audit of the accounts of the Institute was entrusted to the Comptroller & Auditor General of India under Section 20(1) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Services) Act, 1971 for a period of five years effective from the accounts for 1990-91. The accounts for the year 1992-93 produced in June 1993 were audited in June-July 1993 and the revised accounts were produced in July 1993.

2. Summary of Accounts

A brief summary of Receipts and Payments of the Institute for the year is given below :

	(Rupees in lakhs)
Opening Balance	35.03
Receipts	6,96.64
Total	7,31.67
Payments	6,96.87
Closing Balance	34.80

3. Comments on accounts

3.1 Revision of Accounts

The accounts of the Institute for 1992-93 were revised to rectify the discrepancies noticed by Audit and also omissions noticed internally by the Institute. The revision has resulted in reduction of "excess of expenditure over income" from Rs. 11.48 lakhs to 11.02 lakhs and increase of the assets and liabiliites from Rs. 23,84.66 lakhs to Rs. 23,85.57 lakhs.

3.2 Revision of format of accounts

The institute had been preparing Receipt and Payment Account, Income and Expenditure Account and Balance Sheet hitherto. During the year the institute changed the format and submitted Income and Expenditure Account and Balance Sheet only for Certification. According to the Memorandum of Association of the Institute, the Institute should prepare and maintain accounts and other annual statements of accounts including the balance sheet of the society in such forms as may be prescribed by the Central Government in consultation with the Accountant General. The approval of Central Government for the revision of forms of accounts from 1992-93 was not forthcoming.

3.3 The Institute had prepared the balance sheet as on 31-3-1993 by adopting the vertical form in place of the "Horizontal form" adopted hitherto. Further, due to rounding off, of figures to the nearest lakh, the figures of 1991-92 shown now in the balance sheet adjacently are not comparable with the figures as certified during last year. The difference in figures of 1991-92 is also due to the fact of exhibition of the Provident Fund figures now in the Balance Sheet of 1991-92 which were not reflected earlier as already commented, vide para 3.8 of the Audit report for the year 1991-92. The Institute stated that it has considered it appropriate to show the figures of the Provident Fund for 1991-92 also, even though these were not reflected in the balance sheet of that year.

3.4 The Institute, while revising the accounts, took into account the observations of audit on Schedules 7 & 8, viz., Sundry Debtors,Sundry debit balances,

Deposits, Sundry Creditors (Others), Group Insurance (Cr) and also discrepancy of deposit amount in the Karnataka Electrcity Board between the books of the Institute and those of K.E.B. and amplified Schedule 16 (Notes forming part of accounts) to indicate that the identification of item-wise details for the following balances furnished in Schedules 7 & 8 was in progress.

		(Rupees in lakhs)
1)	Sundry Debtors	1.43
2)	Sundry Debit Balances	13.66
3)	Deposits	9.72
4)	Sundry Creditors - Others	25.46
5)	Group Insurance (Cr)	2.28

Further the Institute stated that the difference between the deposits with K.E.B. as per books of the Institute (Rs. 1.36 lakhs) and those of K.E.B. (Rs. 2.64 lakhs) is under reconciliation and pending ascertainment of interest earned on these deposits same was not accounted.

3.5 Income and Expenditure Account

The excess of expenditure over Income for the year 1992-93 was Rs. 11.02 lakhs as compared to Rs. 55.65 lakhs for the year 1991-92. This reduction was mainly on account of increased income under "Post graduate and Fellow-programme" and "executive Development Programme " and the reduced expenditure under the former programme.

3.6 Provident Fund Account

The institute has prepared the balance sheet for 1992-93 relating to P.F accounts and has clubbed both the G.P.F and C.P.F accounts besides bringing the same to the main account.

According to section 8(2) of the Provident Fund Act, 1925 the appropriate Government may, by notification direct that the provisions of this Act shall apply to any Provident Fund established for the benefit of employees of any of the institution specified in the schedule. But the same is yet to be obtained. The Institute stated that the matter was under pursuance with Government of India. It is also seen that the opening balance adopted by the Institute is provisional as the finalisation of accounts of Provident Fund prior to 1990-91 is in arrears.

4. Utilisation of Grants

The utilisation of grants under plan and non-plan during the year 1992-93 is as follows :

		Plan	Non-Plan
		(Rs in lakhs)	
1.	Unutilised balance at the commencement of the year	1.01	-
2.	Grants received during the year	2,41.99	2,39.00
3.	Refund of deposits	11.89	-
		2,54.89	2,39.00
	Grant Utilised	2,54.89	2,39.00
	Balance	Nil	Nil

PLACE : BANGALORE
DATE : 4 OCTOBER, 1993

SD/-
(K.G. MAHALINGAM)
ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) - I

5.2 Projects Initiated

The following eleven new research projects were initiated during the year :

Sl. No.	Project	Funding Agency	Faculty
1.	Measuring Quality Costs	IIMB	R Narayanaswamy
2.	Management Responses to Growth	IIMB	N Naganna
3.	National Conference on Industrial Relations Policy and Law	IIMB	B R Patil
4.	The Impact of the Government's Economic Liberalisation Programme on Indian Companies : A Survey of Top Management	IIMB	L Prasad
5.	A Knowledge-Based Information System for Optimising Funds-Flow at ABB Corporate	IIMB	B Shekar
6.	Documentation on Management of Public Systems	IIMB	V Nagadevara
7.	Investment Opportunities for Indian Companies in East Germany	IIMB	Ramnath Narayanswamy
8.	Proposal for Developing a Case on Performance Appraisal	IIMB	Kalyani Gandhi
9.	Excellence Through Political Intervention — A Case Study of a Cooperative in Karnataka	IRMA Anand	S T Somashekhara Reddy Research Fellow
10.	Study Tour on Traditional Irrigation Projects in India for 5 Participants from Tanzania	Food and Agricultural Organisation	S T Somashekhara Reddy Research Fellow
11.	Cauvery Water Dispute — Studies regarding Socio-Economic Aspects of Droughts under Cauvery Basin	Government of Karnataka	S T Somashekhara Reddy Research Fellow

5.3 Ongoing Projects

In addition to the eleven projects initiated during the year, as mentioned in 5.2 the following projects initiated during earlier years were also in progress during the year:

Sl. No.	Title	Sponsor	Faculty
1.	Unionisation Among White Collar and Professional Employees	IIMB	B R Patil
2.	The Process of Developing and Maintaining Distractive Organisational Culture	IIMB	C M Reddy
3.	Role Conflict Among Working Women	IIMB	Malathi Venugopal
4.	Using Financial Data to Express Stock Prices	IIMB	Premchander
5.	Management of Panchayatraj in Karnataka	IIMB	B K Chandrashekar
6.	Management of External Debt	IIMB	P G Apte
7.	Role of U.N. Agencies in the Development of Underdeveloped Countries — Policy Issues and Perspectives	IIMB	R Dhar
8.	Management Education and Social Change: A Case Study of IIM Graduates	IIMB	Mira Bakhru
9.	Analytical Study of Management Education in Southern Region	IIMB	Malathi Somaiah
10.	Traffic Management at Junctions Using "TRANSYT"	IIMB	T V Ramanayya & K M Anantharamaiah
11.	Role of Traditional Medical Practitioners in Primary Health Care	IIMB	J C Bhatia
12.	Community Financing of Rural Health Services — A Case Study of a Health Cooperative	IIMB	J C Bhatia
13.	A Comparative Study of the Management Practices of the Primary Health Care Services in the four Southern States	IIMB	P Bhaskaran
14.	Long Range Planning in Indian Public Sector Organisations	Madras Refineries Ltd.	S Krishna
15.	Determinants of Contraceptive Use Dynamics	WHO	J C Bhatia
16.	The Effect of Mother's Education on Child Survival	Ford Foundation	J C Bhatia